नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शुक्रवार 6 मार्च 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 286 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ अपने पैतृक गांव रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा गांव में आयोजित बाहा पूजा में हुए शामिल

संक्षिप्त समाचार

सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी बरामद

चाईबासा (नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा के घने जंगलों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। जराईकेला थाना क्षेत्र के एदेलबेरड़ा-बाबुडेरा मार्ग पर सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने एक शक्तिशाली आईईडी बरामद किया। बम निरोधक दस्ते ने इसे तत्काल मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया।

सोन नदी से अज्ञात महिला का शव बरामद

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना अंतर्गत देवरी के इलाके में सोन नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। मृत महिला की पहचान नहीं हो पाई है। शव बालू के नीचे ढका था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

नदी में डूबने से दो किशोरों की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जमुआ और देवरी प्रखंड की मध्य सीमा पर बुधवार को गोदावरी त्रिवेणी संगम में गहरे पानी में डूब जाने से दो किशोर की मौत हो गयी। दोनों किशोर देवरी थाना क्षेत्र के चतरो बाजार के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक चतरो गांव निवासी संजय साव का पुत्र करण कुमार और पुरनीगड़िया गांव के कृष्णा विश्वकर्मा के पुत्र दीपक कुमार चतरो बाजार में होली खेलने के बाद अपने दोस्तों के साथ स्नान के लिए त्रिवेणी संगम गए थे, जहां पर स्नान के क्रम में दोनों गहरे पानी मे डूब गए। घटना के बाद दोनों के शव को घर लाया गया तो पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। खोरी महुआ के एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि डूबने से दो की मौत हुई है।

पोल से टकरा बाइक सवार युवक की मौत

लातेहार (नबिटा ब्यूरो)। जिले के बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत बारियातू में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बारियातू निवासी संजय प्रसाद के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही इलाके में शोक का माहौल बन गया। बताया जाता है कि दुर्घटना बारियातू स्थित मध्य विद्यालय के पास हुई, जहां संजय प्रसाद की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई।

दिव्यांग युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित कुम्हारपाड़ा में एक 38 वर्षीय दिव्यांग युवक ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव गुरुवार सुबह उसके घर के कमरे में जमीन पर पड़ा मिला। मृतक की पहचान सूरज प्रसाद के रूप में हुई है, जो अपनी दूसरी पत्नी सोनी के साथ कुम्हारपाड़ा में रहता था।

तालाबों का संरक्षण बेहद जरूरी : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिले के गोला प्रखंड के नेमरा गांव में बाहा पूजा में शामिल होने पहुंचे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को अपने पैतृक गांव में विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। सीएम ने अधिकारियों के साथ गांव स्थित तालाब का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तालाब की साफ-सफाई, जल संरक्षण और सौंदर्यीकरण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि तालाबों का संरक्षण ग्रामीण जीवन और पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। मौके पर उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक (एसपी), अंचल अधिकारी (सीओ) सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को चल रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। तालाब निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सामुदायिक भवन पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बाहा पूजा के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पूजा कार्यक्रम के दौरान आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बाहा पूजा में शामिल होने के लिए एक दिन पूर्व बुधवार शाम को ही नेमरा पहुंच चुके हैं। पूजा को लेकर उनके आवास पर अतिथियों का आगमन लगातार जारी है। पूर्व विधायक सीता सोरेन भी नेमरा पहुंचीं और कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई है। सामुदायिक भवन में अतिथियों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं ट्रैफिक व्यवस्था पूर्व की भांति बीएसएनएल टावर के पास से नियंत्रित की जा रही है ताकि आवागमन सुचारू बना रहे। बाहा पूजा को लेकर पूरे नेमरा गांव में उत्साह का माहौल है। प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा प्रबंधों के बीच पारंपरिक आयोजन को शांतिपूर्ण और भव्य बनाने की दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सड़क हादसों में दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। जिले में गुरुवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज मामले की छानबीन में जुट गई है। पहली घटना सदर प्रखंड के टोटो थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटाम खरका रोड पर हुई। यहां एक अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकरा गई, जिससे हरखपुरा, बेगूसराय, बिहार निवासी 40 वर्षीय टाइल्स मिस्त्री जगदीश दास की मौत हो गई। जगदीश दास गुमला में किराए के मकान में रहता था और टाइल्स मिस्त्री का काम करता था। होली के दिन वह पतगच्छा की ओर गया था। लौटते समय कोटाम खरका रोड पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। बाइक पर जगदीश के साथ एक और व्यक्ति सवार था, जिसे चोटें आई हैं और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। जगदीश को गंभीर चोटें लगी थीं और अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना बसिया थाना क्षेत्र में हुई, जहां धेमन उरांव के 17 वर्षीय पुत्र अभिषेक उरांव की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक के परिजन शुकरा धनवार ने पुलिस को बताया कि गांव में बाइक के चालक ने अभिषेक को टक्कर मार दी थी। गंभीर चोटें लगने के बाद उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसिया ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर एसआई राम बुलावन राम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेजा। पुलिस इस मामले की भी गहनता से छानबीन कर रही है।

जमीन विवाद में बुजुर्ग की टांगी से काटकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के हीरा सिकनी में 70 वर्षीय बुजुर्ग विश्वनाथ रजवार की टांगी से काटकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोप में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है, जबकि मामले में एक 16 वर्ष के नाबालिग को निरुद्ध किया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। दरअसल, पलामू के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के हीरा सिकनी के रहने वाले विश्वनाथ रजवार का अपने गोतिया कपिल रजवार के साथ लंबे समय से जमीन का विवाद चल रहा था। होली के दिन शराब के नशे में कपिल रजवार और विश्वनाथ रजवार के बीच बहस हुई थी। इसी क्रम में विश्वनाथ रजवार की टांगी से काटकर हत्या कर दी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद हुसैनाबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। मामले में मृतक के परिजनों ने विश्वनाथ रजवार और उनके बेटों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच के बाद हत्या के आरोपी कपिल रजवार और उसके बेटे आनंद रजवार को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया है। इस संबंध में हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि जमीन के विवाद में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। हत्या के दो आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि लंबे समय से दोनों के बीच जमीन का विवाद चल रहा था।

हत्यारोपित ने थाना के हाजत में की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के नामकुम थाने के हाजत में एक हत्या के आरोपी ने आत्महत्या कर ली। मरने वाले का नाम जगय मुंडा है। वह खूंटी जिले का रहने वाला था। पुलिस ने उसे 12 साल के लड़के की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। 12 साल के लड़के को किडनैप करके उसकी हत्या करने के आरोपी ने रांची के नामकुम थाने के हाजत में आत्महत्या कर ली। जगय मुंडा को 4 मार्च को बच्चे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और उसे 5 मार्च को जेल भेजा जाना था। 4 मार्च की रात उसे नामकुम थाने के हाजत में रखा गया था और ओढ़ने के लिए एक चादर दी गई थी। लेकिन, बुधवार देर रात जगय मुंडा ने थाने के हाजत में आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की खबर मिलते ही थाने में हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी समेत कई वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। रांची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पूरी जांच के बाद बॉडी को हाजत से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम भी मजिस्ट्रेट की निगरानी में होगा और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 45 साल के जगय मुंडा ने अपनी महिला मित्र के 12 साल के बच्चे का अपहरण कर लिया था। इसके बाद आरोपी बच्चे को रामगढ़ ले गया और उसे जान से मार डाला। फिर उसके शव को दफना दिया। मामला जब थाने पहुंचा तो पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसे हाजत में रखा था। पूरा मामला अवैध संबंध से जुड़ा है। जगय मुंडा का नामकुम की एक महिला के साथ संबंध था। इस दौरान महिला का संबंध किसी दूसरे आदमी से हो गया। बार-बार मनाने के बाद भी जब महिला ने उस आदमी से रिश्ता तोड़ने से मना कर दिया तो जगय मुंडा ने महिला के 12 साल के बच्चे को किडनैप करके मार डाला। बच्चे की हत्या के मामले में रांची के नामकुम थाना में केस नंबर 50/26 दर्ज किया गया था। हाजत में मौत के बाद, नामकुम थाना के लापरवाह पुलिसवालों पर गाज गिर सकती है। हाजत की निगरानी के लिए कई सिस्टम और नियम बनाए गए हैं। लेकिन, ऐसा लगता है कि होली के उत्साह में नामकुम पुलिस अधिकारी हाजत पर ध्यान देना भूल गए, जिससे आरोपी ने हाजत के अंदर आत्महत्या कर ली।

जमीन ब्रोकर की चाकू मारकर हत्या

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना क्षेत्र में होली के दिन एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई है। 40 वर्षीय देवराज सरकार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। गंभीर रूप से घायल देवराज को आनन-फानन में सोनाजोड़ी सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में करीब 10 लोगों की संलिप्तता सामने आई है। मृतक के पिता मेघनाथ सरकार ने बताया कि उनके बेटे पर हमला करने के बाद सभी आरोपी मौके से भाग गए। उन्होंने बताया कि देवराज सरकार जमीन ब्रोकरी का काम करते थे। परिवार के अनुसार पहले भी जमीन विवाद को लेकर कुछ लोगों ने उनके घर पर हमला किया था। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि यह स्पष्ट रूप से हत्या का मामला है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जेआरएसयू लाइब्रेरी में आएगा डिजिटल बदलाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। उच्च शिक्षा में तकनीकी बदलाव को अपनाते हुए झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय ने अपनी लाइब्रेरी को आधुनिक और पूरी तरह ऑटोमेटेड बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में अब रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन और इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा। इस योजना के लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिसे विश्वविद्यालय की वित्त समिति से भी मंजूरी मिल चुकी है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद लाइब्रेरी की पूरी कार्यप्रणाली डिजिटल हो जाएगी। किताबों के निर्गमन, वापसी, कैटलॉगिंग और लाइब्रेरी प्रबंधन से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं तकनीक के माध्यम से संचालित होंगी। इससे छात्रों और शोधार्थियों को किताबों के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विद्यार्थी घर बैठे ऑनलाइन कैटलॉग के जरिए यह भी देख सकेंगे कि कौन-कौन सी पुस्तक उपलब्ध है और किसे जारी किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस कदम से न केवल छात्रों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि शोध और अध्ययन का माहौल भी बेहतर होगा। फिलहाल विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में करीब 2100 पुस्तकें और लगभग 13 हजार ई-जर्नल उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग छात्र और रिसर्चर अपने अध्ययन के लिए करते हैं। नई प्रणाली लागू होने के बाद इन संसाधनों तक पहुंच और अधिक सरल तथा पारदर्शी हो जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव (रजिस्ट्रार) डॉ. हेमेंद्र कुमार भगत ने कहा कि लाइब्रेरी को ऑटोमेटेड बनाने की यह पहल पूरी तरह छात्र-केंद्रित है। आरएफआईडी और आधुनिक लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम के लागू होने से छात्रों को किताबों तक त्वरित पहुंच मिलेगी और शोध कार्य में भी तेजी आएगी। हमारा प्रयास है कि विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण तकनीक और समय के साथ आगे बढ़े। डॉ. भगत ने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार लगातार किया जा रहा है। इसी सत्र से क्रिमिनोलॉजी और फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसके लिए 13 हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके अलावा मास मीडिया की परीक्षा भी जल्द आयोजित होने वाली है। वर्तमान में झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय में करीब 600 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यहां तीन स्नातक, दो स्नातकोत्तर और एक पीजी डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि लाइब्रेरी के ऑटोमेशन के बाद छात्रों को अध्ययन और शोध के लिए बेहतर संसाधन मिलेंगे। गौरतलब है कि रांची में अभी तक रांची विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय और एनयूएसआरएल (नेशनल यूनिवर्सिटी फॉर स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ) में ही इस तरह की आधुनिक लाइब्रेरी व्यवस्था उपलब्ध है। ऐसे में जेआरएसयू का यह कदम राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल लाइब्रेरी संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सिगरेट नहीं मिलने पर दुकान को फूंक डाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। सिगरेट नहीं मिलने पर चार युवकों ने एक दुकान को फूंक डाला है। इस घटना में दुकानदार को 10 लाख का नुकसान हुआ है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपी को हिरासत में लिया है जबकि अन्य के खिलाफ छापेमारी कर रही है। घटना पलामू के सदर थाना क्षेत्र के सुआ के इलाके की है। सुआ के ही रहने वाले राजेश कुमार गुप्ता दुकान संचालन करते हैं। बुधवार की देर रात चार युवक राजेश कुमार गुप्ता की दुकान में पहुंचे थे। चारों युवक राजेश कुमार गुप्ता से सिगरेट मांग रहे थे। राजेश कुमार गुप्ता के द्वारा युवकों को बताया गया कि दुकान में सिगरेट नहीं है। सिगरेट नहीं मिलने के बाद चारों ने राजेश कुमार गुप्ता के साथ गाली गलौज की और उन्हें धमकी भी दी। बाद में राजेश कुमार गुप्ता की दुकान में आग लगा दी। इस घटना में राजेश कुमार गुप्ता को करीब 10 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान में रखे 80 हजार नगद और अन्य सामग्री जल गई है। राजेश कुमार गुप्ता के भाई की शादी भी है। शादी के लिए रखे गए सामान भी जल गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने आग लगाने के आरोपियों में से दो युवकों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस छापेमारी कर रही है। सदर थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि सिगरेट नहीं मिलने के बाद आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है।

बिहार की मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर झारखंड की राजनीति गर्म

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बिहार की मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर झारखंड की राजनीति में भी गर्माहट आ गई है। राज्य में सत्तारूढ़ इंडिया ब्लॉक के सबसे बड़े घटक दल झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजे जाने के निर्णय पर प्रतिक्रिया दी गई है। झामुमो की ओर से कहा गया कि यह भाजपा की नीतीश कुमार को राजनीतिक तौर पर इतिहास बनाने की चाल है। वहीं झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा नीतीश कुमार को बिहार का शिंदे बनाने जा रही है, उनकी पार्टी जदयू भी कुछ दिनों की मेहमान है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि बिहार से नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजकर बिहार में भाजपा अपनी विचारधारा वाले नेता के हाथों बिहार की कमान सौंपने जा रही है।

मनोज पांडेय ने कहा कि यह बिहार के करोड़ों मतदाताओं के साथ धोखा है जिन्होंने नीतीश कुमार के चेहरे पर वोट किया था। मनोज पांडेय ने नीतीश कुमार जिन लोगों के साथ राजनीतिक कर रहे हैं वहां सिर्फ फरेब और धोखा है। मनोज पांडेय ने कहा कि जिस नीतीश कुमार के चेहरे पर बिहार में विधानसभा के चुनाव हुए और जनमत मिला था। ऐसे में कुछ महीनो में ही ऐसी क्या स्थिति आ गई कि नीतीश कुमार को राजनीतिक रूप से पूरी तरह से समाप्त करने और जदयू का नामोनिशान मिटा देने का साजिश रची जाने लगी। मनोज पांडेय ने कहा कि ऐसे भी कहा जाता है कि भाजपा ऐसी पार्टी है जिसमें 'जो सटा वह घटा' इसलिए वह 'साम-दाम-दंड-भेद' अपना कर लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ जाकर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाना चाहती है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा जाने को लेकर सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता ने कहा कि नीतीश कुमार पर बहुत बड़ा दबाव है, इसलिए वह राज्यसभा जाने को राजी हुए। झामुमो नेता ने कहा कि क्यों नीतीश कुमार झुक गए, इसका उन्हें जवाब देना चाहिए। झामुमो नेता ने कहा कि नीतीश कुमार का स्थान कोई नहीं ले पाएगा और आने वाले दिनों में बिहार में एनडीए कमजोर होगा। भारतीय जनता पार्टी कमजोर होगी क्योंकि नीतीश कुमार के सहारे ही एनडीए सत्ता में आई है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता कमल ठाकुर ने बिहार की राजनीतिक हलचल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह तो पहले से तय था कि नीतीश कुमार के साथ खेला होने वाला है, क्योंकि भाजपा नीतीश कुमार को देश का दूसरा शिंदे बनाना चाहती थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आज तक अपने किसी राजनीतिक पार्टनर को चैन से नहीं रहने दिया है। जब-जब मौका मिला है भाजपा सुरसा की भांति अपने ही सहयोगी दलों को निगली है। नीतीश कुमार ने जो बोया है उसी को काट रहे हैं। राजनीतिक रूप से भाजपा अब नीतीश कुमार और जदयू का नामोनिशान बिहार से खत्म करने वाली है। कमल ठाकुर ने कहा कि जदयू अब कुछ महीने की मेहमान है, क्योंकि इसमें कार्यकर्ता संघ, मंडल और कमंडल में बंटे हुए हैं। वहीं झामुमो प्रवक्ता के बयान पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजे जाने और बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर बयान देने की जगह झारखंड मुक्ति मोर्चा को अपनी चिंता करनी चाहिए, उन्हें यह बताना चाहिए कि बिहार में उनके साथ जो अन्याय राजद और कांग्रेस ने किया है, खाली डिब्बा उन्हें वापस भेज दिया, उस पर समीक्षा कब करेंगे और राजद को मंत्रिमंडल से कब हटाएंगे।

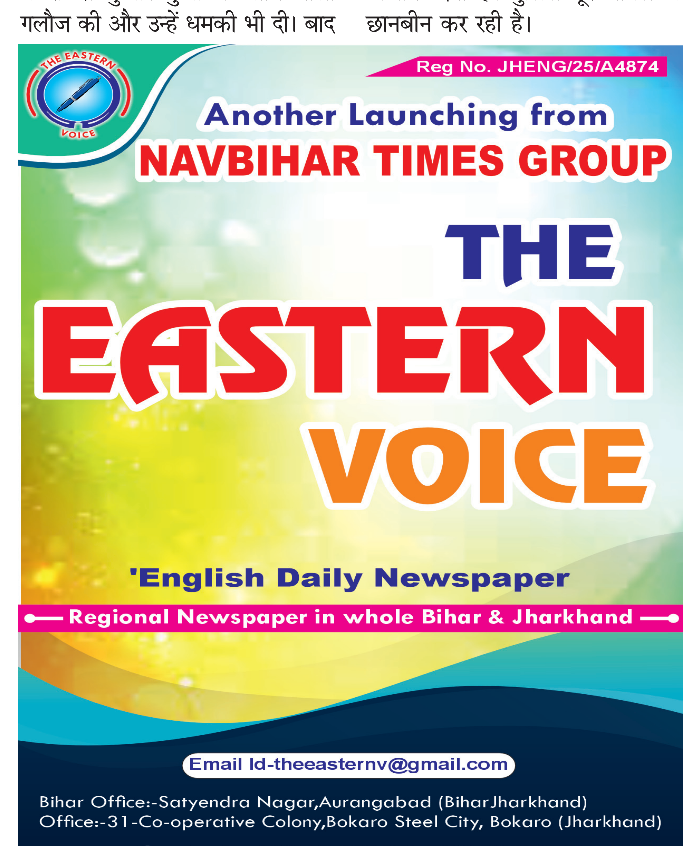

C M Y K

संक्षिप्त समाचार

मयार्दा का कत्ल : रक्षक ही बना भक्षक

बरही/हजारीबाग (नबिटासं)। समाज में जिस घर को सबसे सुरक्षित किला माना जाता है, बरही के रसोइया धमना गाँव में उसी घर की चारदीवारी के भीतर रिश्तों के कत्ल की एक शर्मनाक कोशिश सामने आई है। एक महिला ने अपने ही भैंसुर (पति के बड़े भाई) पर जो आरोप लगाए हैं, वे न केवल कानून की नजर में अपराध हैं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक गहरा तमाचा भी हैं। घटना 1 मार्च की सुबह की है, जब रोटी की आंच पर परिवार का पेट पालने की कोशिश कर रही एक महिला की अस्मत पर उसके ही 'अभिभावक' ने हमला बोल दिया। पीड़िता के अनुसार, जब वह छत पर खाना बना रही थी, तब आरोपी भैंसुर ने मयार्दा की सारी सीमाएं लांघते हुए उसके साथ जबरन छेड़खानी की । विरोध करने पर उस 'कलयुगी' रिश्तेदार ने न केवल महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की, बल्कि उसके कपड़े तक फाड़ दिए और जान से मारने की धमकी दी। शोर मचने पर जुटे ग्रामीणों ने किसी तरह महिला की जान बचाई। यह घटना उस मानसिकता पर करारा व्यंग्य है, जहाँ बाहर तो लोग 'सभ्य' होने का ढोंग करते हैं, लेकिन घर के भीतर भेड़ियों जैसा व्यवहार रखते हैं। बरही पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं 115(2), 126(2), 74, 76, 79 और अन्य के तहत प्राथमिकी संख्या 0080/2026 दर्ज कर ली है। कानून की ये धाराएं अब उस शख्स को आईना दिखाएंगी जिसने पिता तुल्य रिश्ते को कलंकित किया है। अब वक्त आ गया है कि ऐसे अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जाए, ताकि अगली बार कोई भी रिश्तों की लक्ष्मण रेखा लांघने से पहले सौ बार सोचे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

बरही/हजारीबाग (नबिटासं)। सोमवार की रात्रि एनएच स्थित चार माइल के समीप हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पोडैया निवासी सोहना महतो के करीब 21 वर्षीय पुत्र कपिल यादव के रूप में हुई है । प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक बाइक संख्या खल़ 02अऊ9857 से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान चार माइल के समीप वह दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे के समय युवक ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। स्थानीय लोगों की मदद से परिजन उसे घर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।विशेषज्ञों की माने तो दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह दुर्घटना की स्थिति में सिर को गंभीर चोट से बचाने में अहम भूमिका निभाता है।

होली खेलने के दौरान दो पक्षों में मारपीट

विक्रमगंज/रोहतास (नबिटासं)। काराकाट प्रखंड के नगर पंचायत गोडारी में होली के दिन दो पक्षों में जमकर मारपीट होने की सूचना प्राप्त हुई है। बताया जाता है कि इस घटना में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं।पहले पक्ष की उषा देवी ने थाने में दर्ज प्राथमिकी में बताया कि श्याम बिहारी साह के पुत्र रजनीकांत कुमार और रवि रंजन कुमार पर्यावरण रंग लगाने एवं विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाया गया है, जबकि दूसरे पक्ष से श्याम बिहारी साह के द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई कि उसी दिन जितेंद्र तिवारी, हरेंद्र तिवारी और उनके बड़े लड़के सहित दस अज्ञात लोग वाहन से उनके दरवाजे पर आए। उन्होंने मारपीट शुरू कर दी और फायरिंग भी की। इस मामले में काराकाट थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि होली पर्व पर कीचड़ फेंकने और रंग लगाने को लेकर विवाद बढ़ा। दोनों पक्षों ने अलग - अलग प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रथम पक्ष से रजनीकांत कुमार और दूसरे पक्ष से हरेंद्र तिवारी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।इस घटना से तनाव का माहौल बताया जा रहा है। पुलिस के द्वारा स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किये जाने की बातें भी कही गई। मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की बात कही गई।

करंट लगने से युवक की मौत

विक्रमगंज/रोहतास (नबिटासं)। अनुमंडल क्षेत्र के संझौली प्रखंड में गेहूं के पटवन के दौरान बिजली के करंट लगने से एक युवक की मौत होने की सूचना प्राप्त हुई है, जहां गेहूं के पटवन के दौरान एक सत्रह वर्षीय युवक करंट की चपेट में आ गया, जिसके कारण गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार, को गेहूं पटवन के दौरान हुई, जब किशोर गेहूं की सिंचाई के लिए खेत में गया था। इसी दौरान वह जमीन पर गिरे बिजली के तार की चपेट में आ गया, जिससे उसे गंभीर रूप से करंट लग गया।घायल किशोर को परिजन बिक्रमगंज शहर के अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया। इसके बाद उसे अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

60 युवाओं ने थामा झामुमो का दामन

भाजपा छोड़ मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और जिलाध्यक्ष संजय सिंह की मौजूदगी में ली सदस्यता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के उत्सव उपवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पचम्बा के कान्दू टोला से लगभग 60 युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण की। यह सदस्यता अभियान प्रमोद कंधवे के प्रयास से और पंकज कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्या कुमार सोनू और झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह की उपस्थिति में सभी युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ली तथा झामुमो की विचारधारा पर चलने का संकल्प लिया इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि झामुमो हमेशा से झारखंड के विकास, अधिकार और जनता की आवाज को मजबूत करने के लिए संघर्ष करती रही है। युवाओं के पार्टी से जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी वहीं जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से पार्टी और मजबूत होगी तथा आने वाले समय में संगठन जनहित के मुद्दों को और मजबूती से उठाएगा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी युवाओं ने झामुमो की नीतियों और सिद्धांतों के साथ चलने तथा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

डिप्टी मेयर चुनाव में देरी का प्रावधान गलत, इससे हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका : राजेश सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम चुनाव संपन्न होने के बाद अब डिप्टी मेयर के चुनाव को लेकर शहर में चचार्ओं का दौर तेज हो गया है। भाकपा माले नेता राजेश सिन्हा ने डिप्टी मेयर चुनाव प्रक्रिया में हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह प्रावधान सही नहीं है, क्योंकि इससे हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने प्रशासन, जनता और नवनिर्वाचित वार्ड पार्षदों से इस मामले में संज्ञान लेने की अपील की है उन्होंने कहा कि पहले डिप्टी मेयर का चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाता था, लेकिन अब नया नियम लागू होने के बाद वार्ड पार्षदों के वोट से डिप्टी मेयर का चयन किया जाएगा। ऐसे में चार वार्ड पार्षद डिप्टी मेयर पद के लिए दावेदारी करते हुए अन्य पार्षदों से समर्थन जुटाने के लिए लगातार मुलाकात कर रहे हैं। इसके अलावा कई अन्य लोग भी अलग-अलग समूह बनाकर पार्षदों से संपर्क कर रहे हैं और समर्थन के लिए तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। इससे नगर निगम क्षेत्र में चचार्ओं का बाजार गर्म है राजेश सिन्हा ने कहा कि यदि पहले की तरह डिप्टी मेयर का चुनाव सीधे जनता के माध्यम से होता, तो इस तरह की आशंकाओं को काफी हद तक रोका जा सकता था।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को इस पूरे मामले पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया में गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव का बयान आया है कि यदि इस तरह की गतिविधियों की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने सुझाव दिया कि 36 वार्डों से चुने गए पार्षदों में से अधिकांश से जांच और पूछताछ की जाए तो कई बातें सामने आ सकती हैं। हालांकि यह जांच का विषय है कि पार्षदों के बीच किस तरह की चर्चा हो रही है, लेकिन जनता के बीच इसको लेकर तरह-तरह की बातें चल रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी प्रकार की अफवाह न फैलाएं और प्रशासन भी इस पर नजर बनाए रखे राजेश सिन्हा ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ जगहों पर समूह बनाकर बैठकें की जा रही हैं और पार्षदों पर दबाव बनाने की भी बातें सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि यदि कोई साथ नहीं देगा तो उसके वार्ड में विकास कार्यो में दिक्कत हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। यहां तक कि जिन स्थानों पर बैठकें हुई हैं, वहां की लोकेशन की भी जांच की जा सकती है उन्होंने चुनाव आयोग से भी सवाल उठाते हुए पूछा कि जब तक डिप्टी मेयर के चुनाव की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक क्या राजनीतिक दलों द्वारा सम्मान समारोह, सार्वजनिक बैठकें या अन्य गतिविधियां करना उचित है या नहीं, इस पर भी स्पष्टता होनी चाहिए।राजेश सिन्हा ने कहा कि फिलहाल चार संभावित प्रत्याशियों की चर्चा चल रही है, लेकिन अंतिम समय में यह मुकाबला दो उम्मीदवारों के बीच सिमट सकता है। यदि कोई तीसरा या चौथा प्रत्याशी मैदान में उतरता है तो वह अपने दम पर ही चुनाव लड़ेगा और राजनीतिक दल उसका समर्थन नहीं करेंगे उन्होंने नवनिर्वाचित 36 वार्ड पार्षदों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने वार्ड में उन उम्मीदवारों से भी संवाद करें जो किसी कारणवश चुनाव नहीं जीत सके।

राजनीति में दबाव और प्रलोभन की संस्कृति पर माले नेता राजेश सिन्हा ने उठाए सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । स्थानीय सामाजिक और राजनीति कार्यकर्ता राजेश सिन्हा ने राजनीति में बढ़ते दबाव, प्रलोभन और धमकी की संस्कृति पर चिंता जताते हुए कहा है कि ऐसे माहौल में सच्चे जनप्रतिनिधियों के लिए अपने सिद्धांतों पर टिके रहना बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने अपने विचार सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते हुए कहा कि राजनीति में कई लोग थोड़े समय के लिए शक्ति और प्रभाव दिखा सकते हैं, लेकिन अपने दम पर लंबे समय तक स्थापित नहीं हो पाते राजेश सिन्हा ने कहा कि आज के समय में कई जनप्रतिनिधियों को विभिन्न तरह के दबावों का सामना करना पड़ता है। उन्हें कभी प्रलोभन दिया जाता है तो कभी धमकियों के जरिए झुकाने की कोशिश की जाती है।

कई बार केस-मुकदमे की धमकी देकर भी नेताओं को अपनी बात मनवाने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया उन्होंने कहा कि यदि कोई नेता डर या लालच के कारण अपने सिद्धांतों से समझौता करता है तो अंततः उसकी राजनीतिक पहचान कमजोर हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि जनप्रतिनिधि धैर्य और साहस के साथ ऐसे दबावों का सामना करें और अपने सिद्धांतों पर कायम रहे राजेश सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र में किसी को डराने या दबाव बनाने की प्रवृत्ति गलत है और इसका विरोध होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सही नीतियों और पार्टी के नियमों के साथ खड़े रहेंगे, लेकिन अगर कहीं गलत होगा तो उसका विरोध भी करते रहेंगे।

शॉट सर्किट से एक ही परिवार के तीन घरों में आग लगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधेपुर । जिले के चौसा प्रखंड क्षेत्र के मोरसंडा गांव में बुधवार की देर रात बिजली के शॉट सर्किट से एक ही परिवार के तीन घरों में आग लग गई।

घटना में एक युवक की मौत हो गई। जबकि, उसके पिता और बहन गंभीर रूप से झुलस गई। दोनों को भागलपुर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। मृतक युवक की पहचान बलराम मुनि, पिता इन्द्रदेव मुनि के रूप में की गई।

शराबी पति से परेशान पत्नी ने थाना में दिया आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चांदन (बांका) । आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा कुसुमघट (गुहजोरा)गांव में शराबी पति से से परेशान एक पत्नी ने अपने पति के खिलाफ थाना में आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग थानाध्यक्ष से की है। जानकारी के अनुसार कुसुमघट (गुहजोरा) गांव निवासी चुनरी देवी पति वासुदेव पासवान ने अपने शराबी पति के खिलाफ आनंदपुर थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया है कि उसका पति शराब की सेवन कर घर लौटते हैं और गाली-गलौज व मारपीट करता है। बीते बुधवार को भी वो शराब पीकर घर पहुंचा और ड्रामा करने लगा। विरोध करने पर लाठी-डंडे से मारकर उसे घायल कर दिया। पिड़ित महिला ने यह भी बतायी की मेरे साथ पहली बार घटना नहीं है। बल्कि इससे पूर्व भी मेरे साथ कई बार मारपीट करने की घटना की घटना की अंजाम दे चुका है। मामले की जांच के लिए पहुंची पुलिस पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी घर से फरार हो गया।इस संबंध में थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, 12 घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। शेखपुरा जिले के अरियरी थाना क्षेत्र के फरपर गांव में दो पक्षों के बीच हुए हिंसक झड़प की घटना में दोनों पक्ष के 12 लोग घायल हो गए॰ ग्रामीणों की सहायता से घायलों को इलाज हेतु आनन फानन में इलाज हेतु सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया॰ जहां घायलों में दो की हालत गंभीर रहने के कारण हायर सेंटर पावापुरी रेफर कर दिया गया॰ घटना की सूचना मिलने के बाद अरियरी थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है॰ सूत्रों ने बताया कि मकान निर्माण करने के दौरान लक्ष्मण चौहान के यहां बंगाली चौहान का 45,000 रुपए बकाया रह गया था॰ बकाया राशि मांगने वह लक्ष्मण चौहान के पास गया था॰ इसी बात को लेकर लक्ष्मण चौहान और उसके परिवार के लोग आक्रोशित हो गए और रुपया देने के इनकार कर दिया॰ इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए।

भीषण सड़क हादसे में हरियाणा के पांच लोगों की मौत, दो गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी। फुलपरास थाना क्षेत्र के एनएच 27अ परसा चौक के पास तेज रफ्तार हरियाणा नम्बर स्कॉर्पियो ने एक मिनी ट्रक से आमने-सामने टकरा गयी। स्कॉर्पियो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसका ईलाज डीएमसीएच दरभंगा में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार घटनास्थल सुबह साढ़े तीन बजे है। बताया जाता है कि सभी होली पर हरियाणा से घुमने निकले थे।

मृतकों में चार युवक है, जबकि एक युवती है। वहीं दो युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। ईधर फुलपरास एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि एक महिला समेत पांच की मौत हुई और दो की हालत गंभीर बनी हुई है। जिला के फुलपरास थाना क्षेत्र के परसा चौक के पास एनएच 27ए के पर गुरुवार की सुबह तड़के एक भीषण सड़क हादसे में स्कोर्पियो सवार हरियाण के पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार सुबह चार बजे तेज रफ्तार के कारण स्कार्पियो और टाटा 407 के बीच हुए आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्कार्पियो पर सवार लोग हरियाणा से घुमने आ रहे थे। परसा चौक के पास अचानक टाटा 407 से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया। इस हादसे में मृतकों की पहचान हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिला के कनी पाला निवासी संजीव कुमार, रोदी खेड़ी निवासी विकास एवं अंकुश के रूप में हुई है। जबकि कुरुक्षेत्र निवासी रितिक और रजीयां गंभीर रूप से घायल की मौत इलाज के दौरान दरभंगा मेडिकल कालेज सह अस्पताल में हो गया। हादसे में घायल दो अन्य का ईलाज दरभंगा मेडिकल कालेज सह अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही फुलपरास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। फुलपरास थानाध्यक्ष विक्रम आचार्य ने बताया कि स्कार्पियो और टाटा 407 के बीच टक्कर होने से यह हादसा हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मुखिया के बेटे पर महिला की बाइक से कुचलकर हत्या का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टंडवा । गुरुआ थाना क्षेत्र के दुब्बा पंचायत अंतर्गत टंडवा गांव में सोमवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई। जहां टंडवा गांव निवासी रंजीत पासवान की 35 वर्षीय पत्नी गुड़िया देवी की तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि दुब्बा पंचायत के मुखिया सतेंद्र यादव के बेटे रजनीश कुमार ने जानबूझकर अपाची बाइक से गुड़िया देवी को कुचल दिया। बताया जाता है कि गुड़िया देवी सोमवार शाम एक अन्य महिला के साथ टहलने निकली थीं। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला कुछ दूर तक घसीटती चली गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों की मदद से घायल गुड़िया देवी को इलाज के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश का माहौल है।

परिजनों का कहना है कि यह महज दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या है। उनका आरोप है कि घटना के 12 घंटे बाद भी पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त बाइक फिलहाल ग्रामीणों और परिजनों के कब्जे में है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर आरोपी को बचाने और पैसे लेकर मामले को दबाने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस गांव के रास्ते से आ-जा रही है, लेकिन न तो पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची और न ही घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं पुलिस का कहना है कि मेडिकल फर्द बयान दर्ज होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की कार्यप्रणाली में स्पष्ट लापरवाही दिख रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और पीड़ित परिवार को कब तक न्याय मिल पाता है।

आधा दर्जन किसानों के खलिहान में लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। बेलागंज थाना क्षेत्र के भालूआ-2 पंचायत अंतर्गत सलेमपुर गांव में गुरुवार की सुबह खलिहान में रखे नेवारी (पुआल) के पुंज में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और छह किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। घटना में कुल 41 हजार नेवारी जलकर राख हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों ने धान की कटाई और पिटाई के बाद जानवरों के चारे के लिए नेवारी के पुंज बनाकर खलिहान में सुरक्षित रखा था। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगा दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। आग इतनी तेजी से फैली कि ग्रामीणों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पीड़ित किसानों में कमलेश कुमार की 7 हजार नेवारी, वीरेंद्र सिंह की 4 हजार, अरुण कुमार की 4 हजार, दुर्गा रविदास की 3 हजार, राजू सिंह की 3 हजार तथा अर्जुन सिंह की 20 हजार नेवारी जलकर नष्ट हो गई। सबसे अधिक नुकसान अर्जुन सिंह को हुआ है। किसानों का कहना है कि यह नेवारी वर्षभर मवेशियों के चारे के लिए रखी गई थी। अब अचानक हुए इस नुकसान से उनके सामने पशुओं के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया। बाल्टी और मोटर पंप के सहारे काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। सूचना मिलने पर बेलागंज थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से घटना की जांच कर दोषियों की पहचान करने और पीड़ित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते सहायता नहीं मिली तो उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो जाएगा।

होली के अवसर पर एसपी डॉ. विमल कुमार ने बांटी मिठाई, दिया सौहार्द और भाईचारे का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के साथ मनाई होली, जिलेवासियों को दी शुभकामनाएं

गिरिडीह। रंगों के पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर गुरुवार को गिरिडीह पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों के साथ होली मनाई। इस दौरान उन्होंने सभी के बीच मिठाई

बांटकर होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं इस मौके पर एसपी डॉ. विमल कुमार ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द का पर्व है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि इस त्योहार को शांति और सद्भाव के साथ मनाएं तथा समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखें कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने भी एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला इस अवसर पर कई प्रशासनिक पदाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों के इस पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का संदेश दिया।

धूल खेली से अबीर-गुलाल तक झूमे लोग, बेलागंज व चाकंद में शांति के बीच संपन्न हुआ रंगों का त्योहार

बेलागंज-चाकंद में सौहार्दपूर्ण माहौल में मनी होली, शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में दिखा रंगों का उत्साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज । बेलागंज और चाकंद में आपसी समरसता, सौहार्द और रंगझगुलाल के उत्साह के साथ होली का पर्व हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पूरे दिन रंगों की फुहार और उत्सव का माहौल छाया रहा।

शहरी इलाकों में जहां आधुनिक साउंड सिस्टम पर युवा थिरकते नजर आए, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक होली गीत, ढोल-मांदर और चौपाल की संस्कृति की झलक देखने को मिली। सुबह से ही बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की बधाई दी। कई जगहों पर लोगों ने ह्लधूल खेलीह्व की परंपरा निभाई, जिसके बाद रंग और गुलाल का दौर देर दोपहर तक चलता रहा। बाजारों और मुख्य चौक-चौराहों पर सुबह से ही चहल-पहल रही। मिठाई की दुकानों पर भीड़ देखी गई, वहीं पिचकारी और रंगों की दुकानों पर बच्चों की खासा उत्साह दिखा। मोहल्लों और गांवों में सामूहिक होली मिलन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां लोगों ने गले मिलकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया।प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बेलागंज, चाकंद, मेन एवं पाई बिगहा थाना क्षेत्रों में दंडाधिकारियों के देखरेख में पुलिस टीम की गठन की गई थी और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। गश्ती दल लगातार भ्रमण करते रहे, जिससे कहीं भी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। हालांकि कुछ स्थानों पर मामूली कहासुनी और छिटपुट घटनाएं सामने आईं, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तत्परता से स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया। कुल मिलाकर पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। होली के इस रंगीन पर्व ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सामाजिक एकता और पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिकता का समन्वय ही क्षेत्र की असली पहचान है।

चना के खेत को लेकर विवाद में वृद्ध की टांगी से हत्या, दो गिरफ्तार, एक बालक निरुद्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के हिरा सिकनी गांव में चना के खेत को लेकर हुए विवाद में एक वृद्ध की टांगी से हमला कर हत्या कर दी गयी। मृतक की पहचान विश्वनाथ रजवार करीब 70 वर्ष के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार 4 मार्च 2026 को करीब 4 बजे कपिल रजवार, विमलेश रजवार, शिव कुमार और एक विधि विरुद्ध बालक ने चना की फसल को लेकर राकेश रजवार के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। इसी दौरान विधि विरुद्ध बालक ने हाथ में लिये टांगी से राकेश रजवार के पिता विश्वनाथ रजवार के माथे और गर्दन पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर हुसैनाबाद थाना पुलिस ने छापेमारी कर मारपीट में प्रयुक्त टांगी को आरोपी के घर से बरामद कर लिया तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया।पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के बीच पहले से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, इसी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया।

इस मामले में हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 44/26 दिनांक 04 मार्च 2026 के तहत धारा 103/3(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी कपिल रजवार और विमलेश रजवार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापामारी दल में थाना प्रभारी चंदन कुमार, एस आई मुकेश कुमार सिंह, रमण यादव समेत पुलिस बल के

झारखंड में डिप्टी मेयर और उपाध्यक्ष चुनाव के लिए जोड़तोड़ तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। 48 नगर निकायों में मेयर, अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों के चुनाव संपन्न होने के बाद अब अप्रत्यक्ष चुनाव वाले महत्वपूर्ण पदों डिप्टी मेयर (नौ नगर निगमों में) और उपाध्यक्ष (39 नगर परिषद/नगर पंचायतों में) के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

10 से 20 मार्च तक प्रक्रिया

अधिसूचना होली के बाद जारी होने की संभावना है, लेकिन प्रक्रिया 10 मार्च से शुरू होकर 20 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी। प्रमुख नगर निगमों में चुनाव की तारीखें इस प्रकार हैं।

क्र. सं.	नगरपालिका का नाम	सूचना निर्गत-करने की तिथि	बैठक की तिथि
1,	गढ़वा नगर परिषद,	06-03-2026	17 मार्च
2,	श्री बंशीध नगर पंचायत,	06-03-2026,	19 मार्च
3	मझिआंव नगर पंचायत	06-03-2026	18 मार्च
4	मेदिनीनगर नगर निगम	06-03-2026	14 मार्च
5	विश्रामपुर नगर परिषद	07-03-2026	16 मार्च
6	हुसैनाबाद नगर पंचायत	09-03-2026	17 मार्च
7	हरिहरगंज नगर पंचायत	10-03-2026	18 मार्च
8	छतरपुर नगर पंचायत	11-03-2026	19 मार्च
9	लातेहार नगर पंचायत	06-03-2026	14 मार्च
10	चतरा नगर परिषद	07-03-2026	16 मार्च
11	हजारीबाग नगर निगम	05-03-2026	13 मार्च
12	झुमरीतिलैया नगर परिषद	02-03-2026	11 मार्च
13	कोडरमा नगर पंचायत	02-03-2026	12 मार्च
14	डोमचांच नगर पंचायत	02-03-2026	14 मार्च
15	गिरिडीह नगर निगम	07-03-2026	16 मार्च
16	बड़कीसरैया न पंचायत	07-03-2026	17मार्च
1	धनवार नगर पंचायत	07-03-2026	18मार्च
18	देवघर नगर निगम	05-03-2026	13 मार्च
19	मधुपुर नगर परिषद	06-03-2026	14 मार्च
20	गोड्डा नगर परिषद	02-03-2026	11 मार्च
21	महागामा नगर पंचायत	02-03-2026	10 मार्च
22	साहेबगंज नगर परिषद	02-03-2026	12 मार्च
23	राजमहल नगर पंचायत	02-03-2026	12 मार्च
24	बरहरवा नगर पंचायत	02-03-2026	12 मार्च
25	पाकुड़ नगर परिषद	02-03-2026	12 मार्च
26	दुमका नगर परिषद	09-03-2026	20 मार्च
27	बासुकीनाथ नगर पंचायत	09-03-2026	20 मार्च
28	मिहिजाम नगर परिषद	09-03-2026	19 मार्च
29	जामताड़ा नगर पंचायत	09-03-2026	19 मार्च
30	धनबाद नगर निगम	09-03-2026	18 मार्च
31	चिरकुंडा नगर परिषद	09-03-2026	18 मार्च
32	चास नगर निगम	09-03-2026	17 मार्च
33	फुसरो नगर परिषद	09-03-2026	17 मार्च
34	रामगढ़ नगर परिषद	06-03-2026	17 मार्च
35	लोहरदगा नगर परिषद	09-03-2026	17 मार्च
36	गुमला नगर परिषद	06-03-2026	14 मार्च
37	खूंटी नगर पंचायत	09-03-2026	18 मार्च
38	रांची नगर निगम	09-03-2026	19 मार्च
39	बुंडू नगर पंचायत	09-03-2026	19 मार्च
40	सिमडेगा नगर परिषद	06-03-2026	17 मार्च
41	चक्रधरपुर नगर परिषद	06-03-2026	14 मार्च
42	चाईबासा नगर परिषद	06-03-2026	14 मार्च
43	आदित्यपुर नगर निगम	07-03-2026	16 मार्च
44	कपाली नगर परिषद	07-03-2026	16 मार्च
45	सरायकेला नगर पंचायत	07-03-2026	17 मार्च
46	मानगो नगर निगम	07-03-2026	17 मार्च
47	जुगसलाई नगर परिषद	07-03-2026	16 मार्च
48	चाकुलिया नगर पंचायत	07-03-2026	18 मार्च

बुजुर्ग की टांगी से काट कर हत्या, आरोपित फरार

गांव में दहशत, पुलिस जांच में जुटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद ,पलामू। रंगों और उमंग के पर्व होली के दिन हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के हीरा सिकनी गांव में खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गांव में जहां एक ओर लोग अबीर-गुलाल में सराबोर थे, वहीं दूसरी ओर 70 वर्षीय बुजुर्ग विश्वनाथ रजवार की बेरहमी से टांगी मारकर हत्या कर दी गई।

मृतक की पहचान हीरा सिकनी निवासी विश्वनाथ रजवार (70वर्ष) के रूप में हुई है। आरोप है कि गांव के ही उनके गोतिया कपिल रजवार (25 वर्ष) ने गुस्से और शराब के नशे में धुत होकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना शाम करीब 6 बजे की बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। होली के दिन पहले से ही माहौल में शराब का असर था। इसी दौरान बात इतनी बढ़ गई कि कपिल रजवार ने टांगी उठा ली और विश्वनाथ रजवार पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की खबर आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। होली का उत्सव पलभर में सन्नाटे में बदल गया। सूचना मिलते ही हुसैनाबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

भेज दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है ।पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो जाएगा। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश और शराब के नशे को घटना का कारण माना जा रहा है।

इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त आर रॉनिटा के निर्देशानुसार खूँटी जिले में नीट परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर उप विकास आयुक्त आलोक कुमार द्वारा समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में परीक्षा की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जानकारी दी कि खूँटी जिले में लगभग 154 परीक्षार्थी नीट परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन 3 मई को निर्धारित है, जिसके लिए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, खूंटी को परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया गया है।

बैठक में परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने एवं परीक्षा को कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर उप विकास आयुक्त द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करने एवं ससमय समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, संबंधित प्रधानाध्यापक समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बच्चा चोरी की अफवाह पर पुलिस अलर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हैदरनगर (पलामू)। क्षेत्र में इन दिनों बच्चा चोरी की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। सोशल मीडिया और मौखिक चचाओं के जरिए फैल रही इन अपुष्ट खबरों से ग्रामीण इलाकों में भय और असमंजस का माहौल बन गया है। इस बीच हैदरनगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है ।उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में बच्चा चोरी की घटनाओं को लेकर अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जबकि इन मामलों का कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आया है। अफवाहों के कारण अनजान व्यक्तियों पर शक किया जा रहा है, जिससे कभी भी अप्रिय घटना की आशंका बन सकती है।

इस समय मुस्लिम समुदाय का पवित्र माह रमजान चल रहा है। जकात और फितरा के लिए कई मौलवी गांव-गांव जाकर लोगों के दरवाजे खटखटा रहे हैं। ऐसे में अनजान समझकर कुछ लोग शंका जाहिर कर रहे हैं। पहचान और प्रमाण पत्र की जांच के दौरान भीड़ इकट्ठा होने लगती है, जिससे तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है ।थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई अज्ञात व्यक्ति संदिग्ध परिस्थिति में दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच करेगी और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अफजल अंसारी ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों से विशेष अपील की है कि वे लोगों को जागरूक करें और किसी भी अफवाह के आधार पर कानून अपने हाथ में न लें। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा बैनर, पोस्टर और गांवों में जनसंपर्क अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

बालू में दबा मिला महिला का शव

हुसैनाबाद ,पलामू। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवरी ओपी क्षेत्र के ग्राम देवरीकला स्थित सोन नदी तट से लगभग 30 वर्षीय एक अज्ञात महिला का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव आंशिक रूप से बालू में दबा हुआ था, जिसे स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने कब्जे में लिया।

घटना की सूचना मिलते ही देवरी ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की तैयारी की जा रही है, ताकि मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सके।

देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि सोन नदी क्षेत्र से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। शव हल्का बालू से ढंका हुआ था। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है और आसपास के थानों को भी सूचना दे दी गई है, ताकि पहचान सुनिश्चित की जा सके।

घटना के बाद से क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

हत्या कांड का उद्भेदन, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर थाना अंतर्गत ग्राम चेड़ाबार के निकट कोयल नदी में झाड़ियों में छिपाया हुआ एक शव बरामद हुआ था। शव की पहचान युगेश सिंह, पिता - कृष्णा सिंह, निवासी- ग्राम करचा, पोस्ट - कण्डा, थाना - नावाबाजार, जिला - पलामू के रूप में की गई, जो ग्राम चेड़ाबार निवासी तिरधारी सिंह के दामाद थे। इस संबंध में मृतक की पत्नी के आवेदन के आधार पर चैनपुर थाना कांड सं0-57/2026 अंतर्गत प्राथमिकी अभियुक्त शिव कुमार सिंह उर्फ शिवपुजन सिंह एवं अन्य पाँच अभियुक्तों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया।

कांड के त्वरित उद्भेदन एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस निरीक्षक सदर अंचल एवं चैनपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल थे। गठनित टीम द्वारा छापेमारी के क्रम में प्राथमिकी अभियुक्त शिव कुमार सिंह उर्फ शिवपुजन सिंह तथा अप्राथमिकी अभियुक्त जय प्रकाश सिंह उर्फ हुड़िया को मार्च को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों अभियुक्तों ने बताया कि 27 फरवरी को रात्रि लगभग 20:30 बजे वे दोनों अपने घर जा रहे थे। इसी क्रम में ग्राम चेड़ाबार स्थित मुनेश्वर सिंह उर्फ ढेला सिंह के घर के सामने बेल के पेड़ के नीचे मृतक युगेश सिंह नशे की अवस्था में बैठे हुए थे। दोनों अभियुक्तों द्वारा मृतक से खर्च के लिए पैसे की मांग की गई, जिसको लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों अभियुक्तों ने मृतक को कोयल नदी की ओर ले जाकर लोहे के फाइटर (पंच) से मारपीट की तथा गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को नदी में काशी की झाड़ियों में छिपा दिया गया।

अभियुक्तों ने यह भी बताया कि मारपीट के दौरान खींचातानी में मृतक का जीन्स एवं जूता खुल गया था, जिसे उन्होंने नदी में ही छिपा दिया। साथ ही मृतक का पिट्ठू बैग भी नदी में छिपा दिया गया था।

अभियुक्तों की निशानदेही पर मृतक का जूता, पिट्ठू बैग एवं हत्या में प्रयुक्त लोहे का फाइटर (पंच) बरामद कर विधिवत जप्त किया गया है। साथ ही मृतक के शव के पास से एक मफलर एवं बाएं पैर का एक चप्पल भी बरामद हुआ था, जिसे प्राथमिकी अभियुक्त शिव कुमार सिंह उर्फ शिवपुजन सिंह ने अपना होना स्वीकार किया है।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एमसी-40-सी-डोर-ब्लॉक-रेव, दिनांक 02.03.2026; मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** "3000 बीओएक्सएन वैगनों में दरवाजों की ऊंचाई कम करना एवं ब्लॉकिंग"। **निविदा मूल्य:** रु. 2,56,86,735। **बयाना राशि:** रु. 2,78,400। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** 12 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय:** 23.03.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-380/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

भोजपुरी सिनेमा पर दिखा चढ़ल फगुआ के रंग का प्रीमियर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। एंटर10 नेटवर्क के सबसे बड़े होली शो चढ़ल फगुआ के रंग 2026 का प्रीमियर भोजपुरी सिनेमा पर दिखाया गया। यह मेगा फेस्टिव इवेंट खास तौर पर भोजपुरी सिनेमा पर प्रसारित हुआ जिसमें म्यूज़िक, डांस, स्टार पावर और होली की अनोखी भावना से भरपूर एक हाई-एनर्जी सेलिब्रेशन हुआ। एंटर 10 नेटवर्क के एमडी मनीष सिंघल के कहा कि एंटर 10 नेटवर्क का लक्ष्य हर त्योहार को परंपरा और आधुनिकता के अद्भुत संगम के साथ मनाना है। इस वर्ष हमारा प्रमुख होली उत्सव चढ़ल फगुआ के रंग एक बार फिर दर्शकों के बीच अपनी सांस्कृतिक विरासत का जादू बिखेरना था।

चढ़ल फगुआ के रंग परिवारों को जोड़ने और हमारी अनमोल सांस्कृतिक धरोहर को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने की हमारी एक प्रतिबद्धता है। हमें पूरा विश्वास है कि निरंतरता और गौरव की अपनी इसी विरासत के साथ, यह उत्सव इस साल भी दर्शकों के लिए अविस्मरणीय होगा। इस स्पेशल शो में भोजपुरी सुपरस्टार्स की जबरदस्त टीम शामिल रही जिसमें खेसारी लाल यादव, रितेश पांडे, अक्षरा सिंह, नीलम गिरी, राकेश मिश्रा, मणि भट्टाचार्य, ऋतु सिंह, आर्यन बाबू, ऋचा दीक्षित, डिंपल सिंह सहित बहुत से सितारे शामिल रहे।

धूल खेली से अबीर-गुलाल तक झूमे लोग, बेलागंज व चाकंद में होली शांतिपूर्ण संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। बेलागंज और चाकंद में आपसी समरसता, सौहार्द और रंगझगुलाल के उत्साह के साथ होली का पर्व हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पूरे दिन रंगों की फुहार और उत्सव का माहौल छाया रहा। शहरी इलाकों में जहां आधुनिक साउंड सिस्टम पर युवा थिरकते नजर आए, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक होली गीत, ढोल-मांदर और चौपाल की संस्कृति की झलक देखने को मिली। सुबह से ही बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की बधाई दी। कई जगहों पर लोगों ने धूल खेली की परंपरा निभाई, जिसके बाद रंग और गुलाल का दौर देर दोपहर तक चलता रहा। बाजारों और मुख्य चौक-चौराहों पर सुबह से ही चहल-पहल रही। मिठाई की दुकानों पर भीड़ देखी गई, वहीं पिचकारी और रंगों की दुकानों पर बच्चों की खासा उत्साह दिखा। मोहल्लों और गांवों में सामूहिक होली मिलन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां लोगों ने गले मिलकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया।प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बेलागंज, चाकंद, मेन एवं पाई बिगहा थाना क्षेत्रों में दंडाधिकारियों के देखरेख में पुलिस टीम की गठन की गई थी और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। गश्ती दल लगातार भ्रमण करते रहे, जिससे कहीं भी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। हालांकि कुछ स्थानों पर मामूली कहासुनी और छिटपुट घटनाएं सामने आईं, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तत्परता से स्थिति पर तुरंत काबू पा लिया गया। कुल मिलाकर पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। होली के इस रंगीन पर्व ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सामाजिक एकता और पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिकता का समन्वय ही क्षेत्र की असली पहचान है।

हिंसक झड़प, दो घायल

बेलागंज। बेलागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रेवाड़ा गांव में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में तब्दील हो गया, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जेपीएम अस्पताल रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव में होली के कार्यक्रम के दौरान डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच पहले बहस शुरू हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज आवाज में डीजे बजाने का विरोध किया जा रहा था, जिस पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-केबल-एएसटीई-1-एचडब्ल्यूएच-26, दिनांक 02.03.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के एएसटीई-1 अनुभाग में उम्र सह दशा के आधार पर सिग्नलिंग केबल का प्रतिस्थापन। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 8,90,68,004.33; **बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 5,95,400; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0.00; **बोली शुरू होने की तारीख:** 16.03.2026। **समापन अवधि:** 12 महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 30.03.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समय:** 02.03.2026 को शाम 05.45 बजे।

(HWH-667/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: 289_2025-2026, दिनांक 02.03.2026; मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **सीनि. डीईएन/4/हावड़ा। कार्य का विवरण:** एईएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधिकार क्षेत्र के अधीन पीडब्ल्यूआई/रामपुरहाट अनुभाग में (04 अदद), पीडब्ल्यूआई/पाकुड़ अनुभाग (04 अदद) एवं पीडब्ल्यूआई/नलहाटी अनुभाग (07 अदद) में गैंग हट का प्रावधान तथा नोअदर ढाल, भेदिया, बोलपुर शांतिनिकेतन एवं मल्लारपुर में गैंट हटों का निर्माण। **अनुमानित लागत :** रु. 2,89,90,961.10; **बयाना राशि:** रु. 2,95,000; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, चूंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 24.03.2026 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ईएमडी एवं टीडीसी का भुगतान: ई-निविदा के संबंध में बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के जरिए स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-659/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आधा दर्जन किसानों के खलिहान में लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। बेलागंज थाना क्षेत्र के भालूआ-2 पंचायत अंतर्गत सलेमपुर गांव में गुरुवार की सुबह खलिहान में रखे नेवारी (पुआल) के पुंज में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और छह किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। घटना में कुल 41 हजार नेवारी जलकर राख हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों ने धान की कटाई और पिटाई के बाद जानवरों के चारे के लिए नेवारी के पुंज बनाकर खलिहान में सुरक्षित रखा था। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगा दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। आग इतनी तेजी से फैली कि ग्रामीणों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पीड़ित किसानों में कमलेश कुमार की 7 हजार नेवारी, वीरेंद्र सिंह की 4 हजार, अरुण कुमार की 4 हजार, दुर्गा रविदास की 3 हजार, राजू सिंह की 3 हजार तथा अर्जुन सिंह की 20 हजार नेवारी जलकर नष्ट हो गई। सबसे अधिक नुकसान अर्जुन सिंह को हुआ है। किसानों का कहना है कि यह नेवारी वर्षभर मवेशियों के चारे के लिए रखी गई थी। अब अचानक हुए इस नुकसान से उनके सामने पशुओं के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया। बाल्टी और मोटर पंप के सहारे काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। सूचना मिलने पर बेलागंज थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से घटना की जांच कर दोषियों की पहचान करने और पीड़ित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है।

विदाई समारोह में छात्रों और शिक्षकों ने लगाये ठुमके

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा ने विद्यालयी अनुशासन, नैतिकता एवं शैक्षणिक वातावरण की गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की है।

गढ़वा जिलांतर्गत मेराल अंचल स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहबरिया में सामने आए एक गंभीर अनुशासनहीन प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर यह पाया गया कि विद्यालय में आठवीं वर्ग के छात्र-छात्राओं के विदाई समारोह के दौरान विद्यालय परिसर में डीजे साउंड लगाकर अशोभनीय एवं अश्लील गीत बजाए गए तथा विद्यालय की छात्राओं के साथ प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं कुछ शिक्षकों द्वारा डांस किए जाने की घटना सामने आई है। यह कृत्य विद्यालय की गरिमा, शैक्षणिक वातावरण तथा शिक्षक की मयार्दा के प्रतिकूल पाया गया है।

प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर मानते हुए झारखंड सरकारी सेवक नियमावली, 2016 के तहत प्रभारी प्रधानाध्यापक कुंदन कुमार रंजन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, गढ़वा निर्धारित किया गया है। साथ ही राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देशानुसार उन्हें निलंबन अवधि के दौरान मुख्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। विभागीय नियमों के अनुसार निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

इस प्रकरण में सहायक शिक्षक पुरुषोत्तम पंडित एवं सुबेश्वर राम का आचरण भी विशेष रूप से अनुचित पाया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने झारखंड सहायक अध्यापक सेवाशर्त नियमावली, 2021 के तहत इसे शिक्षक आचरण के विपरीत एवं गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए संबंधित शिक्षकों की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है।

संबंधित प्राधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए दो दिनों के भीतर कृत कार्रवाई प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, झारखंड शिक्षा परियोजना, गढ़वा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

पी एम विश्वकर्मा

MSME Development & Facilitation Office

भारत सरकार

एमएसएमई-विकास कार्यालय, राँची

विकास आयुक्त (एमएसएमई), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय

द्वारा आयोजित

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों हेतु तीन दिवसीय प्रदर्शनी-सह-व्यापार मेला

अवधि : 11 से 13 मार्च, 2026 | कार्यक्रम स्थल : मजदूर मैदान, सेक्टर-4, जिला-बोकारो

प्रदर्शनी का उद्देश्य: अपने उत्पादों एवं कौशल को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित एवं बिक्री करना, संभावित ग्राहकों एवं खरीदारों से जुड़ना, मार्केटिंग, पैकिजींग और ब्रांडिंग इत्यादि मे तकनीकी सत्र, उद्यम विशेषज्ञों एवं साथी कलाकारों से मिलना एवं नेटवर्क बनाना, अपने उत्पाद एवं सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन प्राप्त करना ।

पी एम विश्वकर्मा ट्रेड: 1.बढ़ई 2.नाव निर्माता 3.अस्त्रकार 4.लोहार 5.धोबी 6.सुनार 7.ताला बनाने वाले 8. मूर्तिकार 9.कुम्हार 10.राजमिस्त्री 11.नाई 12.दर्जी 13.मोची 14.मालाकार 15.हथौड़ा और औजार बनाने वाले 16.गुड़िया और खिलौने बनाने वाले 17.मछली का जाल बुनने वाले 18.टोकरी/चटाई/क्वायर बुनकर/झाड़ू बनाने वाले

इच्छुक पी एम विश्वकर्मा लाभार्थी (Stage – 3 Verified only) सादे कागज पर निम्नलिखित सूचनायें लिख कर आवेदन कर सकते है: पी एम विश्वकर्मा ट्रेड, पी एम विश्वकर्मा लाभार्थी पंजीकरण संख्या, प्रतिभागी का नाम, पता, आधार नम्बर, मोबाइल नम्बर, ई-मेल आई डी, प्रदर्शनी मे प्रदर्शित किए जाने वाले उत्पादों का विवरण इत्यादि। आवेदन एवं संबंधित दस्तावेजों के साथ कार्यालय में व्यक्तिगत अथवा ई-मेल द्वारा दिनाँक 09.03.2026 तक जमा करें। प्रतिभागियों का चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र:

श्री गौरव, सहायक निदेशक ग्रेड-I (मो.-7982144469) एवं श्री उद्धव पाठक, यंग प्रोफेशनल (मो.-8840047387)

एमएसएमई-विकास कार्यालय, औद्योगिक प्रांगण, कोकर, राँची-834001

फोन: 0651-2546266/2546235, ई-मेल: dcdi-ranchi@dcmsme.gov.in CBC 25113/11/0157/2526

वियतनाम के पर्यटकों ने जमकर खेली होली

ढोल मजीरे की थाप पर झूमे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। वियतनाम से आए पर्यटकों ने बकरौर के स्थानीय लोगों के साथ मिलकर जमकर होली खेली और रंगों के इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

भारत का पारंपरिक त्योहार होली अब देश की सीमाओं से निकलकर विदेशों में भी अपनी पहचान बना रहा है। वियतनाम से आए 16 सदस्यों का एक शिष्टमंडल ने बकरौर में स्थानीय लोगों के साथ रंग और अबीर लगाते नजर आए।

सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश दिया। होली के पारंपरिक गीतों पर विदेशी मेहमान भी झूमते दिखे। ढोल और संगीत की धुन पर उन्होंने भारतीय संस्कृति की झलक का आनंद लिया।

वियतनाम से आए डेविस ने बताया कि भारत की संस्कृति और यहां के त्योहारों को करीब से जानने के बाद यहां और अधिक दिनों तक रुकने का मन करता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ होली मनाकर उन्हें बेहद खुशी महसूस हुई।

उन्होंने भारत और वियतनाम के बीच संबंधों को और भी प्रगाढ़ होने की कामना किया। साथ ही दोनों देशों में शांति और मैत्री की संबंध बरकरार रहे।

इस मौके पर बकरौर के समाजसेवी प्रिय रंजन कुमार, मीरा कुमारी, कुमकुम कुमारी, नीतू कुमारी, जितेंद्र कुमार, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि बोधगया में हर वर्ष बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं, लेकिन इस तरह स्थानीय लोगों के साथ घुल-मिलकर होली का त्योहार मनाना यहां की गंगा-जमुनी परंपरा और अतिथि देवो भवः की भावना को दशार्ता है। विदेशी मेहमानों की सहभागिता से इस बार बोधगया की होली और भी खास और यादगार बन गई।

होली पर्व के दौरान बोधगया के चौक चौराहों पर पुलिस बल मौजूद दिखे, शांति और सौहार्द रूप से यहां होली पर्व को मनाया जा रहा है। पुलिस बल जगह जगह घूमकर गश्त कर रही है।

हर्ष फायरिंग में दो लोग हुए जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। पौथू थाना क्षेत्र के बरपा गांव में होली गाने के दौरान हर्ष फायरिंग की घटना में दो लोगों को गोली लग गई।

जानकारी के अनुसार, 45 वर्षीय संजय शर्मा और 50 वर्षीय गणेश शर्मा को गोली लगने के बाद ग्रामीणों ने तत्काल इलाज के लिए दाउदनगर ले गए।

इलाज के दौरान संजय शर्मा की मौत हो गई, जबकि गणेश शर्मा की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पौथू थानाध्यक्ष सोमेश्वर नाथ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस कार्रवाई तेज कर दी है।

नीतीश कुमार के नामांकन को ले तरह-तरह की चर्चाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किए जाने के बाद जिले में राजनीतिक चचाएं तेज हो गई हैं। शहर के पुरानी बाजार, अघोरिया बाजार और शैक्षणिक संस्थानों के बाहर चाय की दुकानों से लेकर छात्र समूहों तक इस मुद्दे पर लोग खुलकर अपनी राय रख रहे हैं।

नीतीश कुमार के वर्ष 2005 से 2026 तक लगभग दो दशक के शासनकाल को लेकर लोग अलग-अलग नजरिए से चर्चा कर रहे हैं। कई लोग इसे बिहार की राजनीति के एक लंबे दौर के रूप में याद कर रहे हैं, तो कुछ इसे राज्य की राजनीति में नए बदलाव की शुरूआत मान रहे हैं।

पुरानी बाजार के व्यवसायी विपिन कुमार का कहना है कि वर्ष 2005 में जब नीतीश कुमार ने सत्ता संभाली थी, तब राज्य की स्थिति काफी अलग थी। उनके अनुसार सड़क, बिजली और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में बदलाव देखने को मिला, जिससे लोगों के जीवन में असर पड़ा। अघोरिया बाजार में चाय की दुकान पर बैठे नीरज पाण्डेय का मानना है कि नीतीश कुमार का लंबा कार्यकाल बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उनके मुताबिक राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना राजनीतिक रूप से एक नए चरण की ओर संकेत करता है।

सामाजिक कार्यकर्ता अशोक मिश्रा का कहना है कि इतने लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के कारण नीतीश कुमार की पहचान बिहार की राजनीति से गहराई से जुड़ गई है। ऐसे में उनके इस कदम को लोग स्वाभाविक रूप से बड़े राजनीतिक बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

वहीं कालेज के बाहर छात्रों के बीच भी इस विषय को लेकर चर्चा देखी गई। छात्र रिंकू गुप्ता का कहना है कि युवा वर्ग राज्य की राजनीति में नई सोच और नई ऊर्जा देखना चाहता है।

दूसरी ओर शिवनाथ सिंह का मानना है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में कई योजनाएं शुरू हुईं, जिनका असर आज भी दिखता है। उनके अनुसार राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद अब बिहार की राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं।

कुल मिलाकर शहर के विभिन्न हिस्सों में हो रही चचाओं से साफ है कि दो दशकों के शासनकाल को लोग अलग-अलग नजरिए से देख रहे हैं। कुछ इसे एक लंबे दौर की परिणति मान रहे हैं, तो कुछ इसे आने वाले समय में नए राजनीतिक बदलाव की भूमिका के रूप में देख रहे हैं।

डिप्टी मेयर बनाने की होने लगी राजनीति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। नगर निगम चुनाव संपन्न होने और नई मेयर रोशनी खलखो के निर्वाचित होने के बाद अब उप महापौर यानी डिप्टी मेयर के चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नगर राजनीति का केंद्र अब डिप्टी मेयर की कुर्सी पर आ टिका है, जिसके लिए विभिन्न दलों ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर बीजेपी, कांग्रेस और झामुमो अपने-अपने समर्थित पार्षदों के सहयोग से तैयारी में जुट गए हैं। निर्वाचित पार्षदों से संपर्क साधा जा रहा है और होली मिलन समारोह के बहाने उन्हें आमंत्रित कर समर्थन जुटाने की कोशिशें की जा रही हैं। राजनीतिक गलियारों में सक्रियता स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार चार से पांच पार्षद उप मेयर पद के लिए सक्रिय रूप से दावेदारी कर रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे चेहरे भी शामिल हैं जो पूर्व में पार्षद रह चुके हैं और नगर राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। दावेदार व्यक्तिगत रूप से पार्षदों से संपर्क कर समर्थन सुनिश्चित करने की कोशिश में लगे हुए हैं।

नगर राजनीति में बंद कमरों में बैठकों और गुप्त संवादों की चचाएं जोरों पर हैं। डिप्टी मेयर की कुर्सी को लेकर संभावित लेनदेन और समर्थन की सौदेबाजी की फुसफुसाहटें भी सुनाई दे रही हैं। हालांकि इन अटकलों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी राजनीतिक हलकों में कयासों का दौर जारी है।

बंद कमरों में बैठकों का दौर शुरू

रांची नगर निगम के 53 पार्षद अब पूरी तरह निर्णायक भूमिका में हैं। वही तय करेंगे कि डिप्टी मेयर की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाएगी। जनता की निगाहें भी पार्षदों के फैसले पर टिकी हुई हैं। कुछ दावेदार अपने अनुभव, राजनीतिक पकड़ और विकास कार्यों का हवाला देते हुए समर्थन जुटाने में लगे हैं। वार्ड-26 के पार्षद प्रदीप कुमार का नाम डिप्टी मेयर पद के संभावित दावेदार के रूप में चर्चा में है। इसके अलावा वार्ड-11 से निर्वाचित कृष्णा मछुवा और वार्ड-21 से एहतेशाम का नाम भी राजनीतिक चचाओं में लिया जा रहा है। आने वाले दिनों में पार्षदों की रणनीति और समर्थन समीकरण इस पद के भविष्य को तय करेंगे।

हर्षोल्लास के मना फगुआ

रसूलपुर। थाना क्षेत्र में रंगों का पर्व फगुआ धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मना। बच्चे, बुढ़े सब एक रंग में दिखे।दोपहर तक धूल रंग उड़ानें के बाद मंदिरों में पूजा अर्चना की गई।फिर अलग-अलग टोली बनाकर ढ़ोल मंजीरे की ताल पर पारम्परिक होली और फगुआ गीत घर घर घुम घुम कर गाये गये। नये परिधानों में युवक युवतियों की टोलियां अपने हमजोली के साथ रंग गुलाल लगा खुशी में झूमते दिखे। बाबा हो सदा आनंद रहे यही द्वारे गा कर एक दूसरे को बधाई दी गई।

गंगा नहाने गया किशोर डूबा

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सारिमपुर घाट पर बुधवार की दोपहर स्नान के क्रम में 2 किशोर गंगा में डूबने लगे। बच्चों का शोर सुनते ही घाट पर मौजूद लोगों ने एक को तो बचा लिया पर दूसरे का पता नहीं चला। गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची पुलिस किशोर की तलाश में लगी है।जानकारी के अनुसार होली की सुबह 11 बजे दोस्तों के साथ रंग खेलने के बाद सारिमपुर निवासी विश्वजीत पांडेय का 13 वर्षीय पुत्र कुश कुमार सारिमपुर घाट पर दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने गया था। स्नान के दौरान ही अचानक कुश के साथ एक अन्य किशोर गहरे पानी में चले जाते से डूबने लगे।

दोस्तों के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने किशोर को बचाने का प्रयास किया और एक को बचा लिया पर, कुश को बचाने में सफलता नहीं मिलने पर पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

घटना की पुष्टि करते नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सुबह 11:30 बजे घटना की जानकारी मिलते ही गोताखोरों के साथ पहुंची पुलिस किशोर की तलाश में जुट गई पर, अथक प्रयासों के बाद भी अभी सफलता नहीं मिली है।

पत्रकार की पुण्यतिथि पर एमएलसी ने पौधा लगा कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा। नगर पंचायत एकमा बाजार के राजापुर वार्ड नंबर -13 में वरिष्ठ पत्रकार स्व. बीरेंद्र कुमार यादव की प्रथम पुण्यतिथि उनके पैतृक आवासीय परिसर में उनके अनुज व सामाजिक कार्यकर्ता अवधेश कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जिसमें जन प्रतिनिधि, शिक्षक समाजसेवी एवं पत्रकार बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी तस्वीर पर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

अपना विचार प्रकट करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्व. बीरेंद्र बाबू अत्यंत मृदुभाषी एवं काफी मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। वे एक जागरूक पत्रकार होने के साथ समाज के सच्चे प्रहरी व मार्गदर्शक भी थे। इसी क्रम में पहुंचे विधान पार्षद डॉ वीरेंद्र नारायण यादव ने उनकी स्मृति में फलदार पौधा रोपण किया।

कार्यक्रम के पूर्व वेदाचार्य अनिल दुबे द्वारा विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना किया गया। श्रद्धांजलि सभा में एमएलसी डॉ वीरेंद्र नारायण यादव, जेपी सेनानी डॉ रामजी तिवारी, समाजसेवी डॉ. सत्यदेव प्रसाद यादव, राजीव शर्मा, शिक्षक नेता मंजीत कुमार तिवारी, समरेंद्र बहादुर सिंह, कांग्रेस नेता एनपी सिंह कुंदन, समाजवादी नेता राम नारायण यादव, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि व पत्रकार स्व. यादव के पुत्र सतीश कुमार यादव, राजीव कुमार यादव, रितेश कुमार यादव, रितिक कुमार यादव, देवा यादव, यादव, रिविलगंज नपं के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि मुकेश कुमार उर्फ सोनू यादव, एकमा नपं के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि दीपक राज, माकपा नेता कामरेड अरुण कुमार, प्रो. अवध बिहारी मिश्रा, डॉ शशि भूषण शाही, योगेन्द्र शर्मा, डॉ परशुराम शर्मा, डॉ. नीरज दुबे, राजद प्रदेश महासचिव नरेंद्र रेनू यादव, हरेराम यादव, संतोष कुमार सिंह, ई सौरभ सन्नी, संदीप रोशन, डॉ. अमित तिवारी, प्राचार्य डॉ. विवेकानंद तिवारी, डॉ. दिलीप कुमार प्रसाद, डॉ. मेराजुद्दीन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेंद्रनाथ सिंह, मुकेश कुमार सिह, अखिलेश्वर प्रसाद भोला, जितेंद्र कुमार मिश्र, जन सुराज नेता मुन्ना भवानी, लहलादपुर के पूर्व प्रमुख रामाशीष यादव, नागेंद्र यादव सहित पत्रकार मनोज सिन्हा, मनोज सिंह, हेमंत शर्मा, वीरेश सिंह, मोतीचंद प्रसाद, केके सिंह सेंगर, देवेंद्र सिंह राठौर, तारकेश्वर प्रसाद, संजीत कुमार, सुनील पंडित, धनपत यादव, संजय सिंह, ब्रजेश कुमार, परवेज अख्तर, राहुल कुमार दुबे आदि अन्य लोग शामिल हुए।

इस दौरान विधान पार्षद डॉ. वीरेंद्र नारायण यादव ने पत्रकार वीरेंद्र कुमार यादव के आवासीय परिसर में पौधरोपनकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी से अपील की कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाएं। कार्यक्रम में प्रखंड व जिला स्तर के बड़ी संख्या में समाजसेवी, शिक्षक, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, मीडिया कर्मी, गणमान्य लोग व ग्रामीण शामिल हुए।

बनियापुर बेदौली गांव में योद्धा क्लब का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनियापुर। प्रखंड के बेदौली गांव में फिजिकल एकेडमी योद्धा क्लब का उद्घाटन समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि दाउदपुर के युवा मुखिया अभिषेक सिंह सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद सिंह,एसआई रामबाबू ने फीता काटकर उद्घाटन समारोह का आगाज किया।क्लब के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते संस्थापक प्रसिद्ध लोकगायक व सीआरपी जवान लक्ष्मण योद्धा ने कहा कि अपने क्षेत्र के नौजवानों के लिए निःशुल्क फिजिकल एकेडमी चलाना है।यह कार्य स्थानीय युवकों के सहयोग से चलेगा। आगे चलकर इसी क्रम में लाइब्रेरी और पढ़ाई के लिए समुचित व्यवस्था करने का प्रयास है, जो पूर्ण रूप से निःशुल्क रहेगा।मौके पर संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से लोकगायक लक्ष्मण योद्धा, रामेश्वर गोप, ज्ञानी गौतम, अमित सिंह, शैलेश राज, राहुल यादव, ने शिरकत किया। मौके पर मिथिलेश प्रसाद स्टेशन मास्टर, शेषनाथ सिंह लोको पायलट, रंजीत यादव बिहार पुलिस, डॉ. प्रदीप राय, रंजीत प्रसाद रेलवे, श्यामसुंदर साह रेलवे, शशि भूषण प्रसाद, राकेश राय सीआई आदि उपस्थित रहे।

विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर थाना क्षेत्र के राजौर गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया मामले की जानकारी देते हुए शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि राजौर गांव में अवैध रूप से विदेशी शराब का भंडारण किया गया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम का गठन कर गांव में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान राजौर गांव निवासी पवन मंडल, पिता प्रज्ञा मंडल के घर से 24 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई पुलिस ने मौके से पवन मंडल को गिरफ्तार कर लिया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है और इस तरह के कारोबार में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी के दौरान पुलिस के अन्य पदाधिकारी और जवान भी मौजूद थे।

अफीम दूध के साथ तीन धराये

झारखंड और राजस्थान के बताये जा रहे तस्कर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया जिले के इमामगंज में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अफीम तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने सात किलो से अधिक अफीम का दूध और नकदी के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई एसडीपीओ कमलेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम ने की। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।

एसडीपीओ कमलेश कुमार ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी से बड़ी मात्रा में अफीम का दूध ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही इसकी जानकारी वरीय पुलिस अधिकारियों को दी गई। उनके निर्देश पर तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई गई।

सूचना के आधार पर एक विशेष एसआईटी टीम का गठन किया गया। टीम ने इमामगंज-कोठी मुख्य सड़क पर नकटी पुल के पास घेराबंदी कर जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान बिहार-झारखंड सीमा की ओर से आ रही एक काले रंग की स्कॉर्पियो को रोककर उसकी तलाशी ली गई।

वाहन की तलाशी लेने पर प्लास्टिक में पैक 7.17 किलोग्राम अफीम का दूध बरामद किया गया। इसके साथ ही तस्करों के पास से 1 लाख 42 हजार 500 रुपये नकद भी बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से तीनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान झारखंड राज्य के कुंदा निवासी संतोष यादव के रूप में हुई है। वहीं अन्य दो तस्कर सुरेंद्र चंद्र और मगराज बाड़मेर राजस्थान के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार राजस्थान के दोनों आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने तस्करों के पास से अफीम का दूध और नकदी के अलावा एक स्कॉर्पियो वाहन तथा दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस पूरे तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

घर से युवक की लाश बरामद, फैली सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। राघोपुर थाना क्षेत्र के मलिकपुर पंचायत के वार्ड संख्या छह में गुरुवार को एक युवक का शव उसके घर में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की खबर मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही राघोपुर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान स्वर्गीय लग्न देवदास के पुत्र सुरेंद्र दास के रूप में की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह जब सुरेंद्र दास काफी देर तक घर से बाहर नहीं निकले तो एक बच्चा उन्हें बुलाने उनके घर पहुंचा। घर के अंदर जाकर उसने देखा कि सुरेंद्र दास चौकी पर पड़े हुए हैं। इसके बाद उसने आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी।

घटना की सूचना मिलते ही राघोपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या पूर्व के विवाद को लेकर की गई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

परिजनों के अनुसार सुरेंद्र दास ने मीरमपुर गांव के एक व्यक्ति से कुछ रुपये उधार लिए थे। रुपये के लेनदेन को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद भी हुआ था। बताया जाता है कि तीन दिन पहले भी उस व्यक्ति ने सुरेंद्र दास के साथ मारपीट की थी। उस घटना में सुरेंद्र दास के सिर पर चोट लगी थी और उनके सिर पर बैंडेज भी लगा हुआ था।

परिजनों ने बताया कि करीब दो महीने पहले भी उसी व्यक्ति ने सुरेंद्र दास पर चाकू से हमला किया था। उस समय इस मामले में राघोपुर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी।

फर्जी महिला दारोगा धरायी

घर से पहनकर निकलती थी नेम प्लेट लगी वर्दी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के संतनगर मोहल्ले से पुलिस ने एक फर्जी महिला दारोगा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान मटिहानी थाना क्षेत्र के छितरौर खोरमपुर निवासी विपिन सिंह की पुत्री काजोमा कुमारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से दो स्टार लगी पुलिस वर्दी और निशु सिंह नाम की दो नेमप्लेट बरामद की है।

महिला संतनगर निवासी कैलाश साह के मकान में किराए पर रह रही थी। ठगी के शिकार लोगों की शिकायत पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, महिला स्वयं को कोर्ट में पोस्टेड दारोगा बताती थी और अपने पति को आर्मी में कार्यरत बताकर लोगों पर प्रभाव जमाती थी।

करीब चार माह पूर्व वह संतनगर स्थित किराए के मकान में रहने आई थी। घर से ह्यनिशु सिंहह्व की नेमप्लेट लगी वर्दी पहनकर निकलने से स्थानीय लोगों को उस पर कभी संदेह नहीं हुआ। इसी का फायदा उठाकर वह जरूरतमंद लोगों को पैरवी कराने का झांसा देती और रुपये ऐंठ लेती थी। सोमवार सुबह ठगी के शिकार कई लोग उसके मकान पर पहुंच गए और रुपये वापस करने की मांग करने लगे। बातचीत के दौरान लोगों ने उससे परिचय पत्र दिखाने को कहा।पहचान पत्र नहीं दिखा पाने पर स्थानीय लोगों ने मुफस्सिल थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो मामला फर्जी निकला। कमरे की तलाशी के दौरान दो स्टार लगी वर्दी, नेमप्लेट समेत अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए।

स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला आधा दर्जन लोगों से करीब 50 हजार रुपये से अधिक की ठगी कर चुकी है। संतनगर निवासी बीएसएफ के सेवानिवृत्त कर्मी नंदकिशोर चौधरी ने भी महिला पर 10,500 रुपये उधार लेकर नहीं लौटाने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री पर कांग्रेस ने लगाया आरोप

पटना। बिहार में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस जो बातें बार-बार कह रही थी, वही अब सच साबित हो गई हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि जी-2 द्वारा रची गई साजिश के तहत बिहार में तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया गया है। उनके अनुसार यह घटना कई मायनों में जनता के जनादेश के साथ बड़ा विश्वासघात है।

वहीं, कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता आनंद माधव ने भी भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अंततः नीतीश कुमार भाजपा के षड्यंत्र के शिकार हो ही गए। भाजपा ने पहले से ही उनका एग्जिट प्लान तैयार कर लिया था और केवल सही समय तथा विभीषण की तलाश थी, जो आखिरकार मिल गया।

उन्होंने भाजपा की तुलना अजगर से करते हुए कहा कि पार्टी का स्वरूप ऐसा रहा है जो अपने सहयोगियों को अंततः निगल लेती है।

जमीन विवाद में मारी गोली

आरा। जिले के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के गोरा गांव में भूमि विवाद को लेकर बुधवार की रात एक युवक को गोली मार दी गई। घायल युवक की पहचान 34 वर्षीय अखिलेश ठाकुर के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल को तुरंत इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार अखिलेश ठाकुर को बाएं हाथ में गोली लगी है। गोली लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाने में लग गई।

बताया जा रहा है कि गांव में करीब नौ डिसमिल जमीन को लेकर पिछले एक वर्ष से विवाद चल रहा था। इस मामले को लेकर अखिलेश ठाकुर का गांव के कुछ लोगों से अक्सर विवाद होता था।

घर में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास

विरोध करने पर परिवार को बनाया निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार की रात एक युवक ने नशे में होने के दौरान महिला के घर में घुसकर हमला किया। इस घटना में महिला, उसका पति और सास गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार के अनुसार, हमला करने वाले युवक ने महिला के खिलाफ जानबूझकर कार्रवाई की और विरोध करने पर उसके परिवार को भी निशाना बनाया।

घटना के मुताबिक, प्रखंड क्षेत्र निवासी संतोष यादव शराब के नशे में महिला के घर पहुंचा और पति के बारे में पूछताछ करने लगा। महिला ने पति के सोए होने की जानकारी दी, जिसके बाद युवक ने हंगामा शुरू कर दिया। महिला के साथ अमर्यादित हरकत की। दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य आए और मामला बढ़ा। इस दौरान युवक के साथ कुछ अन्य लोग भी घर पर पहुंचे।

इन लोगों ने कथित तौर पर लाठी-डंडे का इस्तेमाल कर घर में मौजूद तीनों को चोट पहुंचाई। घायल परिवार का इलाज झाझा रेफरल अस्पताल में कराया गया। परिवार के अनुसार, इस दौरान उनकी व्यक्तिगत संपत्ति भी प्रभावित हुई।

पीड़िता ने घटना की शिकायत झाझा थाना में दर्ज कराई। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है और आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर कहा कि यह पूरी तरह से नशे में की गई हिंसक घटना थी, और इसमें किसी प्रकार का निजी झगड़ा या विवाद भी शामिल हो सकता है। पुलिस ने गांव में सतर्कता बढ़ा दी है और सभी पक्षों को शांति बनाए रखने का निर्देश दिया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की घटनाओं में शराब और नशे की स्थिति में हिंसा बढ़ सकती है, इसलिए समुदाय में जागरूकता और सतर्कता बेहद जरूरी है। पुलिस ने भी स्थानीय स्तर पर लोगों से अनुरोध किया है कि किसी भी हिंसक घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस घटना ने पूरे गांव में चिंता का माहौल बना दिया है। पीड़िता और उसके परिवार के सदस्य फिलहाल सुरक्षित हैं और पुलिस उनकी सुरक्षा और जांच के लिए तैनात है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। पटना -गया रेलखंड पर मंगलवार को मखदुमपुर थाना क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। उसकी पहचान मखदुमपुर सती स्थान निवासी स्व. रामाशीष यादव के 30 वर्षीय पुत्र पिंटू कुमार के रूप में की गई है। घटना समोचक स्थित रेलवे पुल के समीप की है। पिंटू कुमार समोचक स्थित रेलवे पुल को पार कर रहा था। इसी दौरान गयाजी की ओर से आ रही पाटलिपुत्र स्पेशल मेमू ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पहुंची मखदुमपुर थाने की पुलिस ने घटना की छानबीन करते हुए स्वजन को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पोस्टमार्टम हाउस के समीप स्वजन की भीड़ जुट गई, परिवार के लोगों का रो रोकर हाल बेहाल था।

CMYK

ओवरलोड से राहत : गर्मी में जीरो बिजली कट की तैयारी

पटना में बन रहे चार नए पावर सब स्टेशन से 5 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

- आसोपुर, जगनपुरा, बिहटा समेत उसरी में बनेगा नया पावर सब स्टेशन
- चार नये पावर सब स्टेशन से 5 लाख से अधिक आबादी को मिलेगी निर्बाध बिजली
- हर सब स्टेशन पर लगेंगे 10एमवीए के ट्रांसफॉर्मर, आसोपुर में बने नये पावर सब स्टेशन बनकर तैयार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानीवासियों को अब गर्मियों में बिजली ओवरलोड होने पर चिंता करने की जरूरत नहीं है। पटना में इसी साल गर्मियों में चार नये पावर सब स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है ताकि गर्मियों में ओवरलोड की समस्या से निजात मिल सकें। इस विषय पर अधिक जानकारी देते हुए पेसू जीएम दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि हर साल गर्मियों के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए नये-नये पीएसएस का निर्माण किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस साल पेसू पश्चिमी के आसोपुर क्षेत्र, उसरी व बिहटा में नये पावर सब स्टेशन, पूर्वी क्षेत्र में जगनपुरा के खेमनीचक इलाके में पावर स्टेशन बनाने का निर्माणाधीन है। ताकि अगर शहर का बिजली खपत अधिकत्तम होने पर भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। बता दें कि शहर में 75 से अधिक पावर सब स्टेशन वर्किंग है और अन्य सब स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है।

पांच लाख से अधिक आबादी को मिलेगा लाभ

गर्मियों में नये पावर सब स्टेशन के निर्माण से पांच लाख से अधिक आबादी को इसका लाभ मिलेगा। वहीं आसोपुर पावर सब स्टेशन चालू कर दिया गया है। साथ ही सभी स्टेशन पर 10 एमवीए के दो पावर ट्रांसफॉर्मर लगाये जायेंगे व आसोपुर पावर सब स्टेशन में लगे ट्रांसफॉर्मर को चार्जिंग में इंस्टॉल किया गया है।

गर्मियों में दो सालों से शहर में 1000 मेगावाट बिजली खपत

बता दें कि बीते दो सालों में गर्मियों में शहर में रोजाना बिजली की खपत 1000 मेगावाट से अधिक हो जाती थी। जिससे पटना में बिजली आपूर्ति कर रही संस्थान पेसू ने निर्बाध बिजली आपूर्ति कर पूरा किया है। उम्मीद है कि इस साल बिजली आपूर्ति 1200-1400 मेगावाट बिजली खपत होने का अनुमान है। वहीं बिहार में गर्मियों में बिजली आपूर्ति करीब 10000 के पास चली गयी थी। जिससे नार्थ बिहार व साउथ बिहार बिजली कंपनी ने बखूबी निभाया है।

1 अप्रैल से ड्राइवरों को मिलेगी ट्रेनिंग

- सड़क हादसे रोकने को सरकार का कदम
- अभी पटना और औरंगाबाद में ड्राइवर को सिखाया जा रहा सड़क सुरक्षा का पाठ
- निजी-सार्वजनिक दोनों चालक होंगे शामिल, हर शनिवार को होगी ट्रेनिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए बड़े स्तर पर ड्राइवर ट्रेनिंग अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सात निश्चय योजना-3 के तहत 'सबका सम्मान' और 'जीवन आसान' में पैदल यात्रियों की सुरक्षा को भी रखा गया है। इसके लिए पहले चरण में पटना और औरंगाबाद में चालकों को सड़क सुरक्षा पर ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरे चरण में 1 अप्रैल से सभी जिलों में सरकारी और निजी बसों/वाहनों के चालकों को अनिवार्य सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह ट्रेनिंग प्रति शनिवार को आयोजित की जाएगी, ताकि चालक अपनी ड्यूटी के साथ इसमें आसानी से शामिल हो सकें।

इन बिन्दुओं पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से जेब्रा क्रॉसिंग पर रुकना, हॉर्न का कम से कम इस्तेमाल करना, सीट बेल्ट लगाना, ओवरटेकिंग के नियम, स्पीड लिमिट का पालन, ट्रैफिक सिग्नल पर रुकना और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर फोकस रहेगा। परिवहन विभाग इस कार्यक्रम के लिए एक विस्तृत एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार कर रहा है, जिसमें ट्रेनिंग की अवधि, मॉड्यूल, प्रमाण-पत्र और निगरानी की व्यवस्था शामिल होगी।

नियमित ट्रेनिंग से चालक होंगे जागरूक : सचिव

विभाग के सचिव राज कुमार ने इस पहल पर कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण अक्सर चालकों की लापरवाही और नियमों की अनदेखी होती है। हमारा लक्ष्य है कि इसमें सरकारी व निजी बस चालक, टैक्सी ऑपरेटर, ट्रक ड्राइवर और अन्य कमर्शियल वाहन चालक शामिल हों। इन्हें नियमित रूप से जागरूक बनाया जाए। पटना और औरंगाबाद में पहले चरण की ट्रेनिंग से सकारात्मक परिणाम मिले हैं, जहां चालकों की जागरूकता में सुधार देखा गया। अब पूरे राज्य में इसे लागू कर हम बिहार की सड़कों को और सुरक्षित बनाएंगे। यह ट्रेनिंग न केवल चालकों के लिए बल्कि यात्रियों और पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

बिहार की राजनीति से 'नीतीश युग' का अंत : डॉ. सुरेश पासवान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश पासवान ने कहा है कि बिहार में वर्ष 1990 से 2025 तक लगभग पैंतीस वर्षों तक मंडल की राजनीति अर्थात पिछड़ावाद की राजनीति प्रभावी रही। उन्होंने कहा कि 1990 में बिहार से कांग्रेस शासन का अंत हुआ और जनता दल की सरकार बनी, जिसके मुखिया लालू प्रसाद यादव बने। उनके नेतृत्व में सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत किया गया तथा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य हुआ। डॉ. पासवान ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने 2005 तक बिहार की सत्ता संभाली और उस दौर को गरीबों के लिए स्वर्ण काल कहा जा सकता है। इसके बाद 2005 में नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सत्ता में आए और न्याय के साथ विकास का नारा दिया। उन्होंने पंचायत एवं नगर निकाय चुनावों में एकल पदों पर भी आरक्षण लागू कर नई राजनीतिक पहल की तथा पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित-महादलित वर्ग के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत की। डॉ. पासवान का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी ने साथ रहते हुए भी धीरे-धीरे नीतीश कुमार को कमजोर किया और अंततः उन्हें राज्यसभा भेजकर बिहार की राजनीति से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार बिहार में पैंतीस वर्षों से चल रही पिछड़ावाद की राजनीति का अंत हो गया और नीतीश युग समाप्त हो गया। डॉ. पासवान ने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी पहले भी महाराष्ट्र में दोनों शिवसेना, पंजाब में अकाली दल, जम्मू-कश्मीर में महबूबा मुफ़्ती और उत्तर प्रदेश में मायावती जैसे सहयोगियों को कमजोर कर चुकी है।

बिहार में 4 साल में 18 लाख से अधिक महिलाओं तक पहुंची मातृ वंदना योजना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रही है। इस योजना के तहत 4 वर्षों में 18 लाख 15 हजार 680 महिलाओं को लाभ दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6 लाख 36 हजार 688 महिलाओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से राशि प्रदान की गई। 2023-24 में 1 लाख 45 हजार 832 लाभार्थी, 2024-25 में 7 लाख 18 हजार 670 और 2025-26 में 3 लाख 14 हजार 510 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया है। समाज कल्याण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में 22 लाख 69 हजार 594 लाख महिलाओं का नामांकन हुआ है। इनमें 18 लाख 15 हजार 680 लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि प्रदान की गई है। बाकि बचे लाभार्थियों को जल्द लाभ पहुंचाने के लिए विभाग कार्रवाई कर रहा है।

संजीवनी बनी मातृ वंदना योजना

मिशन शक्ति के अंतर्गत जनवरी 2017 से लागू इस योजना ने राज्य में महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान मजदूरी हानि की आंशिक भरपाई करना, समय पर प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव और शिशु टीकाकरण को प्रोत्साहित करना है। साथ ही बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

योजना के लाभ और राशि विवरण

योजना के तहत पहली संतान होने पर (पहली बार जीवित बच्चे के जन्म पर) पात्र महिलाओं को कुल 5 हजार रुपये की सहायता राशि दो किस्तों में प्रदान की जाती है।

- **पहली किस्त :** 3 हजार गर्भावस्था पंजीकरण और कम से कम एक प्रसव पूर्व जांच के बाद।
- **दूसरी किस्त :** 2 हजार नवजात शिशु के जन्म पंजीकरण और 14 सप्ताह तक के टीकाकरण पूरा होने के बाद।

दूसरी संतान के मामले में, यदि बच्चा कन्या है, तो 6 हजार रुपये की एकमुश्त राशि जन्म और आवश्यक टीकाकरण के बाद दी जाती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जेडीयू-भाजपा कार्यकर्ताओं से पूछा 'क्या 2030 आ गया'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने अपने एक्स हैंडल सहित सोशल मीडिया पर भाजपा और जदयू के कार्यकर्ताओं से सवाल किया है कि क्या 2030 आ गया? साथ ही उन्होंने पूछा है कि क्या आपके नारे का यही हश्र हुआ कि 2030 तक नीतीश का नारा देने वाले 2026 में ही उन्हें फिनिश कर दिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि 'मैं बीजेपी और जेडयू के नेताओं और कार्यकर्ताओं से, बिहार के मतदाताओं से पूछना चाहता हूं– '25 से 30, फिर से नीतीश' क्या हुआ इस नारे का? क्या 2030 आ गया? आज बिहार में एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जबरदस्ती, षड्यंत्र के तहत सत्ता से बेदखल किया जा रहा है। यह षड्यंत्र भाजपा और जदयू के कुछ नेताओं ने मिलकर रचा है। मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य के साथ भी इन लोगों ने खिलवाड़ किया है। इसे लेकर कांग्रेस पार्टी, राहुल जी और हम सबने बार-बार लोगों को आगाह किया था। भाजपा और आरएसएस को पता था कि इनके नाम पर बिहार में वोट नहीं मिलेगा। इसलिए नीतीश जी के नाम पर चुनाव जीतकर और उन्हें धोखे से हटाकर बिहार पर कब्जे का गंदा खेल रचा गया। यह बिहार के करोड़ों मतदाताओं और नीतीश कुमार जी के कार्यकर्ताओं की भावनाओं की हत्या है।

रेल प्रबंधक ने भागलपुर में यात्री भीड़ प्रबंधन का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में होली पर्व के बाद बढ़ी हुई यात्री भीड़ को देखते हुए इस मंडल के भागलपुर, मालदा टाउन, जमालपुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए विभिन्न आवश्यक उपाय किए गए हैं। मालदा मंडल के रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने गुरुवार को भागलपुर में यात्री भीड़ प्रबंधन का जायजा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि प्रतिवर्ष होली के बाद बड़ी संख्या में यात्री अपने कार्यस्थलों, शैक्षणिक संस्थानों तथा निवास स्थलों की ओर लौटते हैं, जिनमें दिल्ली, मुंबई, गुजरात सहित देश के विभिन्न शहर शामिल हैं। अधिक यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए मालदा मंडल द्वारा सभी प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुगम आवाजाही, सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने हेतु विशेष भीड़ प्रबंधन व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में उनके द्वारा आज भागलपुर स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12367 (विक्रमशिला एक्सप्रेस) से यात्रा कर रहे यात्रियों से संवाद किया गया और स्टेशन पर बोर्डिंग व्यवस्था एवं यात्री सुविधाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से स्टेशन की सुविधाओं एवं यात्रा से संबंधित अनुभवों पर फीडबैक प्राप्त किया। इसके अलावा यात्रियों को टिकट बुकिंग तथा अन्य रेल सेवाओं के लिए 'रेलवन' मोबाइल ऐप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया इस ऐप के माध्यम से यात्री बुकिंग काउंटरों पर लंबी कतारों से बचते हुए अपने स्मार्टफोन के माध्यम से आसानी से विभिन्न रेल सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि भागलपुर स्टेशन परिसर में एक स्थायी होल्डिंग एरिया के निर्माण हेतु एक संभावित स्थल का भी अवलोकन किया गया है, जिसे भविष्य में निर्माण करने की योजना है ताकि व्यस्त अवधि के दौरान यात्रियों की आवाजाही को और अधिक सुव्यवस्थित ढंग से प्रबंधित किया जा सके। वहीं अपनी रेल यात्रा के दौरान यात्रियों को सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध अथवा लावारिस वस्तु की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल अथवा रेलवे कर्मचारियों को देने की सलाह दी गई है, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि पूर्व रेलवे का मालदा मंडल विशेष रूप से त्योहारों एवं व्यस्त यात्रा अवधि के दौरान सुरक्षित, सुविधाजनक एवं यात्री-केंद्रित रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके पहले श्री गुप्ता ने भागलपुर स्टेशन के विभिन्न हिस्सों तथा यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वयक) नीरज कुमार वर्मा, मंडल परिचालन प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार मोर्य, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह, मंडल सुरक्षा आयुक्त असीम कुमार कुल्लू सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख भी मौजूद थे।

नियोक्ता हेतु 'सुविधा समागम' कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 75वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे विशेष पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 05.03.2026 को क्षेत्रीय निदेशक कक्ष में नियोक्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने तथा बीमित व्यक्तियों एवं नियोक्ताओं से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के उद्देश्य से 'सुविधा समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक निरंजन कुमार द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुकेश कुमार, संयुक्त निदेशक, राकेश रंजन तिवारी, उप निदेशक तथा सत्यजीत कुमार, सहायक निदेशक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभित्र प्रतिष्ठानों के नियोक्ताओं/प्रतिनिधियों ने भाग लिया और बीमित व्यक्तियों से संबंधित लाभों, सेवाओं तथा नियोक्ताओं के समक्ष आने वाली प्रक्रियात्मक एवं अनुपालन संबंधी समस्याओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न नियोक्ताओं के प्रतिनिधियों द्वारा नियोक्ताओं से संबंधित विभिन्न समस्याओं, बीमित व्यक्तियों से जुड़े मुद्दों में आ रही समस्याओं से अवगत कराया गया, जिन पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई एवं समुचित समाधान उपलब्ध कराया गया। अपने संबोधन में क्षेत्रीय निदेशक श्री निरंजन कुमार ने नियोक्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया तथा उन्हें नए बम संहिताओं के प्रमुख प्रावधानों से भी अवगत कराया। उन्होंने नियोक्ताओं से श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन तथा बीमित व्यक्तियों को प्रदान की जाने वाली सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियोक्ताओं के प्रत्रों का समाधान किया गया तथा यह आश्वासन दिया गया कि प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं पर आवश्यकतानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उक्त सुविधा समागम के माध्यम से इएसआईसी की योजनाओं एवं मेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु अपने अपने सुझाव दिए।

पुलिस महकमा के स्वान दस्ते में 30 प्रशिक्षित स्वानों को किया गया शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पुलिस महकमा के डॉग स्कॉयड (स्वान दस्ता) को सुदृढ़ करने पर खासतौर से ध्यान दिया जा रहा है। हाल में खासतौर से प्रशिक्षित 30 स्वानों को शामिल किया गया है। इससे मौजूदा समय में स्वान की संख्या बढ़कर 96 हो गई है। इस स्वान दस्ते स्वानों के स्वीकृत पद की संख्या 200 है, जिसमें 96 प्रशिक्षित स्वान मौजूद हैं। आगामी वर्ष तक 50 नए स्वानों को इस दस्ते में जोड़ने की योजना है। इसके बाद स्वान दस्ता में इनकी संख्या बढ़कर 146 हो जाएगी। स्वान दस्ता सीआईडी के अधीन आता है। वर्तमान में विशेष रूप से प्रशिक्षित स्वानों को दरभंगा एवं पूर्णिया स्थित हवाईअड्डा के अलावा पटना मेट्रो स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था में 2-2 की संख्या में तैनात किया गया है। इसके अलावा जिन सीमावर्ती जिलों में कैनेल (कुत्तों के रहने वाले विशेष स्थान) की व्यवस्था है, वहां भी 1-1 की संख्या में इन स्वानों की तैनाती कर दी गई है। साथ ही पटना में वीआईपी चेकिंग जैसे अतिमहत्वपूर्ण कार्यों के लिए 8 स्वान को अलग से रखा गया है। इन सभी स्वानों की तैनात अलग-अलग कार्यों में खासतौर से की गई है।

अगले वर्ष तक 150 करने की योजना

डॉग स्कॉयड में प्रशिक्षित स्वानों की संख्या को बढ़ाकर वर्ष 2027 तक 150 करने की योजना है। इसे लेकर सीआईडी के स्तर पर कवायद तेजी से चल रही है। इस वर्ष जून-जुलाई में 50 नए स्वान के खरीद की प्रक्रिया पूरी करके इन्हें हर तरह से प्रशिक्षित करने के लिए तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के पास मौजूद मोइनाबाद स्थित आईआईटीए (इंटीग्रेटेड इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी) में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। करीब एक वर्ष का विशेष प्रशिक्षण इन्हें देने के बाद सभी स्वान को बिहार पुलिस के स्वान दस्ते में शामिल किया जाएगा।

एक नजर

सोनालीका ने 12890 ट्रैक्टरों की दर्ज की बिक्री

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। देश में कृषि मशीनीकरण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के अपने 30वें ऐतिहासिक वर्ष में सोनालीका ट्रैक्टर्स ने एक और सुनहरा अध्याय जोड़ते हुए वित्त वर्ष 2026 में फरवरी माह की अब तक की सर्वाधिक 12890 ट्रैक्टरों की कुल बिक्री दर्ज की है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बड़े स्तर पर मज़बूत कार्या नीति और कंपनी के मूल विश्वास जीतने का दम का प्रमाण है जो किसानों के उज्ज्वल भविष्य की ताकत है। आज जब देश में आधुनिक कृषि तकनीक से उन्नत और किफायती कृषि रही है सोनालीका इनोवेशन, किसानों से गहरा जुड़ाव और मज़बूत बाज़ार पहुंच के साथ लगातार आगे बढ़ रही है। इस नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि असली जीतने का दम हमेशा उन किसानों में रहा है, जो हर दिन अपने खेतों में प्रगति बोते हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऐसे हेवी ड्यूटी ट्रैक्टर तैयार करें जो किसानों के सपनों और उनकी सफलता के संकल्प को और मज़बूत बनाएं।

नीतीश को जदयू का उम्मीदवार बनाए जाने पर दी बधाई

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री तथा हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए जनता दल यूनाइटेड की ओर से उम्मीदवार घोषित किए जाने और नामांकन दाखिल करने पर बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि नीतीश कुमार ने अपनी बेदाग छवि, सुशासन और जनकल्याणकारी सोच के माध्यम से बिहार की राजनीति को नई दिशा दी है। उनके नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के सशक्तिकरण, दलितों और वंचित वर्गों के चतुर्दिक विकास के लिए कई ऐतिहासिक पहलें की गईं, जिनसे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी मुख्यधारा से जुड़ने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का लंबा राजनीतिक अनुभव, संतुलित दृष्टिकोण और जनहित के प्रति समर्पण राज्यसभा में भी देश के नीति निर्माण की प्रक्रिया को नई दिशा देने में सहायक होगा। उनके माध्यम से बिहार की आकांक्षाओं और समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती के साथ उठाने का अवसर मिलेगा। डॉ. संतोष कुमार सुमन ने विश्वास व्यक्त किया कि नीतीश कुमार का अनुभव, सादगीपूर्ण सार्वजनिक जीवन और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता राज्यसभा की गरिमा को और मजबूत करेगी तथा देशहित में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

वैभव सूर्यवंशी को टाटा कर्व कार देकर किया गया सम्मानित

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। टाटा मोटर्स ने आईपीएल 2025 के आधिकारिक पार्टनर के रूप में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को विशेष सम्मान दिया है। आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक स्ट्राइक रेट हासिल करने के लिए उन्हें 'कर्व सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' चुना गया। इस उपलब्धि के लिए टाटा मोटर्स ने उन्हें अपनी प्रतिष्ठित एसयूवी कूपे टाटा कर्व भेंट कर सम्मानित किया। आईपीएल 2025 में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दर्शकों और क्रिकेट विशेषज्ञों को प्रभावित किया। पूरे टूर्नामेंट में उनके उच्च स्ट्राइक रेट और बेहतरीन पारियों ने उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का हकदार बनाया। टाटा मोटर्स द्वारा दिया गया यह सम्मान उस खिलाड़ी को दिया जाता है जिसने पूरे सीजन में सबसे तेज और प्रभावशाली बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया हो। इस सम्मान के बाद वैभव सूर्यवंशी अपने परिवार के साथ पटना पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी नई कार की डिलीवरी ली। इस अवसर पर वे पटना स्थित अनन्या ऑटो के नए शोरूम के उद्घाटन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। कार्यक्रम में वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, कोच और टीम के सहयोग को दिया। इस अवसर पर टाटा मोटर्स के प्रतिनिधियों ने कहा कि आईपीएल के माध्यम से उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित करना कंपनी के लिए गर्व की बात है।

मैटकेयर में होली मिलन सह आशीर्वाद समारोह संपन्न

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बेली रोड स्थित मैटकेयर मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल में होली मिलन सह आशीर्वाद समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पाण्डेय जी रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में शशांक शेखर सिन्हा (आईएएस), मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति (आयुष्मान भारत) एवं मैटकेयर पटना हेड डॉ. दयानिधि कुमार की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई। इसके पश्चात अतिथियों को अस्पताल के विभिन्न विभागों, जिनमें ऑपरेशन थिएटर एवं नवजात गहन चिकित्सा इकाई शामिल हैं, का अवलोकन कराया गया। अपने संबोधन में स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि मैटकेयर जैसे संस्थान सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का सफल समन्वय डॉ. शिप्रा भारती, शुभम पाण्डेय एवं जिज्ञासा द्वारा किया गया। होली विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का चयन एवं संचालन मधुकर एवं उनकी टीम द्वारा किया गया जिसने समारोह में उत्साह एवं सांस्कृतिक रंग भर दिए। समारोह का समापन डॉ. सुनीता कुमारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

गन्ना किसान अब 19 मार्च तक अनुदान पर खरीद सकेंगे यंत्र

- गन्ना खेती को मिल रहा बढ़ावा डीबीटी माध्यम से मिल रहा अनुदान
- डिस्क हैरो, पावर वीडर, पावर टीलर, लैंड लेवलर आदि की खरीदारी पर दिया जा रहा अनुदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गन्ना यंत्रीकरण योजना के तहत जारी परमिट की तिथि को विस्तारित करते हुए 19 मार्च कर दिया गया है। तीसरे और चौथे रैंडमाइजेशन के तहत चयनित गन्ना किसान अब बढ़ाई गई तिथि तक यंत्रों की खरीद कर सकते हैं। पहले यह तिथि 3 मार्च तक ही निर्धारित की गई थी। यंत्र खरीदने के बाद गन्ना किसानों को डीबीटी के माध्यम से अनुदान की राशि भुगतान की जायेगी। विदित हो कि बिहार में गन्ना की खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के आदेश पर गन्ना उद्योग विभाग ने कई योजनाएं शुरू की है, जिसमें गन्ना यंत्रीकरण योजना भी शामिल है। इस योजना के माध्यम से विभाग गन्ना किसानों को यंत्र खरीदने के लिए 50 से 60 फीसदी तक अनुदान देता है। ताकि गन्ना किसान खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई में उपयोग होने वाले यंत्रों की खरीद कर सकें। बताया जाता है कि गन्ना उद्योग विभाग ने इस योजना में तीसरे और चौथे रैंडमाइजेशन के तहत चयनित 324 गन्ना किसानों को यंत्र खरीदने के लिए परमिट जारी किया है। उस परमिट पर 3 मार्च तक यंत्र खरीदने के लिए तिथि निर्धारित की गई थी। इसके बाद विभाग ने योजना के वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने के साथ ही यंत्रों की खरीद में तेजी लाने के उद्देश्य से तिथि में विस्तार किया गया है, ताकि गन्ना किसान विभाग से मिले परमिट पर यंत्रों की खरीद कर सकें।

यंत्र खरीदने के लिए मिल रहा 50-60 प्रतिशत अनुदान

गन्ना किसानों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा है कि स्वीकृति पत्र प्राप्त चयनित किसान सुमेक पोर्टल (https://sugarcane-mech.bihar.gov.in) पर सूचीबद्ध विक्रेताओं को पूर्ण देय राशि का भुगतान कर यंत्र खरीद सकते हैं। यंत्र का सत्यापन पूर्ण होने के बाद अनुदान राशि का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से संबंधित किसान के बैंक खाते में किया जायेगा। बता दें कि गन्ना उद्योग विभाग के माध्यम से यंत्रीकरण योजना के तहत खेत की तैयारी से लेकर गन्ने की कटाई में प्रयोग होने वाले डिस्क हैरो, पावर वीडर, पावर टीलर, लैंड लेवलर, लेजर लेवलर, रैटून मैनेजमेंट डिवाइस, रोटावेटर, मिनी ट्रैक्टर (4डब्लूडी), ट्रैक्टर माउंटेड हाइड्रॉलिक स्प्रेयर, शुगरकेन कटर प्लांटर एवं हाइड्रॉलिक डिस्क हैरो आदि यंत्रों की खरीद पर 50 से 60 फीसदी का अनुदान दिया जाता है, ताकि किसान अनुदानित दर पर इन आधुनिक यंत्रों की खरीद कर गन्ने की खेती बेहतर तरीके से कर सकें।

संपादकीय

युद्ध के बीच भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है।इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए।अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभावकि ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए।गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं।इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं और बहुत सारे वैसे भारतीय उन जगहों के हवाईअड्डों पर फंसे हुए हैं, जो किसी तरह वतन लौटना चाहते हैं।

यह मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है; यह उस निरंतर मानसिक और सामाजिक दबाव से बाहर निकलने का प्रयास है जिसमें हर व्यक्ति को हर विषय पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है। आज का युवा, जो दिन भर संदेशों, सूचनाओं, टिप्पणियों और दृश्य सामग्री के प्रवाह में डूबा रहता है, पहली बार यह अनुभव कर रहा है कि उसकी सबसे बड़ी थकान श्रम से नहीं, बल्कि निरंतर अभिव्यक्ति की बाध्यता से उत्पन्न होती है। यही कारण है कि ध्यान-शिविरों, साइलेंट-रिट्रीट, डिजिटल डीटॉक्स और एकांत यात्राओं की ओर उसका आकर्षण बढ़ रहा है। यह पलायन नहीं अपितु प्रतिरोध है।

मौन का पुनर्जन्म- शोर के युग में चुप रहने का आध्यात्मिक प्रतिरोध

(अनन्या मिश्रा)

डिजिटल दबाव और निरंतर अभिव्यक्ति से थकान बढ़ी है। युवा ध्यान, साइलेंट रिट्रीट और मौन की ओर आकर्षित हैं। मौन मानसिक संतुलन, आंतरिक अनुभव, सांस्कृतिक प्रतिरोध और अस्तित्व की वास्तविक अनुभूति प्रदान करता है।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां बोलना केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि अस्तित्व का प्रमाण बन गया है। यदि हम सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट नहीं कर रहे, यदि हम किसी चर्चा में अपनी राय व्यक्त नहीं कर रहे, यदि हमारी उपस्थिति डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर दिखाई नहीं दे रही, तो मानो हम धीरे-धीरे अदृश्य होते जा रहे हैं। निरंतर अभिव्यक्ति की यह संस्कृति इतनी गहराई से हमारे जीवन में प्रवेश कर चुकी है कि चुप रहना अब स्वाभाविक नहीं, बल्कि असामान्य प्रतीत होता है। परंतु इसी असामान्यता के भीतर एक नई आध्यात्मिक प्रवृत्ति जन्म ले रही है जो है मौन का पुनर्जन्म।

यह मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है; यह उस निरंतर मानसिक और सामाजिक दबाव से बाहर निकलने का प्रयास है जिसमें हर व्यक्ति को हर विषय पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है। आज का युवा, जो दिन भर संदेशों, सूचनाओं, टिप्पणियों और दृश्य सामग्री के प्रवाह में डूबा रहता है, पहली बार यह अनुभव कर रहा है कि उसकी सबसे बड़ी थकान श्रम से नहीं, बल्कि निरंतर अभिव्यक्ति की बाध्यता से उत्पन्न होती है। यही कारण है कि ध्यान-शिविरों, साइलेंट-रिट्रीट, डिजिटल डीटॉक्स और एकांत यात्राओं की ओर उसका आकर्षण बढ़ रहा है। यह पलायन नहीं अपितु प्रतिरोध है।

मौन का यह नया आकर्षण भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के लिए नया नहीं है, परंतु इसका संदर्भ नया है। उपनिषदों में कहा गया है कि अंतिम सत्य शब्दों से परे है - यतो वाचो निवर्तन्ते- जहाँ वाणी लौट आती है। दक्षिणामूर्ति की प्रतिमा में गुरु मौन रहकर शिष्यों को ज्ञान देते हैं, और यह मौन ही सर्वोच्च उपदेश माना गया है। परंतु उस समय मौन साधना का मार्ग था; आज मौन मानसिक संतुलन की आवश्यकता बन गया है।

जीवन का आंतरिक आयाम धीरे-धीरे क्षीण होने लगतात्र डिजिटल संस्कृति ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है, परंतु साथ ही उसने एक ऐसी अदृश्य बाध्यता भी उत्पन्न की है जिसमें हर व्यक्ति स्वयं को निरंतर प्रस्तुत करने के लिए बाध्य महसूस करता है। विचार अभी पूर्ण रूप से बन भी नहीं पाता कि उसे साझा करने का दबाव उत्पन्न हो जाता है। अनुभव अभी भीतर उतर भी नहीं पाता कि उसका दृश्य रूप तैयार कर लिया जाता है। इस प्रक्रिया में जीवन का आंतरिक आयाम धीरे-धीरे क्षीण होने लगता है। मौन की ओर लौटना इस क्षरण के विरुद्ध एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो मौन केवल आध्यात्मिक अभ्यास नहीं, बल्कि तंत्रिका-तंत्र की पुनर्स्थापना का माध्यम है। निरंतर

सूचना-प्रवाह और प्रतिक्रिया की अपेक्षा मस्तिष्क को सतत सक्रिय अवस्था में रखती है, जिससे चिंता, थकान और ध्यान-भंग की समस्या बढ़ती है। जब व्यक्ति कुछ समय के लिए भी बोलना और सुनना बंद करता है, तब वह पहली बार अपने भीतर चल रही सूक्ष्म गतिविधियों को अनुभव कर पाता है। मौन उसे यह अवसर देता है कि वह प्रतिक्रिया के स्थान पर साक्षी भाव में स्थित हो सके। यहाँ एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक परिवर्तन दिखाई देता है। पहले मौन को सामाजिक रूप से असहज स्थिति माना जाता था; बातचीत में विराम आना असफलता समझा जाता था। आज वही मौन एक मूल्य बन रहा है। छोटे-छोटे ध्यान-समूह, बिना बातचीत की यात्राएँ, बिना मोबाइल के बिताए गए दिन... ये सब उस नई जीवन-दृष्टि के संकेत हैं जिसमें व्यक्ति अपनी ऊर्जा को बाहर नहीं, भीतर केंद्रित करना चाहता है। क्योंकि भीतर विचारों का शोर चलता रहता है मौन का यह पुनर्जन्म एक और स्तर पर भी महत्वपूर्ण है कि यह उपभोक्तावादी संरचना के विरुद्ध खड़ा होता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था ध्यान पर आधारित है ड्ढ यानि जितना अधिक समय हम स्क्रीन पर बिताते हैं, उतना ही हम इस संरचना का हिस्सा बनते हैं। मौन और ऑफलाइन समय इस अर्थव्यवस्था के प्रवाह को तोड़ते हैं। इस दृष्टि से मौन केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रतिरोध भी है। परंतु यह मौन केवल बाहरी नहीं हो सकता। केवल शब्दों को रोक देना पर्याप्त नहीं, क्योंकि भीतर विचारों का शोर चलता रहता है। वास्तविक मौन तब उत्पन्न होता है जब व्यक्ति स्वयं को निरंतर परिभाषित करने की आवश्यकता से मुक्त होने लगता है। जब वह कुछ समय के लिए यह भूल जाता है कि उसे कौन-सा रूप प्रस्तुत करना है, तब वह अपने उस स्वरूप के निकट पहुँचता है जो किसी प्रदर्शन का विषय नहीं है। नई पीढ़ी के लिए यह अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह ऐसी दुनिया में बड़ी हुई है जहाँ पहचान को निरंतर प्रदर्शित करना पड़ता है। मौन उसे पहली बार यह अनुभव कराता है कि उसका अस्तित्व उसकी अभिव्यक्ति से बड़ा है। यह अनुभव आध्यात्मिक है, क्योंकि यह व्यक्ति को उसकी आंतरिक उपस्थिति से जोड़ता है। मौन का पुनर्जन्म इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें संवाद की एक नई गुणवत्ता की ओर ले जा सकता है। जब शब्द कम होते हैं, तब सुनना गहरा होता है। जब प्रतिक्रिया का दबाव नहीं होता, तब अनुभव अधिक स्पष्ट होता है। जब व्यक्ति स्वयं से मिलने लगता है, तब उसका संबंध दूसरों से भी अधिक प्रामाणिक हो जाता है। आज जब वर्ष का अधिकांश समय शोर, गति और निरंतर गतिविधि में बीत जाता है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम कभी सच में अपने साथ अकेले होते हैं। शायद मौन की ओर लौटने की यह प्रवृत्ति हमें यह स्मरण कराती है कि जीवन का सबसे गहरा आयाम अभिव्यक्ति में नहीं, बल्कि उपस्थिति में है। और संभवतः यही कारण है कि नई पीढ़ी, जो सबसे अधिक बोलने वाली पीढ़ी मानी जाती है, अब चुप रहने की कला को फिर से खोज रही है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

क्या मध्य-पूर्व एक और 'महायुद्ध' की दहलीज पर है?

(पुष्परंजन)

अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो यह खाड़ी देशों के लिए एक असली बदलाव बिंदु बन सकती है। एक ऐसा मोड़, जो देशों की सुरक्षा, उभयपक्षीय सहयोग और यहां तक कि उनके लंबे समय के आर्थिक भविष्य के बारे में सोचने के तरीके को बदल देगा।

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के व्यापक हमले को दो दिन हुए हैं, यह पहले से ही साफ है कि इसका मध्य-पूर्व और खासकर खाड़ी पर गहरा असर पड़ेगा। अमेरिका-इजराइल की बमबारी में कई बड़े अधिकारियों के साथ सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के लोग भी मारे गए हैं। ईरान में 40 दिन का शोक है। तेहरान ने न सिर्फ इजराइल बल्कि इस इलाके के कई देशों पर हमले करके जवाब दिया है।

सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत और ओमान सभी पर ईरानी मिसाइलों या ड्रोन से हमला किया गया, जबकि इनमें से किसी भी देश ने अपने इलाके से ईरान पर हमला नहीं किया था। इन देशों में कई जगहों को निशाना बनाया गया, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डे, हवाई अड्डे, बंदरगाह और वाणिज्यिक इलाके भी शामिल थे।

अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो यह खाड़ी देशों के लिए एक असली बदलाव बिंदु बन सकती है। एक ऐसा मोड़, जो देशों की सुरक्षा, उभयपक्षीय सहयोग और यहां तक कि उनके लंबे समय के आर्थिक भविष्य के बारे में सोचने के तरीके को बदल देगा। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संघर्ष समुद्री यातायात को प्रभावित करेगा, खासकर होर्मुज की खाड़ी, जो दुनिया की आर्थिक धमनियों में से एक है। थोड़ी बहुत रुकावट से ऊर्जा की कीमते तेज हो जाएंगी, जो निवेशकों के लिए नई चिंता पैदा कर सकती हैं।

हां, तेल की ज्यादा कीमतें अल्पकालिक राजस्व को बढ़ा सकती हैं, फिर भी ऊर्जा बाजार असंतुलित हो जाएगा। क्या ट्रंप तेल की कीमतों में भी उछाल चाहते थे? चीन और रूस ज्यादा देर चुपचाप नहीं रहेंगे। मास्को यदि सीधा नहीं भी कूदा, मगर इस उथल-पुथल का फायदा उठाकर हथियारों की बिक्री बढ़ा सकता है, वह क्षेत्रीय बंटवारे का भी लाभ उठा सकता है।

इस संदर्भ में जो वार्ता जिनेवा में चल रही थी, उसे ठीक से देखा जाए तो जो लोग मध्यस्थता कर रहे थे, उन्हें भी भरोसे में नहीं लिया गया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराकची ने वार्ता के इस दौर को, जो ओमान की मध्यस्थता और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी के महानिदेशक राफेल ग्रासी की उपस्थिति में आयोजित किया गया था, आज तक की 'सबसे गंभीर और सबसे लंबी' वार्ता बताया था।

ईरान के विदेश मंत्री ने वार्ता के माहौल और ओमान की मध्यस्थता की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा था कि कुछ मुद्दों पर सहमति बहुत करीब आ गई है। बेशक, अभी भी मतभेद मौजूद हैं, जो स्वाभाविक है, लेकिन पहले की तुलना में बातचीत के समाधान तक पहुंचने के लिए दोनों पक्षों में अधिक गंभीरता देखी जा रही है।

उधर ईरान के विदेश मंत्री की घोषणा के अनुसार, 'इस बात पर सहमति हुई कि सोमवार से तकनीकी टीमें वियना में और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी में विशेषज्ञ समीक्षा शुरू करेंगी। इस बैठक का उद्देश्य कुछ तकनीकी मुद्दों को एक निश्चित ढांचे में व्यवस्थित करना बताया गया है।' अराकची के मुताबिक, यह तय हुआ था कि हमारे विशेषज्ञों की अगले सोमवार को एजंसी के साथ बैठक होगी। वहां कुछ तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की जानी है, ताकि ये तकनीकी पहलू स्पष्ट हो सकें, जिसके बाद हम राजनीतिक बैठकों में उन पर निर्णय ले सकें।'

अराकची के बयानों से निकट भविष्य में वार्ता के चौथे दौर के आयोजन की योजना की भी जानकारी मिली कि यह बैठक लगभग एक सप्ताह में आयोजित होगी। इस अंतराल में दोनों पक्षों को कुछ कदम उठाने होंगे, दस्तावेज तैयार करने होंगे और स्वाभाविक रूप से अपनी-अपनी राजधानियों में आवश्यक परामर्श करने होंगे। प्रतिबंधों को लेकर ईरान के रुख को स्पष्ट करते हुए जोर दिया गया कि तेहरान की अपेक्षाएं स्पष्ट रूप से रखी गई हैं।

शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही और पाठ्यक्रम विवाद

(डॉ.अमरेंद्र कुमार पाण्डेय)

मूल प्रश्न न्यायपालिका की आलोचना का नहीं, बल्कि उसकी प्रस्तुति की संतुलित संरचना का है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की आलोचनात्मक समीक्षा स्वाभाविक और आवश्यक है; किंतु जब प्रस्तुति एकांगी हो, संदर्भ अपूर्ण हों और विद्यार्थियों की आयु-संबंधी संवेदनशीलता की उपेक्षा की जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है। कक्षा आठ के विद्यार्थियों के समक्ष यदि न्यायपालिका को भ्रष्टाचार के उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो उसके साथ उसकी संवैधानिक भूमिका, नागरिक अधिकारों की रक्षा में योगदान तथा सुधारात्मक प्रयासों का उल्लेख भी अनिवार्य है। अन्यथा आलोचना शिक्षण का उपकरण न रहकर पूर्वाग्रह-निर्माण का माध्यम बन सकती है।

हाल के समय में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार संबंधी उल्लेख को लेकर उत्पन्न विवाद ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और उत्तरदायित्व पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।

इस प्रकरण में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया जाना तथा केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण माँगा जाना यह संकेत करता है कि पाठ्यक्रम निर्माण अब केवल शैक्षणिक प्रक्रिया भर नहीं रह गया है, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं और संस्थागत संतुलन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय बन चुका है।

मूल प्रश्न न्यायपालिका की आलोचना का नहीं, बल्कि उसकी प्रस्तुति की संतुलित संरचना का है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की आलोचनात्मक समीक्षा स्वाभाविक और आवश्यक है; किंतु जब प्रस्तुति एकांगी हो, संदर्भ अपूर्ण हों और विद्यार्थियों की आयु-संबंधी संवेदनशीलता की उपेक्षा की जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है।

कक्षा आठ के विद्यार्थियों के समक्ष यदि न्यायपालिका को भ्रष्टाचार के उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो उसके साथ उसकी संवैधानिक भूमिका, नागरिक अधिकारों की रक्षा में योगदान तथा सुधारात्मक प्रयासों का उल्लेख भी अनिवार्य है। अन्यथा आलोचना शिक्षण का उपकरण न रहकर पूर्वाग्रह-निर्माण का माध्यम बन सकती है।

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य इस विमर्श को और गहराई प्रदान करता है। सन् 1975 में घोषित आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न उठे थे। विशेषकर 'जिला दंडाधिकारी जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' प्रकरण में दिए गए निर्णय की व्यापक आलोचना हुई।

यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि न्यायपालिका भी त्रुटिहीन नहीं है और उसकी समीक्षा संभव है। किंतु समय के साथ न्यायपालिका ने अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णयों के माध्यम से नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा की और अपनी संस्थागत विश्वसनीयता को सुदृढ़ किया। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि आलोचना का स्वर संतुलित ऐतिहासिक संदर्भ के साथ होना चाहिए।

किशोरावस्था में निर्मित धारणाएँ दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ती हैं। यदि किसी एक संस्था की छवि केवल नकारात्मक संदर्भ में प्रस्तुत की जाती है, तो विद्यार्थियों के मन में व्यापक संस्थागत अविश्वास जन्म ले सकता है। यहाँ यह प्रश्न भी विचारणीय है कि यदि न्यायपालिका को लेकर संशय उत्पन्न होता है, तो क्या विद्यार्थियों के मन में कार्यपालिका के आचरण और कार्यशैली को लेकर भी प्रश्न नहीं उठेंगे?

जब बच्चे पढ़ते हैं कि शासन की किसी संस्था में भ्रष्टाचार संभव है, तो वे स्वाभाविक रूप से यह सोच सकते हैं कि क्या प्रशासनिक तंत्र, मंत्रालयों या सरकारी विभागों में भी ऐसी स्थितियाँ विद्यमान हैं। इस प्रकार असंतुलित प्रस्तुति पूरे शासन-तंत्र के प्रति शंका को जन्म दे सकती है।

शिक्षा का उद्देश्य न अंधविश्वास उत्पन्न करना है और न अंध-अविश्वास, बल्कि विवेकपूर्ण समझ विकसित करना है, जिससे विद्यार्थी संस्थाओं की भूमिका, सीमाएँ और जवाबदेही को संतुलित दृष्टि से देख सकें।

उच्च शिक्षा के स्तर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। केवल दिशा-निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत निगरानी भी आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को अनेक विश्वविद्यालयों ने अपनाया है; किंतु व्यवहारिक स्तर पर चौथे वर्ष की संरचना, शोध की गुणवत्ता तथा शैक्षणिक अनुशासन को लेकर प्रश्न उठे हैं। यदि नीतियों के क्रियान्वयन में स्पष्टता और कठोरता का अभाव रहेगा, तो सुधार की प्रक्रिया औपचारिकता तक सीमित रह सकती है।

पाठ्यक्रम विवादों का इतिहास भी नया नहीं है। सन् 2005 में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा लागू किए जाने के पश्चात इतिहास और सामाजिक विज्ञान की सामग्री को लेकर व्यापक बहसें हुई थीं।

विभिन्न समूहों ने वैचारिक संतुलन और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए। इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि पाठ्यक्रम निर्माण एक संवेदनशील और बहुस्तरीय प्रक्रिया है, जिसमें पारदर्शिता, विशेषज्ञता और उत्तरदायित्व–इन तीनों का समन्वय अनिवार्य है।

इस विषय पर देश के नेतृत्व द्वारा गंभीरता व्यक्त किया जाना शिक्षा तंत्र की व्यापक जवाबदेही की ओर संकेत करता है। जब यह प्रश्न उठता है कि पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और निगरानी किस स्तर पर होती है, तो यह केवल एक संस्था की चर्चा नहीं रह जाती, बल्कि संपूर्ण शैक्षिक संरचना की पारदर्शिता से जुड़ जाती है। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक आधार-निर्माण की प्रक्रिया भी है।

अतः आवश्यक है कि मतभेदों और बहसों को संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। पारदर्शी समीक्षा-तंत्र, उत्तरदायी विशेषज्ञ समितियां और प्रभावी निगरानी-व्यवस्था शिक्षा प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बना सकती हैं।

निष्कर्षतः शिक्षा व्यवस्था में सुधार अपरिहार्य है, परंतु वह संतुलन, पारदर्शिता और स्पष्ट जवाबदेही पर आधारित होना चाहिए। पाठ्यक्रम केवल तथ्यों का संकलन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण-निर्माण का माध्यम है।

यदि इसमें असंतुलन होगा, तो उसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों की लोकतांत्रिक समझ पर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि शैक्षिक संस्थानों और संबंधित प्राधिकरणों के बीच समन्वित तथा उत्तरदायी तंत्र स्थापित किया जाए।

बच्चों का विश्वास उनकी बुनियादी शिक्षा व्यवस्था, उसकी पाठ्य-सामग्री और वहाँ अध्यापन करने वाले शिक्षकों पर आधारित होता है। यदि यह विश्वास सुदृढ़ और सकारात्मक बना रहता है, तो वही राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार बनता है।

भारत भी शिक्षा में सुधार, अनुशासन और उत्तरदायित्व के माध्यम से ही आगे बढ़ सकता है। यही हमारी सांस्कृतिक तथा सामाजिक मजबूती का वास्तविक आधार है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

संक्षिप्त समाचार

अभ्यास के दौरान युवक बेहोश

मनिहारी /कटिहार (नबिटासं)। मनिहारी थाना क्षेत्र के मेदिनीपुर बघार पंचायत निवासी भागीरथ सिंह का पुत्र सोनू सिंह प्रत्येक दिन की भांति मनिहारी रेलवे मैदान में दौड की अभ्यास करने पहुंचा था। अभ्यास के दौरान ही वह रेलवे मैदान में गिरकर बेहोश हो गया। दौड लगा रहे अन्य साथियों उन्हें अस्पताल ले गये। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने ब्रेन हेम्ब्रेज होने की बात बतायी। जवान बेटे की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड टूट पडा है। इस हृदयविदारक घटना से ग्रामीण भी स्तब्ध और गमगीन हैं ।परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।एक जवान, ऊजार्वान और देशसेवा का सपना देखने वाले बेटे का इस तरह

असमय चले जाना पूरे क्षेत्र के लिए गहरा आघात है। युवा समाजसेवी करण मानस ने अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी है।शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। पंचायत के मुखिया पिंटु यादव ने बताया कि मृतक बिहार पुलिस भर्ती लिखित परीक्षा पासकर दौड में बेहतर प्रदर्शन की अभ्यास कर रहा था। वह दो भाई और दो बहनें हैं। पिता मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। मुखिया पिंटु यादव ने शोक संतप्त परिवार के प्रति शोक संवेदना जतायी है।

विधि विधान के साथ होलिका दहन सम्पन्न

कटिहार (नबिटासं)। बड़ा बाजार हाट होलिका दहन समिति की ओर से सोमवार के मध्य रात्रि 12.35 बजे बहुत ही धूमधाम से पूरी विधि विधान के साथ शुभ मुहूर्त में विद्वान पंडित जयप्रकाश पांडेय और राजकुमार शर्मा द्वारा होलिका दहन का कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित हुए। होलिका दहन समिति के संयोजक राजकुमार मुरारका ने बताया कि इस कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, विधान पार्षद अशोक

अग्रवाल, मेयर उषा देवी अग्रवाल, उप मेयर मंजूर खान, पूर्व मंत्री निखिल कुमार चौधरी जी, मंत्री डॉ. राम प्रकाश महतो के अलावा भी शहर के सभी प्रमुख लोग उपस्थित रहे । आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष विश्वनाथ मुकीम एवं संयोजक राजकुमार मुरारका द्वारा किया गया। समिति के संयोजक राजकुमार मुरारका ने बताया कि नगर निगम द्वारा साफ सफाई की बहुत ही सुंदर ढंग से व्यवस्था की गई थी एवं पुलिस प्रशासन द्वारा भी सैकड़ो महिला पुरुष पुलिस द्वारा सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था की गई थी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अनिल चमरिया, विमल सिंह बेगानी, मनोज रुंगटा, प्रकाश तंबाकूवाला, गोपाल सुल्तानिया, राहुल मुरारका, चीकू मुकीम, शंभू अग्रवाल पिंटू सुल्तानिया, चंचल सुल्तानिया, पप्पू सिंघल आदि लोग प्रमुख रहे। समिति के संयोजक राजकुमार मुरारका ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाने वाले नगर निगम पुलिस प्रशासन और समाज के सभी लोगों को धन्यवाद दिया ।

राशन माफिया के चंगुल में गरीब

कोढ़ा/ कटिहार (नबिटासं)। एक ओर सरकार गरीबों तक शत-प्रतिशत राशन पहुँचाने का दावा कर रही है। वहीं कोढ़ा प्रखंड के भटवाड़ा पंचायत के मंडल टोला और कुशवाहा टोला के डीलर अपनी मनमानी से सरकार की योजनाओं को चूना लगा रहे हैं। पंचायत के ग्रामीणों ने डीलरों पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि यहाँ राशन वितरण में सरेआम लूट मची है।ग्रामीणों का आरोप है कि डीलर हर कार्डधारक से प्रति व्यक्ति आधा किलो राशन की कटौती कर रहे हैं। विरोध करने पर कार्ड रद्द करने या अगले महीने राशन नहीं देने की धमकी दी जाती है। मामला सिर्फ कटौती तक सीमित नहीं है। आरोप है कि गरीबों के हक का जो अनाज काटा जाता है, उसे डीलर ऊंचे दामों पर कालाबाजारी कर रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा बताया गया की चावल और गेहूं 3000 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बेचा जा रहा है। यह अनाज गांव के ही कुछ रसूखदारों या स्थानीय दुकानदारों को अंधेरे के साये में सप्लाइ किया जाता है। हम गरीब लोग हैं मजदूरी करके पेट पालते हैं। डीलर वजन कम देता है और पूछने पर कहता है कि ऊपर से ही कम आ रहा है।जबकि वही अनाज बाद में बाहर दुकानों पर बिकता दिखता है। इस लूट से कोढ़ा की जनता में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग से मांग की है कि तय मात्रा में पूरा राशन सुनिश्चित किया जाए। दोषी डीलरों के गोदामों की जांच हो और उनके लाइसेंस रद्द किए जाएं।कालाबाजारी में शामिल सिंडिकेट पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।अब देखना यह है कि विभाग इन राशन माफियाओं" पर नकेल कसता है या गरीब ऐसे ही अपने हक के लिए तरसते रहेंगे। वही इस मामले को लेकर प्रखंड में आपूर्ति कार्यालय पहुंचे लेकिन कार्यालय बंद मिला ।

घर में सोये अधेड़ की निर्मम हत्या

जांच में जुटी पुलिस, जल्द होगें आरोपी सलाखों के पीछे : डीएसपी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। बुराई पर अच्छाई व असत्य पर सत्य की विजय का पर्व प्रखंड क्षेत्र में आमतौर पर शांतिपूर्ण संपन्न हो गया, लेकिन होली के पूर्व रात्री में सोए अवस्था में मनोहर के महेशाडीह वार्ड संख्या 09 में एक घर मे सो रहे अधेड़ व्यक्ति महेश प्रसाद सिंह की निर्मम हत्या से क्षेत्र दहल उठा। घटना की सूचना पर मनिहारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद कुमार, पुलिस निरीक्षक पप्पु कुमार, थानाध्यक्ष पंकज आनंद बडी संख्या मे पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर मुआयना किया ।

घटना से जूडे तथ्यों का पता लगाने की दिशा में पुलिस जूट गयी है। मृतक के परिजन की लिखित शिकायत पर मनिहारी मे कांड

संख्या 62/2026 दर्ज कर पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जूट गयी है।घटना के संबंध मे मृतक के पुत्र बबलू सिंह ने जानकारी दी कि बुद्धवार अहले सुबह जब उनके परिजन घर मे सो रहे मृतक महेश सिंह को जगाने गये तो द्वार नहीं खुलने पर पीछे के द्वार से प्रवेश करने पर पाया कि मृतक के गले - सिर पर धारदार हथियार से जख्मी, खून से लथपथ शरीर विस्तर पर पडा था. देखकर चीख पुकार मचाया। सूचना पर पहुंची मनिहारी थाने की पुलिस मौके पर परिजनों से मिली शिकायत और अन्य बिन्दुओं पर सघनता से जांच कर रही है। डीएसपी बिनोद कुमार ने कहा कि निर्मम हत्या मे शामिल लोगों की शीघ्र गिरफ्तारी कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। मनोहरपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ललन यादव, मृतक के पुत्र बबलू सिंह ने बताया कि मृतक छोटा कामधंधा करके परिवार चलाता था बबलू के अनुसार वो दो भाई व एक बहन है। मृतक की दो शादियां थीं। दोनों ही पत्नी की मौत हो चुकी है।

बरारी में हर्षोल्लास के साथ मनी होली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। बरारी प्रखंड क्षेत्र में होली का जश्न काफी हर्षोल्लास के साथ मना। स्कूली बच्चों ने जमकर रंग-गुलाल उड़ाया। मंगलवार देर रात साढ़े बारह बजे श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर गुरुबाजार सहित प्रखंड क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी होलिका दहन किया गया। इसके बाद बुधवार को होली खेली गई। श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर में हर साल की तरह इस बार भी होली मिलन समारोह हुआ।

इसमें स्थानीय लोगों के साथ प्रखंड के अलग-अलग हिस्सों से परिवारों के साथ लोग पहुंचे। अबीर-गुलाल उड़ाकर होली का आनंद लिया। छोटे बच्चों और युवाओं ने बड़ों के पैरों पर गुलाल लगाकर आशीर्वाद लिया। मंदिर आयोजकों ने पकवान की व्यवस्था की थी, जिसका लोगों ने आनंद लिया। मुख्य पार्षद बबीता कुमारी, श्री राम जानकी मंदिर के अध्यक्ष श्यामल केडिया, सचिव संतोष चौधरी, उप सचिव सुमित अग्रवाल, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कृष्ण कुमार अग्रवाल, अरविंद चौधरी, इंडियन ओवरसीज बैंक के सीनियर मैनेजर अभिषेक जायसवाल, फ्लड विभाग के क्लर्क विकास कुमार, समाजसेवी चंदन भगत, अमित गांधी, सूरज गांधी, रेल लोको पायलट अमित कुमार, समाजसेवी गौतम भगत, अन्नू भारती, राजेश जायसवाल, अंकित अग्रवाल, अभय जायसवाल, डीलर संघ अध्यक्ष अजित सिंह, महेश कुमार चौधरी, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, नवीन चौधरी सहित कई युवाओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली खेली।

ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते हुए मस्ती की। कई जगह मटका फोड़ होली का आयोजन हुआ। युवाओं ने कुर्ता फाड़ होली खेली। बाजारों में चहल-पहल रही। मटन की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी। मिठाइयों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ दिखी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने होली का आनंद लिया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस तैनात रही।

चोरी में शामिल आरोपी पूर्णियां से गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार) । बीते दिनों मनिहारी बाजार निवासी अनुज मित्तल के घर से दिनदहाड़े घर में चोरी की घटना घटित हुई थी। गृहस्वामी अनुज मित्तल कपडे की छोटी व्यपार करते हैं। चोरों ने उनके घर को तब निशाना बनाया था जब वे दिन के दस बजे अपनी दूकान पर गये थे। श्री मित्तल ने पुलिस को जानकारी दी थी कि चोरों ने 8-10 लाख की सोने चांदी के गहने सहित नगदी की चोरी की है।

गृहस्वामी कि शिकायत पर इस संदर्भ में पुलिस ने मनिहारी थाना मे कांड संख्या 43/26 दर्ज कर बीएनएस की धारा 331(3)/305 के तहत जांच आरंभ कर दी थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर पूर्णियां वार्ड संख्या 41, अब्दुल्ला नगर खुश्किबाग निवासी 35 वर्षीय मो. मिस्टर पिता मो. मोतिन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया है।पकडे गये आरोपी के पास से पुलिस ने दो स्मार्ट फोन, चांदी के वर्तन बरामद की है। इस घटना के सफल उद्भेदन मे थानाध्यक्ष पंकज आनंद, एसआई अमित कुमार, एस आई सत्यम कुमार सिंह की सक्रिय भूमिका रही।

कटिहार-तेजनारायनपुर रेलखंड में पैसेंजर ट्रेन में गंदगी का अंबार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। कटिहार - तेजनारायणपुर रेलखंड में प्रत्येक दिन तीन सवारी गाड़ियां चला करती हैं। इस पैसेंजर ट्रेन में गंदगी का अंबार साफ दिख रहा हैं,मालूम हो कि कटिहार जंक्शन के मनिहारी टर्मिनल से सुबह के 6:30 बजे दिन के 10 बजे एवं दोपहर के दो बजे ट्रेन तेजनारायणपुर जाने के लिए खुलती हैं। यहीं ट्रेन फिर तेजनारायणपुर से वापस कटिहार जंक्शन स्थित मनिहारी टर्मिनल पहुंचती हैं। इस संवाददाता ने जब कटिहार जंक्शन के मनिहारी टर्मिनल पर खड़ी सुबह के 6:30 वाली पैसेंजर ट्रेन में सवार होकर मनसाही स्टेशन तक सफर किया तो देखा कि ट्रेन के बोगी में गंदगी का अंबार लगा हुआ हैं साफ सफाई नहीं था।

जमीनी विवाद में फायरिंग से युवक घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार) । होली की संध्या में जमीनी विवाद में बरारी थाना क्षेत्र के महारानी वार्ड-9 रौनिया में गोली मारकर घायल करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार संध्या होली की दिन जहां लोग एक दूसरे के साथ होली खेलने में मशगूल थे, वही जमीनी विवाद के कारण संतोष लोहरा उम्र-22 के ऊपर गांव के ही विभाष कुमार साहा के द्वारा गोली चलाने का मामला सामने आया है।

जिसमें विभाष कुमार साहा के द्वारा संतोष लोहरा के सिर पर थ्रीनट के कुंडा से पहले वार किया गया,उसके बाद फिर गोली चलाया गया, जो कि संतोष के आंख के नीचे छूते हुए निकल गया,लेकिन इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद उनके परिजनों ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरारी इलाज हेतु लाया जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए संतोष को हाइयर सेंटर भेजा गया। घटना को लेकर पीड़ित पिता चुन्नू लोहरा ने बरारी थाना में आवदेन दिया है। जिसमें उन्होंने जमीनी विवाद में घटना को अंजाम देने का बात बताया है।आवेदन में बताया गया है कि घर के दरवाजे पर आकर विभाष कुमार साहा ने गोली चलाई है। इस संबंध में बरारी थानाध्यक्ष सुमेश कुमार ने बताया कि घटना की तफ्तीश की जा रही हैं।दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

सालमारी में जिला स्तरीय सत्संग आज, तैयारी पूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार) । सालमारी के ढोलमारा मैदान में जिला स्तरीय संतमत सत्संग का दो दिवसीय 47 वां अधिवेशन शुक्रवार से शुरू होकर शनिवार के रात में प्रवचन के साथ सम्पन्न होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद तारिक अनवर, एमएलसी अशोक अग्रवाल, पुर्व एमएलसी मोहनलाल अग्रवाल, प्राणपुर विधायक निशा सिंह, कदवा विधायक दुलाल चन्द्र गोस्वामी के द्वारा अधिवेशन का शुभारंभ करेंगे।

संतमंत सत्संग के संरक्षक पुर्व एमएलसी मोहनलाल अग्रवाल ने बताया की 6 एवं 7 मार्च 2026 को

जिला स्तरीय सत्संग का आयोजन सालमारी के ढोलमारा खेल मैदान में आयोजन होगा। जिसमें कुप्पाघाट भागलपुर के सत्संगी बाबा बड़ी संख्या में आयेंगे।और उनको प्रवचन होगा। अवसर पर पुज्यपाद महर्षि हरिनंदन परमहंस महाराज, गुरूसेवी स्वामी भगीरथ दास जी महाराज उपस्थित रहेंगे। अधिवेशन का मुख्य सलाहकार डा. मनोज कुमार, नरोत्तम जोशी, प्रो. जनार्दन प्रसाद यादव, विष्णु अग्रवाल, विजय सरावगी, सुबोध शर्मा, अमित कुमार अग्रवाल, अरूण सिंघानिया, अशोक सरावगी, रंजीत बुबना, अक्षय सिंह, संरक्षक पुर्व एमएलसी मोहनलाल अग्रवाल, अध्यक्ष ललित बुबना, उपाध्यक्ष राजेश कुमार, मनोज सिंह, सचिव रंजीत कुमार मंडल, लेघु सिंह, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, उपकोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गयी है। जिला स्तरीय इस सत्संग में अत्यधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए सालमारी पुलिस विशेष चौकसी बरत रही है। कमेटी की ओर से पंडाल, बिजली पानी सहित अन्य सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा (कटिहार)। प्रखंड के क्षेत्र के भटवाड़ा पंचायत के नारायणपुर गाँव से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ बिजली की चपेट में आने से डेट मुर्मू के पुत्र सुरेश मुर्मू (23) की मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि सुरेश मुर्मू अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त था। तभी वह अचानक अनजाने में बिजली के प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया।

जब तक लोग कुछ समझ पाते और उसे बचाने का प्रयास करते तब तक बिजली के जोरदार झटके लग चुका था। ग्रामीणों के सहयोग से घायल

व्यक्ति को कोढ़ा के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया । सुरेश की मौत की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई। 23 साल के जवान बेटे को खोने के बाद पिता डेट मुर्मू और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि सुरेश एक मिलनसार युवक था और अपने परिवार का सहारा था।

हर्षोल्लास व परम्परागत तरीके से मनी होली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण। असत्य पर सत्य व बुराई पर अच्छाई की विजयी का प्रतीक पर्व होली जिले भर मे परम्परागत हर्ष व उल्लास के साथ मनायी गयी। समाज के हर वर्ग के लोगों ने आपसी भेदभाव, छोटे बडों का भेद,रंज, वैरभाव भुलाकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। जगह जगह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अग्रसेन भवन मनिहारी में उत्साही युवाओं की टोली ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया। जहां पहुंचकर समाज के लोगों ने अबीर गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं।

रंगों के पर्व होली की उमंग उल्लास में खलल न पडे इसको

लेकर प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारी की गयी थी। डीएसपी बिनोद कुमार, पुलिस निरीक्षक पप्पु कुमार, थानध्यक्ष पंकज आनंद पुलिस बल के साथ भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजदीक से नजर रख रहे थे। जगह जगह होली के रंग मे रंगे युवाओं की टोली उल्लास व उमंग में थिरकते नजर आये। प्रखंड प्रमुख अनिता देवी व जदयू के प्रखंड अध्यक्ष मंजय साह के आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। राज्य एसटी आयोग के सदस्य तल्लू बासकी ने भी अपने मित्रों के साथ रंग गुलाल के साथ होली खेली। प्रदेश वासियों की होली की बधाई दी।

भाईचारे के साथ मना रंगों का पर्व होली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रंगों का पर्व होली बुधवार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। ह्यबुरा न मानो होली हैह्व के अंदाज में हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को रंग और अबीर-गुलाल लगाकर भाईचारे के साथ त्योहार मनाया। लोग एक-दूसरे के घर जाकर लजीज पकवानों का आनंद लेते नजर आए। मुख्य पार्षद बबलू मंडलपार्षद चंद्रदीप पासवान, संजीव साह, जानकी यादव,बंटी सिंह,आनंद कुमार पासवान आदि लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

वहीं बच्चे सुबह से ही रंग पिचकारी लेकर घरों से निकल

गए और अपने हमउम्र साथियों के साथ होली के आनंद में मशगूल हो गए।युवाओं की भी अपनी अलग महफिल सजी हुई थी।यही नजारा मोहल्ले के हर गली,चौक और चौराहे पर देखने को मिला।प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस अधिकारियों व सैफ जवानों की तैनाती की गई थी।

होली के उल्लास में दिव्यांगों और जिला पदाधिकारी का अनूठा मिलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । होली के पावन पर्व पर सौहार्द और समावेशी समाज की एक खूबसूरत झलक जिला पदाधिकारी कटिहार के आवास पर देखने को मिली। कोशी,क्षेत्रीय, विकलांग, विधवा,वृद्ध, कल्याण, समिति और कटिहार दिव्यांग महापरिवार के सदस्यों ने डीएम से मुलाकात कर उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं।यह मुलाकात बिहार राज्य सलाहकार बोर्ड के सदस्य शिव शंकर रमानी की अगुवाई में हुई। इस अवसर पर दिव्यांग समाज के प्रतिनिधियों ने जिला मजिस्ट्रेट के साथ अपने अनुभव साझा किए और फूलों व शुभकामनाओं के साथ होली की खुशियां बांटीं।

जिला मजिस्ट्रेट ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर

चलने की प्रतिबद्धता दोहराई। समिति के सदस्यों ने इस मुलाकात को एक "सुखद अवसर" बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में दिव्यांगों के प्रति सम्मान और अपनत्व की भावना बढ़ती है। मुलाकात के दौरान जिला मजिस्ट्रेट कटिहार ने कोशी क्षेत्रीय विकलांग विधवा वृद्ध कल्याण समिति कटिहार द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की जमकर प्रशंसा की। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े दिव्यांगजनों के लिए जिस समर्पण के साथ इस संस्था कार्य कर रही है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह संस्था न केवल दिव्यांगों को संबल प्रदान कर रहा है, बल्कि उनके सशक्तिकरण की दिशा में एक मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा "होली केवल रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का अवसर है। इस अवसर पर बिहार राज्य सलाहकार बोर्ड, सदस्य, शिव शंकर रमानी ने कहा जिला प्रशासन के सहयोग से सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिव्यांगता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक अलग तरह की क्षमता है।उन्होंने सभी दिव्यांगों को एक परिवार की तरह एकजुट रहने की प्रेरणा दी। जिला प्रशासन के साथ यह मुलाकात दिव्यांग समाज के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा लेकर आई है। इस सुखद मिलन के दौरान कई गणमान्य सदस्य और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, सरदार अमर सिंहः अनुमंडल सचिव बारसोई संस्था विजय कुमार चंद्रवंशीः मीडिया प्रभारी लेलू मंडल, राजीव कुमार, जूली शर्मा, डेजी सिंह, लोको जमाल, विनोद रविदास, रवि कुमार और शमशेर आलम जिनमें मुख्य रूप से शामिल रहे।

शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है

एक ही दिन में 4675 चढ़ गया यह शेयर, कंपनी ने तमिलनाडु सरकार के साथ की है डील

नईदिल्ली, एजेंसी। टायर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एमआरएफ लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 3.4 पर्सेंट यानी 4,675.15 रुपये चढ़कर 139642.85 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। टायर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एमआरएफ लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 3.4 पर्सेंट यानी 4,675.15 रुपये चढ़कर 139642.85 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने तमिलनाडु सरकार के साथ एक डील साइन की है। एमआरएफ लिमिटेड ने बुधवार को तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत कंपनी राज्य में टायर निर्माण की एक नयी इकाई स्थापित करने के लिए अगले 12 वर्षों में 5,300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। राज्य सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह संयंत्र शिवगंगा जिले के सिपकॉट औद्योगिक पार्क में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से लगभग 1,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की उपस्थिति में निवेश संबंधी दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि कंपनी ने वाहन टायर और संबंधित उत्पादों के निर्माण के लिए एक नया संयंत्र स्थापित करने हेतु तमिलनाडु सरकार की नोडल एजेंसी गाइडेंस के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

एक पर 4 फ्री शेयर, तीसरी बार बोनस शेयर बांटने जा रही कंडोम कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कंडोम बनाने वाली कंपनी क्यूपिड लिमिटेड 4ः1 के रेशियो में बोनस शेयर देने जा रही है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 4 फ्री शेयर देगी। एक साल में क्यूपिड लिमिटेड के शेयर 525त्न से अधिक उछल गए हैं। कंपनी तीसरी बार बोनस शेयर दे रही है। पुरुषों और महिलाओं के लिए कंडोम बनाने वाली कंपनी क्यूपिड लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। क्यूपिड लिमिटेड के शेयर गुरुवार को क्वस्श्व में 7 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 409 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने जा रही है। क्यूपिड लिमिटेड अपने निवेशकों को दनादन तीसरी बार बोनस शेयर बांट रही है। कंपनी इस बार 4ः1 के रेशियो में बोनस शेयर देने जा रही है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 4 फ्री शेयर देगी। पिछले एक साल में क्यूपिड लिमिटेड के शेयर 525 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंडोम के अलावा, क्यूपिड लिमिटेड वाटर बेस्ड ल्यूब्रिकेंट जेली, आईवीडी प्रॉडक्ट्स, हेयर ऑयल बनाती है। क्यूपिड लिमिटेड ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट सोमवार 9 मार्च 2026 फिक्स की है। मल्टीबैगर कंपनी इससे पहले अप्रैल 2024 में 1ः1 के रेशियो में बोनस शेयर दे चुकी है। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। क्यूपिड लिमिटेड ने अक्टूबर 2018 में 1ः5 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 5 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। क्यूपिड लिमिटेड अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने अप्रैल 2024 में अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा था। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा। क्यूपिड लिमिटेड के शेयर पिछले एक साल में 525 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 5 मार्च 2025 को 64.66 रुपये पर थे। क्यूपिड लिमिटेड के शेयर 5 मार्च 2026 को 409 रुपये पर जा पहुंचे हैं। अगर पिछले 6 महीने की बात करें तो क्यूपिड लिमिटेड के शेयरों में 130 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 175.50 रुपये से उछलकर 400 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 527.40 रुपये है। वहीं, क्यूपिड लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 50 रुपये है। कंडोम बनाने वाली कंपनी क्यूपिड लिमिटेड के शेयर पिछले 5 साल में 1800 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। क्यूपिड लिमिटेड के शेयर 5 मार्च 2021 को 21.18 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 5 मार्च 2026 को 409 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 1475 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। दो साल में कंपनी के शेयरों में 63 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। दिसंबर 2025 तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक, कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 45.55 पर्सेंट है।

चीन से आई खबर ने बढ़ाई हलचल

रिलायंस समेत रिफाइनरी कंपनियों के शेयरों में तेजी

शेयरों में तेजी ला दी है, जिससे बाजार में हलचल मची है, बाजार पर क्या होगा असर?

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन की राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग ने रिफाइनरी कंपनियों को डीजल और पेट्रोल के निर्यात को अस्थायी रूप से रोकने का निर्देश दिया है। इस खबर ने रिलायंस और अन्य रिफाइनरी कंपनियों के शेयरों में तेजी ला दी है, जिससे बाजार में हलचल मची है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, एमआरपीएल और अन्य रिफाइनरी कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को 5 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। यह उछाल इस खबर के बाद आया कि चीन डीजल और पेट्रोल के निर्यात को रोकने की योजना बना रहा है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमत में करीब 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयरों में 5.4 प्रतिशत और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स के स्टॉक में 5.72 प्रतिशत का उछाल आया।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयरों में 2.87 प्रतिशत, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के शेयर में 2.37 प्रतिशत और भारत प ेट्र ोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के शेयर में 1.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

क्यों लिया गया यह फैसला?

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन सरकार ने देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनियों को डीजल और पेट्रोल का निर्यात रोकने का निर्देश दिया है। मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक क्षेत्रों में से एक से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो रही है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है।

रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चीन की शीर्ष आर्थिक योजना संस्था, राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग के अधिकारियों ने रिफाइनरी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की और मौखिक रूप से उन्हें तुरंत प्रभाव से रिफाइंड फ्यूल का निर्यात अस्थायी रूप से रोकने का निर्देश दिया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि रिफाइनरी कंपनियों को नए एक्सपोर्ट कांट्रैक्ट पर हस्ताक्षर रोकने और पहले से तय शिपमेंट को रद्द करने की बातचीत करने के लिए भी कहा गया है। हालांकि, यह रोक बॉन्डेड स्टोरेज में रखे जेट और बंकर ईंधन या हांगकांग और मकाऊ के लिए होने वाली आपूर्ति पर लागू नहीं होगी। पेट्रोचाइना, सिनोपेक, सीएनओओसी, सिनोकेम ग्रुप और निजी रिफाइनरी झेजियांग पेट्रोकेमिकल जैसी प्रमुख चीनी रिफाइनरी कंपनियों को सरकार से नियमित रूप से ईंधन निर्यात कोटा मिलता है। विश्लेषकों का मानना है कि एशिया में परिष्कृत उत्पादों की आपूर्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से एक, चीन के ईंधन निर्यात में कमी से क्षेत्रीय बाजार में और कसावट आ सकती है और रिफाइनिंग मार्जिन बढ़ सकता है। एलएसईजी के मूल्य निर्धारण डेटा के अनुसार, गुरुवार को डीजल प्रोसेसिंग मार्जिन लगभग 49 डॉलर प्रति बैरल के तीन साल के उच्च स्तर के आसपास मंडरा रहा था, जबकि जेट ईंधन का मार्जिन 55 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहा था।

कतर ने रोका एलएनजी का उत्पादन, सप्लाई में कटौती, शहरी क्षेत्र में संकट की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कतर ने अपने ऊर्जा संयंत्रों पर हुए हमलों के बाद एलएनजी का उत्पादन रोक दिया है। इससे भारत को होने वाली आपूर्ति प्रभावित हुई है और प्रमुख घरेलू क्षेत्रों के लिए ईंधन की उपलब्धता का संकट खड़ा हो गया है। भारत अपनी गैस आवश्यकताओं के एक बड़े हिस्से के लिए कतर के साथ दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंधों पर निर्भर है। कतर से खेप का आवागमन अस्थायी रूप से रुकने के कारण औद्योगिक उपभोक्ताओं और शहरी गैस वितरण कंपनियों की आपूर्ति में 40 प्रतिशत तक की कटौती देखी गई है। जहां कुछ औद्योगिक इकाइयां वैकल्पिक ईंधन का उपयोग कर सकती हैं, वहीं सीएनजी बेचने वाले शहरी गैस क्षेत्र ने गंभीर संकट की चेतावनी दी है। सीजीडी कंपनियों का कहना है कि कतर की सस्ती गैस के स्थान पर दोगुनी कीमत वाली स्पॉट एलएनजी खरीदने से सीएनजी का मूल्य लाभ समाप्त हो जाएगा, जिससे ग्राहक स्थायी रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख कर सकते हैं। भारत सालाना 2.7 करोड़ टन एलएनजी का आयात करता है, जिसमें से 40 प्रतिशत हिस्सा अकेले कतर से आता है। एलएनजी आयातक पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड कतर में अपने जहाज नहीं भेज पा रही है। इसका मुख्य कारण हॉर्मुज स्ट्रेट का लगभग बंद होना है। कतर सहित अधिकांश पश्चिम एशियाई देश इसी संकीर्ण समुद्री मार्ग से अपने तेल और गैस का निर्यात करते हैं। इसके अलावा ईरान के ड्रोन हमले में दुनिया के सबसे बड़े निर्यात केंद्र (कतर स्थित) को निशाना बनाए जाने के बाद वहां उत्पादन पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

सोना-चांदी भाव- गोल्ड-सिल्वर के रेट में बदलाव, खरीदें या गिरावट का करें इंतजार

अमेरिकी आंकड़ों पर रखें नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोना-चांदी भाव एमसीएक्स पर अप्रैल वायदा सोना 1,63,142 प्रति 10 ग्राम तक 1,600 या 1 प्रतिशत ऊपर पहुंच गया। वहीं, मई चांदी वायदा ?2,70,501 प्रति किलो पर लगभग 2 प्रतिशत चढ़ी। बुधवार को सोना 1,61,525 पर 0.30 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ था, जबकि चांदी ?2,65,560 पर लगभग स्थिर रही।

ंदी भाव- एमसीएक्स पर आज गुरुवार, 5 मार्च को सुबह सोना लगभग 1 प्रतिशत चढ़ गया। यह अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से हुआ। हालांकि, डॉलर की मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर कटौती की उम्मीद कमजोर होने से सोने की तेजी सीमित रही। एमसीएक्स पर अप्रैल वायदा सोना 1,63,142 प्रति 10 ग्राम तक 1,600 या 1 प्रतिशत ऊपर पहुंच गया। वहीं, मई चांदी वायदा ?2,70,501 प्रति किलो पर लगभग 2 प्रतिशत चढ़ी। बुधवार को सोना ?1,61,525 पर 0.30त्न ऊपर बंद हुआ था, जबकि चांदी ?2,65,560 पर लगभग स्थिर रही। डॉलर इंडेक्स 0.20त्न चढ़कर 98.98 पर पहुंच गया, जिससे अन्य मुद्राओं में डॉलर-आधारित सोना महंगा हो गया। इस हफ्ते डॉलर 1त्न से ज्यादा मजबूत हुआ है, क्योंकि

अमेरिका-ईरान युद्ध से कमोडिटी कीमतें बढ़ने और महंगाई का दबाव बढ़ने से फेड की दर कटौती में देरी की आशंका है। भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौरान सोना-चांदी जैसे कीमती धातु सुरक्षित निवेश बन जाते हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और तेल मार्गों पर चिंता बढ़ी है। डॉलर की कमजोरी ने भी कीमतों को सहारा दिया, क्योंकि कमजोर डॉलर से अन्य मुद्राओं वाले खरीदारों के लिए सोना सस्ता पड़ता है। युद्ध से तेल कीमतें चढ़ने से महंगाई की आशंका बढ़ी है।पृथ्वीफिनमार्ट के मनोज कुमार जैन का कहना है कि इस हफ्ते सोना-चांदी में उतार-चढ़ाव रहेगा। सोने को 5,080 और 5,034 पर समर्थन मिल सकता है, जबकि प्रतिरोध 5,220 और 5,280 प्रति औंस पर। चांदी को 80.80 और 76.60 पर सपोर्ट तथा 86.40 और 90.00 पर प्रतिरोध दिखेगा।

बाजार अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखे हुए हैं। आज बेरोजगारी दावों का डेटा आएगा, जो श्रम बाजार की सेहत बताएगा। कल फरवरी का रोजगार रिपोर्ट महत्वपूर्ण होगा, जो फेड की नीति तय करेगा। मजबूत डेटा से डॉलर चढ़ेगा और सोना दबेगा, जबकि कमजोर आंकड़े सोने को बढ़ावा देंगे।

भारतीय मूल के अरबपति ने कहा- अभी और बढ़ेंगे गोल्ड के भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। जॉय अलुक्का के पास यूएई, भारत और अमेरिका में फैले लगभग 200 स्टोर हैं। इन स्टोर्स में करीब 16,000 किलो सोने का स्टॉक है, जिसमें जूलरी और बार शामिल हैं। जोयालुक्कास ग्रुप की शुरुआत 70 साल पहले केरल में एक छोटी सी दुकान से हुई थी और आज यह 12 देशों में फैली हुई है। भारतीय मूल के अरबपति और जोयालुक्कास ग्रुप के संस्थापक जॉय अलुक्का का मानना है कि आने वाले वर्षों में सोने की कीमतों में और तेजी देखने को मिलेगी। उनका कहना है कि दुनिया भर में बढ़ रहे भू-राजनीतिक और आर्थिक जोखिम इसकी सबसे बड़ी वजह हैं। ईरान पर अमेरिकी हमले और दुबई में ड्रोन हमलों जैसी घटनाओं ने इस ट्रेंड को और मजबूत किया है। दुबई में ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में अलुक्का ने कहा, जब भी दुनिया में तनाव बढ़ता है, लोग सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की ओर भागते हैं।

भारत में गैस संकट के बादल- खाड़ी संकट के चलते फोर्स मेज्योर

नईदिल्ली, एजेंसी। पेट्रोनेट ने अपने एलएनजी टैंकरों दिशा, राही और असीम के लिए कतर एनर्जी को फोर्स मेज्योर नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही पेट्रोनेट ने अपने ग्राहकों गेल (इंडिया), इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम को भी फोर्स मेज्योर की सूचना दी है। पेट्रोनेट एलएनजी के बाद अब भारतीय गैस वितरण कंपनी गुजरात गैस लिमिटेड ने भी फोर्स मेज्योर लागू करने की घोषणा की है। कंपनी ने बुधवार को घोषणा की कि वह अपने आपूर्ति अनुबंधों में फोर्स मेज्योर लागू करेगी, क्योंकि आरएलएनजी की उपलब्धता ÷गंभीर रूप से सीमित÷ हो गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि वह 6 मार्च से गैस की मात्रा में प्रतिबंध लगाएगी। सोमवार को, एक ईरानी ड्रोन हमले

बाजार और उद्योग पर क्या पड़ा असर

के बाद कतर ने अपने प्रमुख रास लफ्फान संयंत्र में परिचालन रोक दिया। यह संयंत्र दुनिया की

लगभग पांचवें हिस्से की तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति के लिए जिम्मेदार है। पिछले साल अपने कुल एलएनजी आयात का लगभग आधा हिस्सा कतर से प्राप्त करने वाला भारत इस व्यवधान की चपेट में विशेष रूप से आ गया है।

जनवरी की एक निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, गुजरात गैस भारत के छह राज्यों में ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है, जिनमें लगभग 4,430 औद्योगिक ग्राहक, 15,600 से अधिक वाणिज्यिक ग्राहक और 2.27 मिलियन घरेलू उपभोक्ता शामिल हैं। कंपनी ने अपने बयान में कहा, गुजरात गैस द्वारा लिए गए बीमा के तहत युद्ध जैसी घटनाएं कवर नहीं होती हैं। फोर्स मेजेयर का संभावित प्रभाव, जो वर्तमान में एक जारी घटना है, का इस समय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। भारत की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने अपने सप्लॉयर कतर एनर्जी और घरेलू खरीदारों को फोर्स मेज्योर की सूचना जारी कर दी है। इसकी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के कारण कंपनी के जहाजों का रास लफ्फान के लोडिंग पोर्ट तक न पहुंच पाना है। अमेरिका-ईरान संघर्ष ने इस क्षेत्र में ईंधन की खेप को बाधित कर दिया है।

अगर कोई काम किसी समझौते के अनुसार होना था, लेकिन प्राकृतिक आपदा या बड़ी अप्रत्याशित घटना की वजह से वह काम नहीं हो पाया, तो उसे कहा जाता है। बता दें ईरान और ओमान के बीच स्थित हॉर्मुज स्ट्रेट, जहां से होकर वैश्विक स्तर पर खपत होने वाले तेल का लगभग एक-पांचवां हिस्सा और बड़ी मात्रा में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का ट्रांसपोटेशन होता है, वहां से गुजरना लगभग ठप हो गया है। इस क्षेत्र में कुछ जहाजों के हिट होने की घटनाओं के बाद यह स्थिति बनी है। कंपनी ने मंगलवार रात जारी नोटिस में कहा कि सुरक्षा स्थिति और समुद्री नेविगेशन के लिए पैदा हुए गंभीर खतरों को देखते हुए, पेट्रोनेट ने अपने एलएनजी टैंकरों दिशा, राही और असीम के लिए कतर एनर्जी को फोर्स मेज्योर नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही पेट्रोनेट ने अपने ग्राहकों गेल (इंडिया), इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम को भी फोर्स मेज्योर की सूचना दी है। पेट्रोनेट के अनुसार, कतरएनर्जी ने भी उसे क्षेत्र में व्याप्त शत्रुता के कारण फोर्स मेज्योर की संभावित घटना÷ की सूचना दी है। बुधवार को बीएसई पर पेट्रोनेट के शेयर 9.3 प्रतिशत गिरकर 281 रुपये पर बंद हुए। कारोबार के दौरान यह 11.7त्न तक लुढ़ककर 273 रुपये तक चला गया था। भारतीय गैस सप्लॉयर गेल और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन पहले ही फर्टिलाइजर्स प्लांट्स सहित उद्योगों को गैस आपूर्ति में कटौती कर चुके हैं।

पेंट कंपनियों की होली हुई बेरंग! बाजार खुलते ही आज फिर औंधे मुंह गिरे स्टॉक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर में होली का उत्सव मनाया जा रहा है, लेकिन शेयर बाजार में पेंट सेक्टर के लिए माहौल उत्साहजनक नहीं है। त्योहार के दिन बाजार खुला जरूर है, मगर निवेशकों ने पेंट कंपनियों से दूरी बना रखी है। पिछले कारोबारी सत्र में आई तेज गिरावट के बाद 4... देशभर में होली का उत्सव मनाया जा रहा है, लेकिन शेयर बाजार में पेंट सेक्टर के लिए माहौल उत्साहजनक नहीं है। त्योहार के दिन बाजार खुला जरूर है, मगर निवेशकों ने पेंट कंपनियों से दूरी बना रखी है। पिछले कारोबारी सत्र में आई तेज गिरावट के बाद 4 मार्च को भी इस सेक्टर में दबाव बना हुआ है।

दिग्गज कंपनियों के शेयर लाल निशान में

बाजार खुलने के साथ ही पेंट कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। एशियन पेंट का शेयर शुरुआती कारोबार में करीब 2.5त्न टूटकर 2,250 रुपये के आसपास पहुंच गया,जबकि बर्गर पेंट के शेयरों में भी लगभग ढाई प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और भाव 430 रुपये के करीब रहे। वहीं इंडिगो पेंट में करीब 1.5त्न की कमजोरी देखी गई और शेयर 900 रुपये के आसपास कारोबार करते नजर आए। इससे पहले 2 मार्च के कारोबारी दिन भी इन कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, जिसके बाद से निवेशकों का रुख सतर्क बना हुआ है।

पेंट उद्योग काफी हद तक पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल पर निर्भर करता है। ऐसे में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियों की लागत पर सीधा असर पड़ता है। हालिया घटनाक्रम में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेज उछाल आया है और यह 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और अहम समुद्री मार्गों पर खतरे की आशंका से तेल आपूर्ति प्रभावित होने की चिंता बढ़ गई है। विश्लेषकों का कहना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं, तो पेंट कंपनियों के मार्जिन पर दबाव आ सकता है। इसी आशंका के चलते निवेशक फिलहाल इन शेयरों में मुनाफावसूली कर रहे हैं। हाल के सत्रों में कुछ कंपनियों के शेयर कई महीनों के निचले स्तर तक पहुंच चुके हैं, जो बाजार में बनी अनिश्चितता को दर्शाता है।

जानें आने वाले दिनों में क्या रहेगा हाल?

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, पेंट सेक्टर की दिशा आने वाले दिनों में कच्चे तेल की चाल और वैश्विक हालात पर निर्भर करेगी। यदि तेल की कीमतों में स्थिरता आती है, तो शेयरों में सुधार की संभावना बन सकती है, अन्यथा दबाव जारी रह सकता है।

सिंगापुर की कंपनी ने बेंगलुरु में बेची 852 करोड़ की ऑफिस बिल्डिंग

बेंगलुरु, एजेंसी। सिंगापुर के इनवेस्टमेंट मैनेजर जेंडर (की तरफ से एक बड़ा डेवलपमेंट सामने आया है। बेंगलुरु के एम्बेसी गोल्फलिंक्स बिजनेस पार्क में एक ऑफिस बिल्डिंग है पाइनहर्स्ट। इस ऑफिस बिल्डिंग में जेंडर की भी भागीदारी थी। खबर आई है कि एम्बेसी गोल्फलिंक्स बिजनेस पार्क जेंडर ने एक्जिट कर लिया है। यह हिस्सेदारी को 852 करोड़ रुपये में बेची गई है। हमारी सहयोगी ईटी की एक खबर के मुताबिक बीते दिसंबर में ही इस ट्रांजेक्शन की घोषणा कर दी गई थी। अब, तीन मार्च 2026 को यह डील क्लोज हो गया है। यह डील भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा किसी थर्ड पार्टी से प्रॉपर्टी खरीदने का पहला उदाहरण है। सिंगापुर के जेंडर ने बेंगलुरु की इस प्रॉपर्टी को साल 2018 में खरीदा था। पाइनहर्स्ट की इस प्रॉपर्टी को लेने में उसे 340 करोड़ रुपये देने पड़े थे। अब इसके बेचने की डील 852 करोड़ रुपये में हुई है। मतलब कि करीब आठ साल की होल्डिंग अवधि के दौरान कंपनी को चार गुने से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। इस समय देश के महानगरों में ऑफिस स्पेस की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। तभी तो अपने पोर्टफोलियो में इसे प्रभावी तरीके से शामिल कर रहे हैं। इस समय भारत में बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर ऑफिस स्पेस का सबसे बड़ा बाजार बन कर उभरा है। इसे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स टेक्नोलॉजी कंपनियों और घरेलू कंपनियों की तरफ से निकली डिमांड ने भी सपोर्ट किया है।

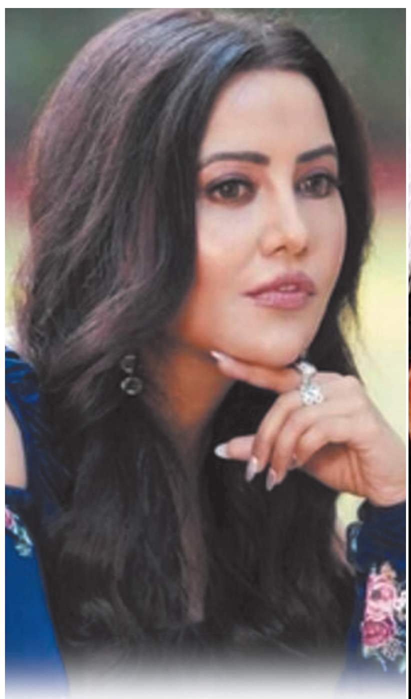

एक्टिंग में डेब्यू के सवाल पर क्या बोलीं अमृता फडणवीस?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस अपने नए भक्ति गीत 'शंभू रे' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिंगर के इस गीत को दर्शक काफी प्यार दे रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपने संगीत सफर के बारे में बताया है। साथ ही अभिनय क्षेत्र में कदम रखने के सवाल पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक्टिंग में आने के सवाल पर क्या बोलीं अमृता?

अमृता फडणवीस पूछा गया कि मनोरंजन जगत से काफी नजदीक से जुड़ी हैं, ऐसे में क्या उन्होंने कभी एक्टिंग करने के बारे में सोचा है? इस पर उन्होंने बताया, 'मुझे कई बार फिल्मों के ऑफर आते रहे हैं। लेकिन, हर बार मैंने इन ऑफर्स को विनम्रता के साथ मना किया है। मेरा मानना है कि हर इंसान का जीवन में एक रास्ता तय होता है और अभिनय मेरा रास्ता नहीं है। संगीत मेरा पहला और आखिरी प्यार है। यह वह कला है जो मुझे स्वाभाविक रूप से आती है और इसमें मैं खुद को पूरी तरह व्यक्त कर पाती हूं। मैं वही काम करना चाहती हूं, जिससे मैं पूरी ईमानदारी से जुड़ी रहूं और वह काम मेरे लिए संगीत ही है।'

सिंगर ने पैशन पर रखी राय

अपने पैशन के बारे में बात करते हुए अमृता ने कहा, 'संगीत मेरे लिए सांस लेने जैसा है। जिस तरह इंसान बिना सांस के नहीं रह सकता, उसी तरह मैं संगीत के बिना खुद को अधूरा महसूस करती हूं। चाहे देर रात हो या सुबह का सुकून भरा वक्त, जब भी समय मिलता है, मैं शास्त्रीय संगीत का अभ्यास करती हूं। सुरों की साधना और रियाज मेरी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है।'

कब रिलीज हुआ भक्ति गीत?

आपको बता दें कि अमृता फडणवीस का भक्ति गीत 'शंभू रे' 14 फरवरी को रिलीज हुआ। बेहद कम समय में दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस गाने को अब तक 9 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अमृता फडणवीस की आवाज में 'शंभू रे' का संगीत मोटी शर्मा ने तैयार किया है। गीत के बोल सृजन विनय वैष्णव ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन राजीव वालिया ने किया है।

सलमान खान की भांजी के साथ जमेगी सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी

साल 2023 में अलीजेह अग्निहोत्री ने इंडस्ट्री में कदम रखे। वे फिल्म 'फर्रे' में पहली बार नजर आईं। अब वे अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। सलमान खान की भांजी की जोड़ी इस बार पर्दे पर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जमने की खबर है। दोनों सितारे विकास बहल की आगामी फिल्म में नजर आएंगे, जो एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बताई जा रही है।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास बहल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अलीजेह और सिद्धांत को साइन किया है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, 'फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी यानी पंजाब से भी जुड़े थे, लेकिन साथ ही वहां की विदेशी संस्कृति में भी रच-बस रहे थे'।

क्या होगी अलीजेह की भूमिका?

फिल्म में दर्शकों को 90 के दशक का लुक और डांस क्लबों का माहौल देखने को मिलेगा। साथ ही यह भी देखने को मिलेगा की पंजाबी म्यूजिक के दुनियाभर में लोकप्रिय होने के पीछे किस तरह का संघर्ष रहा है और जुनून रहा है। अलीजेह फिल्म में सिंगर के रोल में नजर आएंगी। बता दें कि अलीजेह, अलवीरा खान और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। इसी के साथ इस फिल्म को लेकर और अधिक जानकारी का इंतजार है।

कब शुरू हो सकती है शूटिंग?

इस फिल्म की शूटिंग इस साल की दूसरी छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। अगर यह फिल्म बनती है तो विकास बहल के साथ सिद्धांत की यह दूसरी फिल्म होगी। इससे पहले सिद्धांत ने निर्देशक की रोमांटिक कॉमेडी 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' में साथ काम किया है, जो इस साल जुलाई में रिलीज हो सकती है। इस बीच बात करें सिद्धांत के वर्क फ्रंट की तो वे अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें वे मृणाल ठाकुर के साथ नजर आए हैं। मगर, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर रही है।

'भागम भाग 2' में दो हिरोइनों के साथ इश्क लड़ाएंगे अक्षय कुमार?

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए अक्षय कमुार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी सोलह साल बाद लौट रही है। इसके अलाव अक्षय की पाइपलाइन में 'भागम भाग 2' भी है। इसकी कास्टिंग को लेकर भी लगातार नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब ऐसी खबरें हैं कि अक्षय 'भागम भाग 2' में दो अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते नजर आ सकते हैं।

इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करेंगे अक्षय

फिल्म की फीमेल कास्टिंग को लेकर वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है कि फिल्म में एक नहीं बल्कि दो अभिनेत्रियां हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय फिल्म में जिन दो अभिनेत्रियों के साथ नजर आएंगे, उनमें मीनाक्षी चौधरी और 'धुरंधर के 'शरारत' गाने से सुर्खियां बटोरने वाली आयशा खान के नाम शामिल हैं। फिल्म में तीनों के बीच रोमांटिक एंगल देखने को मिलेगा।

मनोज बाजपेयी के अपोजिट एक्ट्रेस का नहीं हुआ चयन

रिपोर्ट में आगे ये भी बताया गया है कि दोनों अभिनेत्रियां फिल्म की नई कहानी में अहम भूमिकाएं निभाने वाली हैं। 'भागम भाग 2' की कहानी गलत पहचान, कन्फ्यूजन और क्लासिक कॉमेडी-ऑफ-एरर्स से भरपूर होगी। हालांकि, अभी मनोज बाजपेयी के साथ एक्ट्रेस का चयन होना बाकी है।

गोविंदा की हुई फिल्म से छुट्टी

राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित 'भागम भाग 2' में अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी हुई है। हालांकि, गोविंदा इस बार फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी जगह मनोज बाजपेयी की फिल्म में नई एंट्री हुई है। इस बार फिल्म की कहानी एकदम नई और अलग होगी। हालांकि, मेकर्स मूल फिल्म की भावना को बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रियदर्शन ने किया था 'भागम भाग' का निर्देशन

साल 2006 में आई 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। यह एक पॉलिटिकल सटायर फिल्म थी, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल और गोविंदा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। इसके अलावा फिल्म में लारा दत्ता, राजपाल यादव, जैकी श्रॉफ, अरबाज खान, शक्ति कपूर, मनोज जोशी और असरानी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। 'भागम भाग' को बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक कॉमेडी फिल्मों में गिना जाता है। अब देखना ये है कि मेकर्स 'भागम भाग 2' में भी वो ही जादू बरकरार रख पाते हैं या नहीं।

सुनील शेट्टी ने बताया क्यों शाहरुख खान का स्टारडम सबसे अलग है?

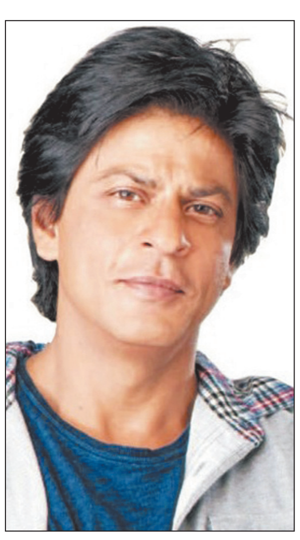

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार भी माना जाता है। शाहरुख की लोकप्रियता आज भी उतनी ही है। आज भी उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या है कि कोई और इंडियन स्टार शाहरुख जैसी लोकप्रियता और फैन फॉलोइंग हासिल नहीं कर पाया? इसको लेकर सुनील शेट्टी ने अपनी राय दी और बताया कि आखिर क्या है जो शाहरुख को बाकी कलाकारों से अलग बनाता है?

शाहरुख के पास संगीत और यश चोपड़ा थे

राज शमानी के एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी से पूछा गया कि शाहरुख खान जैसी स्टारडम कोई और अभिनेता क्यों नहीं हासिल कर पाया? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि क्योंकि उनके पास संगीत था। भारत में म्यूजिक का बहुत महत्व है। उनके साथ यश जी (यश चोपड़ा) थे और बेहतरीन गाने थे। अपने काम के प्रति उनकी लगन। लगातार खुद को नए रूप में ढालना, उनकी शालीनता। मानवीय दृष्टि से वे परिपूर्ण हैं। वो जो सम्मान देते हैं और जिसकी अपेक्षा करते हैं, जरूरत पड़ने पर वो हमेशा मौजूद रहते हैं। वो सोशल मीडिया के चक्कर में नहीं पड़ते। वो पोस्ट करने में विश्वास नहीं रखते। उनमें पुराने जमाने का वो आकर्षण है, जो पहले के कई सितारों में हुआ करता था।

सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते शाहरुख

सुनील शेट्टी ने आगे आजकल के एक्टर्स की सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता पर कहा कि इस पीढ़ी के बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। खबरें फैलानी जरूरी हैं। लेकिन ये लोग ऐसे नहीं हैं। रणबीर की तरह, शाहरुख का आकर्षण यही है कि वो सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते। वो वहीं होते हैं जहां उनका काम होता है। उनका काम बोलता है, बाकी आप कल्पना कर सकते हैं।

शाहरुख की 'किंग' का फैंस को है इंतजार

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत और अभिषेक बच्चन सरीखे कई अन्य स्टार्स भी दिखाई देंगे। यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी, अब वक्त बोलने का है!

बॉलीवुड की सबसे काबिल अदाकाराओं में से एक मोना सिंह के साल 2026 की शुरुआत शानदार रही है। वह 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'कोहरा 2' में नजर आ चुकी हैं। सीरीज में वह कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर रहीं हैं।

छोटे पर्दे की वो 'जस्सी', जो आज फिल्मों और ओटीटी की सबसे भरोसेमंद एक्ट्रेसेस में से एक है। साल की पहले दो महीने में ही 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज 'कोहरा 2' में पुलिस ऑफिसर धनवंत कौर के कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर चुकी हैं। अब जल्द ही उनकी फिल्म 'सूबेदार' भी ओटीटी पर आने वाली है। मोना अपने करियर के इस दौर को सबसे बेहतरीन मानती हैं। वह कहती हैं, 'बहुत अच्छा लग रहा है कि दो-तीन साल जो इतनी मेहनत की है, उसका फल अब सामने आ रहा है।'

मोना की हालिया वेब सीरीज 'कोहरा 2' की नायिका धनवंत, निजी जिंदगी के झंझावातों से जूझते हुए भी शिद्दत से ड्यूटी निभाती है, फिर भी जरा सी चूक पर उसकी प्रतिभा पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। क्या मोना कभी खुद को साबित करने के ऐसे अनुभव से गुजरी हैं? इस पर वह कहती हैं, 'यह कहानी हम सभी औरतों की है। हमें हर कदम पर बताया जाता है कि ये मत करो। इधर मत जाओ। ये मत पहनो। इतना मत हंसों। इससे शादी करो, उससे मत करो। यहां काम करो, यहां मत करो। हमें हमेशा बताया गया है, दबाया गया है पर अब वक्त खुलकर बोलने का है।'

हम औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी है

मोना आगे कहती हैं, 'शो में भी यही दिखाया गया है कि भले ही हम पंजाब में हैं, पुरुषसत्तात्मक समाज में हैं, पर कोई भी किरदार चुप नहीं है। सभी औरतें अपनी लड़ाई अपने तरीके से लड़ रही हैं, जो बहुत ही इंस्पायरिंग है कि अपने लिए खुद खड़े रहो। डटे रहो। आपको बचाने कोई नहीं आ रहा है। ये आपकी लड़ाई है तो लड़ते रहो। जिंदगी एक ही है और छोटी है तो अच्छे से खुलकर जियो। बिना किसी को कोई जवाब दिए। मैं इसी फंडे में यकीन करती हूं कि एक ही जिंदगी है, अच्छे से जी लो। मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है। हर चीज से मैंने सीखा है। जैसे, धनवंत से हमेशा ये सवाल पूछा जाता है कि घर पर सब ठीक है, लेकिन यही सवाल किसी मेल ऑफिसर से नहीं पूछा जाएगा, क्योंकि औरत के घर पर अगर सब ठीक नहीं होगा तो वह शायद केस ठीक से सॉल्व नहीं कर पाएगी। ऐसी सीनियर्स की सोच होती है तो खुद को साबित करना हर औरत की लड़ाई है, पर मुझे खुशी है कि हम सब ये लड़ाई लड़ रहे हैं।'

हीरो के बराबर हों फीमेल सेंट्रिक फिल्में

इधर, ओटीटी पर बॉलीवुड के कई पुराने स्टीरियोटाइप टूटे हैं। उन्हीं में से एक है, शेफाली शाह, मोना सिंह, सांक्षी तंवर जैसी उम्र का एक पड़ाव पार कर चुकीं दमदार एक्ट्रेसेस को मुख्य भूमिका में लेकर शो बनाना। क्या फिल्मों में भी यह बदलाव संभव है? इस पर मोना का कहना है, 'असल में हमारा भारतीय सिनेमा इतना पुराना है कि हमारे पास इतने रेफरेंस और डेटा बेस है कि ये चलता है, ये नहीं चलता है। इसलिए, फिल्मों में एक सेट फॉर्मेट होता है। जैसे, वहां वुमन सेंट्रिक कहानियां ही बहुत कम हैं। साल में एक या दो फिल्में सेंट्रिक होती हैं। वे न चले तो बोल देते हैं कि ऐसी फिल्में चलती नहीं, मगर आप ज्यादा वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाइए ना या कम से कम हीरो वाली फिल्मों के बराबर बनाइए। दोनों को बराबर मौके दीजिए, कैमरे के आगे और पीछे भी, तभी बदलाव आएगा। जबकि, ओटीटी हम सबके लिए बहुत नया है। यहां हम सबको मौका मिलता है एक्सप्लोर करने के लिए, प्रयोग करने के लिए तो मैं बहुत खुश हूं कि यह समय देख रही हूं, वरना तो ये संभव ही नहीं था।'

परिवार जैसे बन चुके हैं आमिर खान सर

मोना सिंह हाल ही में आमिर खान के बैनर की फिल्म 'हैपी पटेल' में नजर आईं। इससे पहले उनकी 'लाल सिंह चड्ढा' में भी अहम भूमिका थी। आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर उन्होंने कहा, '3 इडियट्स में 'ऑल इज वेल-ऑल इज वेल' कहकर उन्होंने मेरी डिलिवरी करवा दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' में वो मेरे बेटे बन गए, मैं उनकी मम्मी बन गई। वहीं, 'हैपी पटेल' में वो मेरे पापा बन गए, तो हमारा रिश्ता सिर्फ मजबूत हुआ है। हमें एक दूसरे के लिए बहुत इज्जत है। मेरे लिए आमिर सर परिवार हैं। यह रिश्ता बहुत खास है। मैं इसे बहुत अहमियत देती हूं।'

मेरा सपना था आमिर खान जैसे एक्टर संग काम करना

आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए मोना आगे कहती हैं, 'मेरा सपना था कि मैं आमिर खान जैसे एक्टर के साथ काम करूं, क्योंकि वह बहुत कमाल के एक्टर हैं और मेरा वो सपना एक बार नहीं, 3 बार पूरा हुआ। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं।'

अर्जुन तेंदुलकर ने बिजनेसमैन की पोती के साथ फेरे लिए

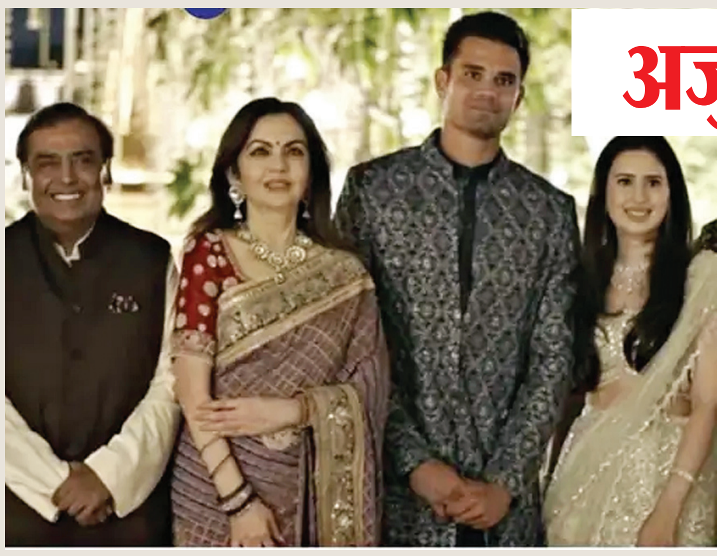

● शादी में धोनी-अमिताभ अन्य सितारे पहुंचे ● मुकेश अंबानी-जय शाह भी शामिल हुए

मुंबई (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक के साथ मुंबई में शादी हुई। शादी समारोह में अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ पहुंचे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी पत्नी साक्षी के साथ आए। वहीं, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले के साथ क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे, सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी मौजूद रहे। शादी के फंक्शन 3 मार्च से ही चल रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन 27 फरवरी को गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर में हुए थे।

दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन

सारा की करीबी दोस्त भी हैं।बॉलीवुड के बिग बी अमिताभ बच्चन पत्नी जया के साथ शादी में पहुंचे हैं।रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, पत्नी नीता ,बेटे आकाश अंबानी और उनकी पत्नी श्लोका अंबानी शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे हैं।महेंद्र सिंह धोनी पत्नी साक्षी के साथ शादी समारोह में पहुंचे।पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह पत्नी के साथ शादी में पहुंचे हैं।क्रिकेटर सुरेश रैना पत्नी के साथ शादी में पहुंचे हैं।इरफान पठान पत्नी के साथ शादी में पहुंचे हैं।

ईपीएल- न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों से मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया

पेड्रो की हैट्रिक से चेल्सी जीती, आर्सनल 20वीं जीत से टॉप पर कायम

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में गुरुवार रात बड़े उलटफेर देखने को मिले। न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को हरा दिया। जोआओ पेड्रो की हैट्रिक से चेल्सी ने एस्टन विला को 4-1 से हराया। आर्सनल ने टूर्नामेंट में 20वीं जीत से नंबर-1 पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वहीं नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 10 बार की चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को ड्रॉ पर रोक दिया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की छठी हार

न्यूकैसल के सेंट जेम्स पार्क में बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। फर्स्ट हाफ के इंजरी टाइम में जैकब रेम्सी 2 यलो कार्ड मिलने के कारण मैच से बाहर हो गए। 10 प्लेयर्स के बावजूद टीम ने 2-1 से मैच जीता और पॉइंट्स टेबल में 12वां स्थान हासिल कर लिया। इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड तीसरे नंबर पर ही मौजूद है। न्यूकैसल के एंथनी गॉर्डन ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। न्यूकैसल के विलियम ओसुला ने आखिरी मिनट में गोल किया और अपनी टीम को रोमांचक जीत दिला दी।

चेल्सी की एस्टन विला पर डोमिनेटिंग जीत

बर्मिंघम के विला पार्क में चौथे और पांचवें नंबर की टीम के बीच रोमांचक मुकाबले के उम्मीद थी, लेकिन चेल्सी ने 4-1 के अंतर से एकतरफा मैच जीत लिया।विला के डगलस लुइज ने मैच का पहला गोल दागा और अपनी टीम को आगे कर दिया।चेल्सी के जोआओ पेड्रो ने गोल किया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। जोआओ पेड्रो ने अपना दूसरा गोल किया और चेल्सी को 2-1 से आगे कर दिया। फर्स्ट हाफ के बाद एस्टन विला वापसी नहीं कर सकी।

रणजी चैंपियन जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मुलाकात की

● राज्य में क्रिकेट को बढ़ावा देने पर आभार जताया, बीसीसीआई ने फोटोज शेयर किए

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहला रणजी ट्रॉफी जीता है। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों ने आईसीसी के चैयरमैन जय शाह से मुलाकात की। बीसीसीआई ने गुरुवार को फोटोज शेयर किए हैं। खिलाड़ियों ने जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट को मजबूत बनाने में उनके योगदान के लिए जय शाह को धन्यवाद दिया।रणजी ट्रॉफी का पहला खिताब जीतने के बाद जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई।

जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई- बीसीसीआई ने एक्स पर बताया कि रणजी ट्रॉफी का पहला खिताब जीतने के बाद जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई। खिलाड़ियों ने कहा कि बीसीसीआई के सचिव रहते हुए जय शाह की लीडरशिप ने राज्य में क्रिकेट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। बीसीसीआई ने अपने पोस्ट में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत की तारीफ की और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए जय शाह का धन्यवाद किया। जम्मू-कश्मीर ने 67 साल का बाद 2025-26 सीजन में अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीता।

रेणुका सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से बाहर

वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दिया, काशवी गौतम को मौका, आज पर्थ में मुकाबला

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से पहले इंडिया विमेंस ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दे दिया। उनकी जगह ऑलरांडर काशवी गौतम को टीम में जगह मिली। काशवी वनडे सीरीज का भी हिस्सा थीं।

लगातार क्रिकेट खेल रही थीं रेणुका

मेडिकल टीम ने बीसीसीआई से कहा कि रेणुका लगातार क्रिकेट खेल रही हैं। विमेंस प्रीमियर लीग के बाद उन्होंने टीम के लिए सभी मैच खेले। फिटनेस और टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए उन्हें टेस्ट से आराम दे देना चाहिए। बीसीसीआई ने कहा, पर्थ के वाका में होने वाले पिंक-बॉल टेस्ट के लिए रेणुका उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनके वर्कलोड को बेहतर मैनेज करने के लिए यह फैसला लिया गया। मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखेगी।

रेणुका ने टी-20 और वनडे सीरीज में पूरे मैच खेले- इंडिया विमेंस फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में मल्टी फॉर्मेट सीरीज खेलने के लिए गई हैं। रेणुका ने 3 टी-20 में 4 विकेट लिए, वहीं 3 वनडे में वे 2 विकेट ही अपने नाम कर सकीं।

सीरीज में 8-4 से आगे ऑस्ट्रेलिया- भारत ने टी-20 सीरीज 2-1 से जीती। वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती। ऑस्ट्रेलिया में विमेंस क्रिकेट सीरीज में हर मैच के अलग-अलग पॉइंट्स होते हैं। व्हाइट बॉल मैच जीतने पर 2 पॉइंट्स मिलते हैं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया के 8 और भारत के पास 4 पॉइंट्स हैं। अगर भारत ने टेस्ट जीत लिया तो दोनों के 8-8 पॉइंट्स हो जाएंगे और सीरीज ड्रॉ रहेगी। टेस्ट ड्रॉ होने पर दोनों टीमों को 2-2 पॉइंट्स मिलेंगे, ऐसे में ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास चली जाएगी।

इंडिया विमेंस की अपडेटेड टेस्ट टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, प्रतिका रावल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर),

अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली साटघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, काशवी गौतम और वैष्णवी शर्मा।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश को ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने हराया

● प्राग चेस फेस्टिवल में आखिरी नंबर पर पहुंचे; 19 रेटिंग पॉइंट्स भी कटे

नईदिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद लाइव चेस रैंकिंग में गुकेश 20वें स्थान पर पहुंच गए। वे टूर्नामेंट में आखिरी नंबर पर चल रहे हैं।

गुकेश 6 राउंड के बाद 3 गेम हारे- दिसंबर 2024 में वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद गुकेश पर लगातार दबाव बना हुआ है। प्राग में चल रहे इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन अब तक खास नहीं रहा। टूर्नामेंट में 6 राउंड के बाद वे 3 मुकाबले हार चुके हैं, जबकि बाकी 3 मैच ड्रॉ रहे। खराब प्रदर्शन के कारण उनके 19 रेटिंग पॉइंट्स भी कम हो गए। समय कम होने के कारण तेजी से चाल चलनी पड़ी

मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मैच के आखिरी फेज में गुकेश से बड़ी गलती हो गई। समय कम होने के कारण उन्हें 35वीं से 40वीं चाल तक तेजी मूव करना पड़ा।

गुकेश ड्रॉ करा सकते थे मुकाबला

मैच के बाद अरविंद चिदंबरम ने बताया कि 37वीं चाल में 'एफ4' खेलना गुकेश के लिए भारी साबित हुआ। इस चाल से उनके नाइट (घोड़े) को एफ3 और एफ2 जैसी जगहों तक पहुंचने का मौका मिला। अगर उस समय गुकेश रूक (हाथी) डी2 चलते तो मुकाबला ड्रॉ की ओर जा सकता था।

हरियाणा का आयरन मैन अर्जेंटीना में लड़ेगा बड़ी फाइट

● 26 साल छोटे फ्रेंच फाइटर को चुनौती देंगे संग्राम सिंह, 5 अप्रैल को मुकाबला

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा के दिग्गज एमएमए फाइटर संग्राम सिंह एक बार फिर इतिहास रचने की दहलीज पर खड़े हैं। प्रोफेशनल रेसलिंग से मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) की दुनिया में कदम रखने वाले संग्राम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का झंडा बुलंद करने जा रहे हैं।

5 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स में आयोजित होने जा रहे समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) में संग्राम सिंह मुख्य मुकाबले में उतरेंगे। यह सिर्फ एक फाइट नहीं, बल्कि भारतीय एमएमए इतिहास का वह क्षण होगा जब पहली बार कोई भारतीय फाइटर अर्जेंटीना की धरती पर प्रतिस्पर्धा करेगा। संग्राम सिंह अपनी उम्र से 26 साल छोटे फ्रांस के उभरते हुए फाइटर माटेओ मोंटेइरो के साथ फाइट करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि इतनी ज्यादा उम्र में तेज-तर्रार युवक से संग्राम फाइट करेंगे। 5 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स में आयोजित होने जा रहे समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) में संग्राम सिंह मुख्य मुकाबले में उतरेंगे।

रोजाना 6 घंटे कर रहे प्रैक्टिस

संग्राम भारतीय और रशियन कोच की निगरानी में रोज 6 घंटे प्रैक्टिस कर रहे हैं। पिछले दिनों संग्राम सिंह पेरिस, थाईलैंड और बाली में ट्रेनिंग शेड्यूल पूरा करके आए थे। खास बात ये है कि हरियाणवी फाइटर शुद्ध शाकाहार पर निर्भर हैं। दूध-घी-चूरमा उनकी डाइट का अहम हिस्सा है। संग्राम सिंह दो बार एमएमए खिताब जीत चुके हैं। इंग्लैंड के पहली बार केज में उतरेंगे।

फाइट विनर को एक करोड़ इनाम

अर्जेंटीना में आयोजित इस फाइट को विनर को प्राइज में लगभग एक करोड़ रुपए मिलेंगे। साथ ही रैंक में सुधार होगा। फाइट के टिकट की कीमत 50 हजार रुपए तक है। उसके बाद टाइटल खेलने के लिए मौका मिलता है। टाइटल के दौरान करोड़ों रुपए मिलते हैं। संग्राम सिंह ने पिछली फाइट 2 नवंबर 2025 को नीदरलैंड में लड़ी और जीती।

फ्रेंच चैलेंजर माटेओ मोंटेइरो से मुकाबला

एसएफएच 28 के मुख्य मुकाबले में संग्राम सिंह का सामना फ्रांस के उभरते हुए फाइटर माटेओ मोंटेइरो से होगा। यह मुकाबला एशिया और यूरोप की प्रतिभा के बीच जोरदार टकराव माना जा रहा है। जहां संग्राम अपने अनुभव और रणनीतिक परिपक्वता के साथ उतरेंगे, वहीं मोंटेइरो युवा जोश और आक्रामकता के दम पर अपनी पहचान मजबूत करना चाहेंगे। खेल से जुड़े एक्सपर्ट कहते हैं कि संग्राम को इस मुकाबले में बेहद सधे हुए अंदाज में उतरना होगा, क्योंकि मामूली गलती भी इस तरह के फाइटर के सामने भारी पड़ सकती है। ये अनुभव बनाम आक्रामकता की टक्कर होगी।

जीतने के लिए जा रहा अर्जेंटीना- संग्राम- अपने तीसरे अंतरराष्ट्रीय एमएमए मुकाबले को लेकर दैनिक भास्कर एप से बातचीत में कहा रेसलिंग और एमएमए अलग दुनिया मानी जाती हैं, मुकाबले के लिए लगातार मेहनत की जा रही है, लेकिन अनुशासन, फिटनेस और योद्धा भावना हर मंच पर काम आती है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना में वह केवल हिस्सा लेने नहीं, बल्कि जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेंगे।

● बाबर और सईम बांग्लादेश सीरीज से बाहर, 6 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका

पाकिस्तान ने वर्ल्डकप हार का गुस्सा वनडे टीम पर उतारा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन का गुस्सा वनडे टीम पर उतारा। बुधवार को बांग्लादेश सीरीज के लिए टीम अनाउंस हुई। वर्ल्ड कप में बुरी तरह फ्लॉप रहे पूर्व कप्तान बाबर आजम और सईम अयूब को टीम से बाहर कर दिया। टीम में 6 अनकैप्ड प्लेयर्स और वर्ल्ड कप में टॉप स्कोरर रहे साहिबजादा फरहान को शामिल कर लिया। फरहान ने अक्टूबर 2024 से कोई घरेलू लिस्ट-ए मैच भी नहीं खेला है। वे अब तक पाकिस्तान के लिए वनडे डेब्यू भी नहीं कर सके।

- **शाहीन ही कप्तानी करेंगे-** तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ही पाकिस्तान की कप्तानी करेंगे। उन्हें पिछले साल ही मोहम्मद रिजवान के बाद कप्तान बनाया गया था। वर्ल्ड कप टीम से बाहर रहे विकेटकीपर रिजवान वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे। टी-20 कप्तान सलमान अली आगा, ऑलराउंडर फहीम अशरफ और लेग स्पिनर अबरार अहमद को भी टीम में जगह मिल गई।

- **बॉलिंग डिपार्टमेंट में अनुभव को मौका-** अबरार के अलावा बॉलिंग डिपार्टमेंट में मोहम्मद वसीम जूनियर और हारिस रऊफ शामिल किए गए। बैटिंग ऑलराउंडर हुसैन तलत के साथ चाइनामैन फैसल अकरम भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने 2024 में वनडे डेब्यू किया था।
- **अपने बेस्ट फॉर्मेट से बाहर हुए बाबर-अयूब-** सईम अयूब और बाबर आजम अपने करियर में सबसे ज्यादा मजबूत वनडे फॉर्मेट में ही नजर आए।

पिछले 13 मुकाबलों में अयूब ने 3 शतक और 2 फिफ्टी लगाई। 2024 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका में वनडे सीरीज जीत में अयूब ने अहम भूमिका निभाई थी। अयूब वर्ल्ड कप में जरूर फ्लॉप रहे, लेकिन उनकी स्पिन गेंदबाजी ने टीम को अहम विकेट दिलाए थे। बाबर भी वनडे में 20 शतक और 37 फिफ्टी लगा चुके हैं। उन्होंने किसी और फॉर्मेट में 10 सेंचुरी भी नहीं लगाई। उनके नाम 140 मुकाबलों में 6501 रन जरूर हैं, लेकिन 2025 से वे इस फॉर्मेट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

6 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका

वनडे सीरीज में कई प्लेयर्स को डेब्यू का मौका मिल सकता है। 28 साल के अब्दुल समद को जगह मिली, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में फिनिशर के रूप में पहचान बनाई। 21 साल के शामिल हुसैन और और 20 साल के माज सदाकत भी स्कॉड का हिस्सा हैं। 3 लिस्ट-ए मैच खेलने वाले 21 साल के शाद मसूद और गाजी घोरी भी टीम में शामिल किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा की लिस्ट जारी- महाराष्ट्र से विनोद तावड़े- रामदास अठावले उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को भाजपा ने 4 प्रत्याशियों के नाम

वाली दूसरी लिस्ट जारी की है। इसमें केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और माया चिंतामन इवनाते और रामराव वडकुते का नाम शामिल है। एक दिन पहले भाजपा ने राज्यसभा के लिए पार्टी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसमें 6 राज्यों से 9 नाम शामिल थे। अब 7 राज्यों से कुल 13 प्रत्याशियों के नाम का एलान हो चुका है। भाजपा द्वारा बुधवार को जारी लिस्ट के मुताबिक रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले राज्यसभा में एक और कार्यकाल के लिए तैयार हैं। जबकि भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े पहली बार राज्यसभा में जाएंगे।। रामराव वडकुटे और माया चिंतामण ईवनाटे के नाम भी उम्मीदवारों की लिस्ट में हैं। बता दें कि दस राज्यों की 37 राज्यसभा सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 16 मार्च को आयोजित किए जाने हैं। मतों की गिनती उसी दिन की जाएगी। ये सीट अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर खाली हो रहे हैं। वैसे राज्य जहां से राज्यसभा सीट खाली हो रही हैं, वे हैं, महाराष्ट्र (सात सीट), तमिलनाडु (छह), पश्चिम बंगाल और बिहार (पांच-पांच), ओडिशा (चार), असम (तीन), हरियाणा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ (दो-दो) तथा हिमाचल प्रदेश (एक)। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख पांच मार्च है।

दिल्ली के रिठाला में भीषण आग, 50 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रिठाला इलाके में गुरुवार तड़के झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आगजनी की इस घटना में 50 से अधिक झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। इस घटना में अभी तक किसी के घायल होने या किसी की मौत की खबर नहीं है। सूत्रों के अनुसार, आग लगने के बाद से एक लड़की लापता बताई जा रही है। सूचना मिलते ही दिल्ली फायर ब्रिगेड सर्विस ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। घनी आबादी वाली झुग्गियों में तेजी से फैल रही आग की लपटों पर काबू पाने के लिए लगभग 16 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में अभी तक किसी के घायल होने या किसी की मौत की खबर नहीं है। सूत्रों के अनुसार, आग लगने के बाद से एक लड़की लापता बताई जा रही है। तलाशी अभियान जारी है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। डीएफएस के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह लगभग 4:15 बजे मिली। एक दमकल अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग ने इलाके की कई झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इलाके में 50 से अधिक झुग्गियां थीं, जिनमें से कई आग में जलकर राख हो गईं। दमकलकर्मियों और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने बचाव अभियान चलाया और सुबह 6:30 बजे तक आग पर काबू पा लिया। दिल्ली फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में एक इमारत की चौथी मंजिल पर आग लगने के बाद दो जले हुए शव बरामद किए गए। बुधवार शाम 4:38 बजे आग लगने की सूचना मिली। इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित खिलौनों के गोदाम में आग लगी थी। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही 25 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इमारत में एक बेसमेंट और 4 ऊपरी मंजिलें हैं। अधिकारी ने बताया कि चौथी मंजिल पर एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जहां खिलौनों का गोदाम चल रहा था। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए कई घंटों तक मशक्कत की। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार तड़के करीब 3:20 बजे बुझाई गई, जिसके बाद गोदाम से दो जले हुए शव बरामद किए गए।

बनारस के घाटों से लेकर लद्दाख की वादियों तक चली पिचकारी

देशवासियों ने धूमधाम से मनाया रंगोत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। फाल्गुन पूर्णिमा पर रंगों का पर्व होली पूरे देश में हर्ष, उल्लास और आपसी सद्भाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना, गलियों में गुलाल और चौपालों पर गीत-संगीत की धूम रही। शहरों से लेकर गांवों तक लोग रंगों में सराबोर दिखे। कई स्थानों पर प्रशासन ने शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए, ताकि त्योहार सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। राष्ट्रीय राजधानी में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर होली की शुरुआत की। दिल्ली में युवाओं से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक होली का गजब उत्साह दिखा। पश्चिम विहार समेत विभिन्न इलाकों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने मौके पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों का उत्साह बढ़ाया। इस बार होली पर दिल्ली में शराब की दुकानें खुली रहीं। महिपालपुर सहित कई स्थानों पर दुकानों के बाहर भीड़ देखी गई। कुछ स्थानीय लोगों ने पुराने समय का हवाला देते हुए कहा कि पहले होली पर दुकानें बंद रहती थीं, जबकि इस बार व्यवस्था अलग रही। धर्मिक नगरी के घाटों पर देश-विदेश से आए लोगों ने रंगों के बीच नृत्य और संगीत का आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरा क्षेत्र उत्सव में डूबा रहा। वहीं में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में

युवाओं ने उत्साह के साथ रंग खेला। होली पर देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग अपने अलग अंदाज में रंगोत्सव मनाते दिखे। गुजरात के में लोगों ने एक-दूसरे पर सब्जियां फेंककर विशेष अंदाज में होली मनाई। तो वहीं राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय होली उत्सव के दौरान हजारों देशी-विदेशी पर्यटक रंगों में झूमते दिखे। विदेशी मेहमानों ने यहां के उत्सव को यादगार और सुरक्षित बताया। श्रद्धालुओं ने नृत्य, संगीत और गुलाल के साथ होली मनाई। वहीं मध्य प्रदेश के देवास में माली समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली, जबकि केंद्रीय कारागार में अधिकारियों ने बंदियों के साथ रंग खेलकर सौहार्द का संदेश दिया। देश के अलग-अलग राज्यों में लोगों के जश्न के बीच सीमाओं पर भी होली की धूम दिखी। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के चंदरकोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 84वीं बटालियन ने जवानों और उनके परिवारों के साथ उत्साहपूर्वक होली मनाई। वहीं लद्दाख के पैंगोंग झील क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ रंगों का त्योहार मनाकर एकता और उमंग का संदेश दिया।

पटना में जनशक्ति जनता दल के प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के साथ होली मनाई और भाईचारे का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में शांति की कामना करते हुए कहा कि होली के बाद उनकी पार्टी बिहार यात्रा शुरू करेगी। इस बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ रंग खेला। तो वहीं हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शिमला स्थित अपने आवास पर होली मनाई। रंगों का यह पर्व एक बार फिर देश की विविधता और एकता का प्रतीक बना। परंपरा, उत्साह और सुरक्षा के संतुलन के साथ होली 2026 ने आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।

पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी आवंटित की गई है

तमिलनाडु चुनाव से पहले फैसला, कांग्रेस और डीएमके में सीट बंटवारे पर मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (ष्ठरूद्ब) ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को सीट बंटवारे को अंतिम रूप देते हुए कांग्रेस को 28 सीट आवंटित की। इसके अलावा पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी आवंटित की गई है। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु में सत्ता के बंटवारे और सीटों की संख्या को लेकर पैदा हुए लंबे गतिरोध को देखते हुए वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के हस्तक्षेप के बाद सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस ने बुधवार रात राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए।

एक राज्यसभा सीट आवंटित की गई है। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। ऐसा भी माना जा रहा है कि डीएमके ने 2028 में एक राज्यसभा सीट देने का वादा किया है, हालांकि दोनों दलों द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि या घोषणा नहीं की गई है। राज्य विधानसभा से राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन की पूर्व संध्या पर पिछले दो दिनों में हुई गहन चर्चा के बाद इस समझौते को अंतिम रूप दिया गया। डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन और सेल्वापेरुन्थागाई के बीच हस्ताक्षरित समझौते के तहत कांग्रेस को 28 विधानसभा सीटें और एक राज्यसभा सीट मिली है। कांग्रेस किन निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेगी, इसकी पहचान अगले दौर की बातचीत में की जाएगी। दोनो दल राज्यसभा उम्मीदवारों का नामांकन गुरूवार को दाखिल करेंगे। सेल्वापेरुन्थागाई ने कहा

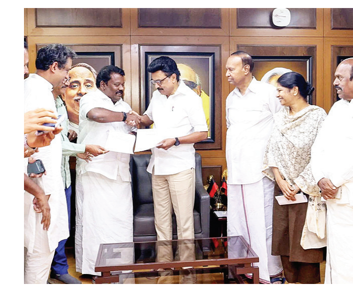

कि कांग्रेस जल्द ही राज्यसभा उम्मीदवार की घोषणा करेगी और पार्टी इस समझौते से पूरी तरह संतुष्ट एवं खुश है। कांग्रेस द्वारा 39 विधानसभा और दो राज्यसभा सीटों की मांग पर अड़े रहने के कारण संबंधों में तनाव आ गया था। हालांकि, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अनुरोध पर पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने हस्तक्षेप किया और मंगलवार को स्टालिन के साथ बातचीत की, जिसका मुख्य केंद्र बिंदु भारतीय जनता पार्टी (क्चछ्वक्क) को हराना था। इसके बाद डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अंततः 28 सीटें और एक राज्यसभा सीट देने पर सहमति व्यक्त की। डीएमके ने मंगलवार रात अपने नए सहयोगी, दिवंगत अभिनेता-राजनेता विजयकांत की पार्टी देशिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) को एक राज्यसभा सीट आवंटित की थी।

सुप्रीम कोर्ट की जज बोलीं- सत्ता में बैठे लोगों की चिंता न करें, सही फैसले लें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट जज बीवी नागरत्ना ने न्यायाधीशों को अपने फैसले पर अड़े रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि किसी भी दबाव में सही फैसला लेने से संकोच नहीं करना चाहिए। वह केरल उच्च न्यायालय में आयोजित दूसरे टीएस कृष्णमूर्ति अय्यर मेमोरियल लेक्चर में बोल रहीं थीं। इससे पहले उन्होंने मीडिया को लेकर भी ऐसी ही बात कही थी। उन्होंने कहा था कि किसी भी तरह की बाधा, भय या प्रभाव में मीडिया अपनी भूमिका नहीं निभा सकता है। मंगलवार को जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'जजों को सही फैसला लेने से संकोच नहीं करना चाहिए। फिर चाहे इसकी वजह से उनकी उन्नति ही क्यों न रुक जाए या सत्ता में बैठे लोग नाराज हो जाएं।' उन्होंने कहा, 'एक जज को राजनीतिक दबाव, संस्थागत धमकी या पॉपुलर डिमांड से मुक्त ही रहना चाहिए।'

शुक्रवार को जस्टिस नागरत्ना आईपीआई इंडिया अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म 2025 के सम्मान समारोह में पहुंचीं थीं। उन्होंने कहा था कि प्रेस पर कब्जा करने के हालिया प्रयासों के पीछे न केवल आर्थिक आधार हैं बल्कि राजनीतिक पहलू भी शामिल हैं। खास बात है कि जस्टिस नागरत्ना सितंबर 2027 में भारत की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश बनेंगी। जब वह किसी भी तरह के डर या दबाव से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि आज के दौर में प्रेस की आादी को सबसे बड़ा खतरा सीधे तौर पर लगने वाली पाबंदियों (सेंसरशिप) से नहीं है। बल्कि, असली खतरा आर्थिक नीतियों, लाइसेंस देने के कड़े नियमों और मीडिया कंपनियों के मालिकाना हक से जुड़ा है।

तमिलनाडु की 500 साल पुरानी कांस्य प्रतिमा की घर वापसी, ऑक्सफोर्ड के संग्रहालय ने पूरी की प्रक्रिया

16वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा भारत को वापस लौटाने की तैयारी में है

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय तमिलनाडु के एक प्राचीन मंदिर से चुराई गई 16वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा भारत को वापस लौटाने की तैयारी में है। यह प्रतिमा दक्षिण भारतीय हिंदू संत तिरुमंगाई अलवार (थिरुमंगाई अलवार) की है, जो तमिलनाडु के थाडिकोम्बु गांव स्थित श्री सौंदरराज पेरुमल मंदिर की मूल पूजनीय वस्तु थी। प्रतिमा की ऊंचाई 57.5 सेंटीमीटर है और यह ठोस कांस्य से बनी हुई है। एशमोलियन संग्रहालय ने 1967 में सोथबीज़ नीलामी घर से डॉ. जे.आर. बेलमोंट (1886-1981) के निजी संग्रह से यह प्रतिमा खरीदी थी। उस समय इसकी उत्पत्ति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं थी। हालांकि, नवंबर 2019 में एक स्वतंत्र फ्रांसीसी शोधकर्ता ने संग्रहालय को सूचित किया कि 1957 में ली गई एक तस्वीर में यही प्रतिमा थाडिकोम्बु के सौंदरराज पेरुमल मंदिर में मौजूद थी। इस खुलासे के बाद संग्रहालय ने इसकी जांच शुरू की। 11 फरवरी 2020 को मंदिर के एक कार्यकारी

अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि मूल प्रतिमा की जगह एक आधुनिक प्रतिकृति स्थापित कर दी गई है। इसके बाद भारतीय उच्चायोग ने 3 मार्च 2020 को औपचारिक दावा पेश किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुरोध पर संग्रहालय ने कांस्य की धातु का वैज्ञानिक विश्लेषण कराया और उत्पत्ति की पुष्टि की। मार्च 2024 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने वापसी के दावे का समर्थन किया और चारिटी कमीशन की मंजूरी के बाद प्रतिमा को भारत को सौंप दिया गया। लंदन में भारतीय उच्चायोग (इंडिया हाउस) में एक औपचारिक समारोह में प्रतिमा का हस्तांतरण किया गया, जिसमें एशमोलियन संग्रहालय की निदेशक डॉ. ज़ा स्टर्गिस और पूर्वी कला विभाग की प्रमुख प्रोफेसर मलिका कुम्बेरा लैंड्रस मौजूद थीं। डॉ. ज़ा स्टर्गिस ने कहा, ÷इस महत्वपूर्ण वस्तु को भारत में वापस लाकर एशमोलियन संग्रहालय बेहद प्रसन्न है। हम भारतीय अधिकारियों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के आभारी हैं जिन्होंने इसकी उत्पत्ति का पता लगाने में मदद की। संग्रहालय और विश्वविद्यालय नैतिक संग्रह प्रथाओं, वस्तुओं की उत्पत्ति और इतिहास पर निरंतर शोध के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ यह वापसी भारतीय विरासत की वस्तुओं को उनके मूल स्थान पर लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तमिलनाडु पुलिस के आइडल विंग और एएसआई ने इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पश्चिम एशिया संकट- हिंद महासागर में अमेरिका ने डुबोया ईरानी युद्धपोत, बढ़ता टकराव भारत के लिए चिंताजनक कैसे?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने खाड़ी देशों के साथ दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब इसका असर भारत पर कैसे पड़ने वाला है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है, क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से ध्वस्त कर दिया। ईरान के इस युद्धपोत का तार भारत के साथ कैसे जुड़ा है और यह घटना भारत के सामरिक और समुद्री हितों को खतरे में कैसे डाल सकती है? आइए यहां समझते हैं। दुनिया की राजनीति अब अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर किए गए हमले और फिर ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई ने खाड़ी देशों के साथ-साथ दुनियाभर की राजनीति में चिंता पैदा कर दी है। इस आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इस युद्ध की आग से

उठे लपटें ने सिर्फ पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और अब भारतीय महासागर के पानी में भी उबाल आ गया है। तनाव इतना बढ़ चुका है कि एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति ने टॉरपीडो तक चलाकर अपनी ताकत दिखा दी, जिससे भारत में चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया? पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी पनडुब्बी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय जल में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाया और ध्वस्त कर दिया। इस हमले से जहाज का मुख्य ढांचा टूट गया, जिससे बचाव दल को कोई जहाज नहीं मिला। गौर करने वाली बात यह है कि यह अमेरिका की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली टॉरपीडो से युद्धपोत पर किया गया हमला है। भारत में आंध्र प्रदेश के विशाखपटनम के विजाग से लौट रही थी, जहां उसने मिलान अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास और बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक रिव्यू में हिस्सा लिया था।

● खाड़ी देशों की पहली आपात बैठक से यूएई भी जुड़ा

पश्चिम एशिया में शांति कब-कैसे चीन विशेष मध्यस्थता दूत भेजेगा

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस समय विस्फोटक हालात से गुजर रहा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान की टकराहट ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। तनाव इतना बढ़ गया कि खाड़ी देशों को पहली बार आपात बैठक करनी पड़ी, जिसमें यूएई भी शामिल हुआ। वहीं चीन ने भी साफ कर दिया है कि वह चुप नहीं बैठेगा और संकट सुलझाने के लिए अपना विशेष दूत भेजेगा। पश्चिम एशिया बीते कई दिनों से बारूद के ढेर पर खड़ा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ती तनातनी ने पूरे क्षेत्र को जंग के मुहाने पर ला दिया है। हालात इतने विस्फोटक हो चुके

हैं कि शांति की कोशिशों के लिए खाड़ी देशों को पहली बार संयुक्त आपात बैठक बुलानी पड़ी, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल हुआ। दूसरी ओर चीन ने साफ संकेत दिया है कि वह इस पूरे मामले में तमाशबीन नहीं रहेगा और मध्यस्थता के लिए अपना विशेष दूत मैदान में उतारेगा। सबसे पहले बात अगर खाड़ी देशों की अहम बैठक की करें तो, यूएई ने इसमें हिस्सा लिया और इस बैठक में यूएई का प्रतिनिधित्व उसके गृह मंत्री ने किया।

नेपाल में क्या हैं इस चुनाव के मुद्दे- पीएम पद के लिए किसके बीच मुकाबला, कौन से अहम चेहरे मैदान में

नेपाल, एजेंसी। नेपाल के चुनाव में इस बार कौन सी पार्टियां मैदान में हैं? इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए कौन-कौन ताल ठोंक रहा है? इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं? वह कौन सी सीटें हैं, जहां चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी? आइये जानते हैं... नेपाल में गुरुवार (5 मार्च) को होने वाले चुनावों के लिए देश के सियासी दलों ने कमर कस ली है। सितंबर में जेन जेड की ओर से किए गए प्रदर्शनों के बाद अब यह पहला चुनाव है। एक ओर जहां इस चुनाव में कुछ नई पार्टियां युवाओं के वोटों को हासिल कर नेपाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि को बदलने के लिए संघर्ष करेंगी तो कुछ पुराने दल इस चुनाव में अपनी वैधता की लड़ाई जारी रखेंगे। इनमें से कई पार्टियां तो अपना राष्ट्रीय दर्जा तक बचाने की जंग में होंगी। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर नेपाल के चुनाव में इस बार कौन सी पार्टियां मैदान में हैं? इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए कौन-कौन ताल ठोंक रहा है? इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं? वह कौन सी सीटें हैं, जहां चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी? आइये जानते हैं... नेपाल के आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के लिए मुख्य रूप से चार बड़े नेता ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि, अलग-अलग सर्वे एजेंसियों का मानना है कि मुख्य मुकाबला जेन जेड प्रदर्शनों के बाद उभरे बालेन्द्र शाह और इस प्रदर्शन के बाद पद छोड़ने को मजबूर हुए केपी शर्मा ओली के बीच ही होगा।

35 वर्षीय बालेन का जन्म 1990 में काठमांडू में हुआ था, जब नेपाल में माओवादी गृहयुद्ध चल रहा था। पेशे से वह एक सिविल इंजीनियर हैं और राजनीति में आने से पहले एक अंडरग्राउंड हिप-हॉप आर्टिस्ट (रैपर) हुआ करते थे। उनके गानों में अक्सर भ्रष्टाचार और असमानता का कड़ा विरोध देखने को मिलता था, जिससे उन्हें युवाओं के बीच खासी पहचान मिली।

संगीत से मिली अपनी लोकप्रियता को उन्होंने राजनीति में मोड़ा और 2022 में काठमांडू के पहले निर्दलीय मेयर चुने गए। मेयर के रूप में उन्होंने टैक्स चोरी, ट्रैफिक जाम और कचरा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर कड़े फैसले लिए और एक स्पष्टवादी सुधारक की छवि बनाई। सितंबर 2025 के युवाओं के प्रदर्शनों का समर्थन करने के बाद, वह दिसंबर 2025 में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गए।

बालेंद्र शाह अब नेपाल में राजनीतिक बदलाव और सुशासन के एक प्रमुख युवा चेहरे के रूप में उभरे हैं। चुनाव में झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से वह पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सीधी चुनौती दे रहे हैं। 74 वर्षीय और चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके ओली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूएमएल के नेता हैं। ओली नेपाल के सबसे अनुभवी और सियासी ध्रुवीकरण करने वाले प्रमुख नेताओं में से एक हैं। किशोरावस्था में ही वह अंडरग्राउंड कम्युनिस्ट गतिविधियों से जुड़ गए थे। 1973 में राजशाही के खिलाफ अभियान चलाने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और

उन्होंने अपनी जिंदगी के 14 साल जेल में बिताए, जिनमें से 4 साल एकांतवास वाली जेल (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में थे। सियासी सफर~ लगभग छह दशकों के राजनीतिक करियर में वह चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उनके आलोचक उन पर सत्तावादी होने और असहमति बर्दाश्त न करने का आरोप लगाते हैं, जबकि उनके समर्थक उन्हें मजबूत और राष्ट्रवादी नेता मानते हैं, जिसने भारत और चीन के साथ संबंधों को ठीक से साधा है। सितंबर 2025 के प्रदर्शनों के दौरान 77 लोगों की मौत का आरोप उन पर लगा था, हालांकि वह इसे नकारते हुए हिंसा के लिए घुसपैठियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। इसी युवा आंदोलन के कारण उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा था, लेकिन वह अपनी पार्टी के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने और एक बार फिर से प्रधानमंत्री पद पर वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

गगन थापा का जन्म 1976 में हुआ था। 1990 में पूर्ण राजशाही के खिलाफ हुए लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के दौरान एक किशोर के रूप में ही उनका झुकाव राजनीति की ओर हो गया था। सियासी सफर~ उन्होंने %नेपाली कांग्रेस% से जुड़ी छात्र राजनीति के जरिए अपनी जगह बनाई और 2006 के उस ऐतिहासिक जन-आंदोलन का प्रमुख चेहरा बने, जिसने राजा को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। विरोध प्रदर्शनों के कारण कई बार जेल जा चुके थापा जब नेपाल की संसद में पहुंचे, तो वह वहां के सबसे कम उम्र के सदस्यों में से एक थे। वह नेपाल के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। जनवरी 2026 में उन्होंने शेर बहादुर देउबा के खिलाफ पार्टी के भीतर विद्रोह का नेतृत्व किया।

धनबाद में चार हजार करोड़ की जलापूर्ति योजना लंबित

जलसंकट को लेकर लोग चिंतित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद में पेयजल आपूर्ति की तस्वीर चौंकाने वाली है। चार हजार करोड़ की बीते एक दशक से विभिन्न शहरी और ग्रामीण जलापूर्ति योजनाएं लंबित हैं। पाइपलाइन बिछी, जलमीनारें खड़ी हुईं, ट्रीटमेंट प्लांट बने, लेकिन बड़ी आबादी अब भी नियमित जलापूर्ति से वंचित है। कई इलाकों में नल तो लगे हैं, पर पानी नहीं पहुंचा। जिले में चल रही कई योजनाएं 70 से 85 प्रतिशत तक पूरी बताई जा रही हैं। लक्ष्य तिथि भी बीत चुकी है, फिर भी आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। कहीं इंटेक वेल अधूरा है, कहीं पंप हाउस का काम लंबित है तो कहीं बिजली कनेक्शन नहीं मिल पाया। परिणामस्वरूप, पूरी संरचना खड़ी होने के बावजूद जलापूर्ति ठप है। निरसा-गोविंदपुर मेगा योजना करीब 750 करोड़ रुपये की लागत से शुरू इस योजना का उद्देश्य सैकड़ों गांवों तक पानी पहुंचाना था। पाइपलाइन और टंकियों का निर्माण हुआ, लेकिन जल स्रोत से पानी उठाव और वितरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। जिस कारण ग्रामीण आज भी पुराने जलस्रोतों पर निर्भर हैं। ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत ट्रीटमेंट प्लांट और जलमीनार बन चुके हैं। योजना तय समय में पूरी होनी थी, पर मोटर संचालन और ट्रायल रन में देरी के कारण दर्जनों गांवों में पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। बलियापुर में ट्रायल के बाद पानी शुरू हुई, लेकिन फिर से आपूर्ति बंद कर दी गई। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसियों में बदलाव, तकनीकी खामियां और समन्वय की कमी को देरी का कारण बताया जा रहा है। इस संबंध में धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि जलापूर्ति की नगर निगम और पेयजल विभाग से चलने वाली योजनाएं सालों से लंबित है। जल जीवन मिशन के तहत चलने वाली योजनाओं में फंड की कमी की दिक्कत हो रही थी, लेकिन अभी कुछ फंड आया है। जल जीवन मिशन के तहत चलने वाली योजनाओं को पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ योजनाएं एनओसी के कारण लंबित रही। किसी में रेलवे ट्रैक तो किसी में एनएच जैसी समस्या खड़ी हो रही है। कई एनएच की चौड़ाई काफी कम है। अगर पाइप लाइन की एनओसी दे दी जाए, तो आधी सड़क कट जाएगी। इन कारणों से योजनाएं लंबित रही है। कुछ में वाटर एक्सट्रैक्शन की भी समस्याएं खड़ी हो रही। बायर एक्सट्रैक्शन के लिए डीवीसी से परमिशन नहीं मिला है। डीवीसी से परमिशन लेनी है। जलापूर्ति योजनाओं पर कार्य करने वाली एजेंसी का काम संतोषजनक नहीं रहा। गर्मी के पहले डीवीसी, निगम और सभी एजेंसी के साथ एक बैठक की जाएगी। कम बजट और कम मेहनत वाली जलापूर्ति योजनाओं को तत्काल शुरू करने की कोशिश की जाएगी। सिंगल विलेज स्कीम का सर्वे चल रहा है। डीसी ने साफ किया कि तकनीकी अड़चन, एनओसी और एजेंसियों की धीमी कार्यशैली के कारण योजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकीं। हालांकि प्रशासन अब गर्मी से पहले कुछ योजनाएं चालू करने की बात कह रहा है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि जलापूर्ति योजना के अधूरी रहने से उन्हें पानी खरीदकर इस्तेमाल करना पड़ रहा है। हर साल गर्मी में यही हाल होता है और इस बार भी राहत की उम्मीद कम ही दिख रही है। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो कि मने तो जलापूर्ति योजनाओं को पूरा करने वाली एजेंसी कार्य के प्रति कभी समर्पित नहीं रही है। काम को सिर्फ लीपापोती करने के चक्कर में लगे रहते हैं। ऐसी एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट करने की जरूरत है। विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक लापरवाह एजेंसियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक योजनाएं समय पर पूरी नहीं होंगी। जिले में जलापूर्ति योजनाओं पर भारी राशि खर्च होने के बावजूद जनता को राहत नहीं मिल पा रही है। प्रशासन तकनीकी और प्रक्रियात्मक अड़चनों का हवाला दे रहा है, जबकि आम लोग पानी के लिए जूझ रहे हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि गर्मी से पहले कितनी योजनाएं धरातल पर उतर पाती हैं और धनबाद की प्यास कब बुझती है।

उद्योग और समाज का संगमः 'कृतज्ञता पार्क' बनेगा आभार का प्रतीक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र को अपने स्थापना काल से ही स्थानीय निवासियों का निरंतर सहयोग, विश्वास और सहभागिता प्राप्त होती रही है। संयंत्र की आधारशिला से लेकर आज तक की प्रगति यात्रा में इस क्षेत्र के लोगों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय रहा है। उनकी प्रतिबद्धता, त्याग और सकारात्मक सहयोग के परिणामस्वरूप ही संयंत्र आज राष्ट्रीय औद्योगिक परिदृश्य में एक सशक्त स्थान प्राप्त कर सका है। संयंत्र प्रबंधन स्थानीय समुदाय की इस भूमिका के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता है। इसी भाव को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से प्रबंधन द्वारा सेक्टर-11 में ह्लकृतज्ञता पार्कह्व की स्थापना की पहल की गई है। यह पार्क उन निवासियों के सम्मान में एक स्थायी स्मारक के रूप में विकसित किया जाएगा, जिन्होंने बोकारो इस्पात संयंत्र के निर्माण एवं विकास में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान दिया। 'कृतज्ञता पार्क' केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उद्योग और समाज के बीच सुदृढ़ संबंधों का प्रतीक होगा। यह भावी पीढ़ियों को भी यह स्मरण कराएगा कि किसी भी औद्योगिक उपलब्धि के पीछे स्थानीय समुदाय की सहभागिता और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संयंत्र प्रबंधन विश्वास व्यक्त करता है कि भविष्य में भी स्थानीय समुदाय का सहयोग और विश्वास इसी प्रकार बना रहेगा, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास और प्रगति को नई दिशा मिलती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

फल दुकानदार को कार से घसीटा एक आरोपी गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के केंदुआ मोड़ में गुरुवार को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जहां मामूली विवाद के बाद एक फल दुकानदार को कार से करीब 100 मीटर तक घसीट दिया गया। इस घटना में दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका सिर फट गया। घटना केंदुआ मोड़ स्थित बिहारी लाल चौधरी के सामने की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एक कार आकर फल दुकानदार के ठेले के सामने खड़ी हुई। कार में सवार एक व्यक्ति बाहर बियर की बोतल रखकर शराब पीने लगा। जब दुकानदार ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इसी दौरान आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए दुकानदार को थप्पड़ मार दिया। बताया जा रहा है कि इसके बाद आरोपी ने कार का दरवाजा खोलकर दुकानदार को अंदर खींच लिया और तेज रफ्तार में गाड़ी भगा दी। दुकानदार करीब 100 मीटर तक घसीटता रहा और फिर चलती कार से सड़क पर गिर पड़ा। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल दुकानदार को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद केंदुआ थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कार चालक और वाहन अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विस्थापितों और युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में संयंत्र प्रबंधन ने उठाए कई कदम

विस्तारीकरण के साथ बढ़ेंगे और अवसर, सशक्त होगा स्थानीय समाज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने क्षेत्र की जनता, विशेषकर विस्थापित परिवारों तथा स्थानीय युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक सकारात्मक एवं दूरगामी पहल की हैं। अप्रेंटिस प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को संवेदकों के माध्यम से संयंत्र के कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर नियोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिल सकें और उनके कौशल का समुचित उपयोग हो सके। अब तक 100 से ज्यादा युवाओं को समायोजित किया जा चुका है, वहीं अगले 1-2 महीनो में 125 और युवाओं को समायोजित करने से सम्बंधित सभी प्रक्रियाओं को पूरा कर लिया गया है. इसी प्रकार, विस्थापित ठेकेदारों को प्राथमिकता के आधार पर कार्य आवंटित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने और आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह पहल न केवल आजीविका के साधन सृजित करती है, बल्कि संयंत्र और स्थानीय समुदाय के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करती है। संयंत्र प्रबंधन समय-समय पर संवाद एवं समन्वय के माध्यम से क्षेत्र की अपेक्षाओं को समझने और समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। प्लांट के प्रस्तावित विस्तारीकरण से उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ रोजगार, उद्यमिता और स्थानीय विकास के नए आयाम खुलने की प्रबल संभावना है। इससे ऐसे कल्याणकारी एवं सहभागितापूर्ण पहलों को और गति मिलेगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा प्राप्त होगी।

वृद्ध जनों के साथ उपायुक्त ने खेली अबीर-गुलाल व फूलों की होली

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज सबलपुर स्थित ओल्ड एज होम में वृद्ध जनों के साथ अबीर-गुलाल व फूलों की होली खेली। उपायुक्त ने सभी को होली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। वहीं ओल्ड एज होम के वृद्ध जनों ने भी उपायुक्त को अबीर-गुलाल लगाकर, शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिए। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि उन्होंने इस वर्ष की पहली होली वृद्ध जनों के साथ खेली है। कहा कि राज्य सरकार को अनुरोध करने पर राज्य सरकार ने सबलपुर ओल्ड एज होम को विकसित कर 88 बेड का आश्रम बनाने की योजना तथा ओल्ड एज होम के संचालन के बजट को स्वीकृति प्रदान की है। इस घषणा से सभी वृद्ध जनों के चेहरे खुशी से खिल उठे। साथ ही कहा बरसात से पहले एक नया बिल्डिंग बनाने की शुरूआत की जाएगी। उपायुक्त ने आश्रम का अच्छे से संचालन करने के लिए पूरी टीम को बधाई दी। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, आश्रम के अध्यक्ष मो. नौशाद गद्धी, कोषाध्यक्ष ओमकार मिश्रा, कार्यकारिणी अध्यक्ष सुधीर बरनवाल, सह-सचिव सुरेंद्र यादव, विजय सिन्हा सहित बड़ी संख्या में आश्रम के वृद्ध जन मौजूद थे।

डीसी ने बटन क्लिक कर आरटीई नामांकन पोर्टल का किया शुभारंभ

आगामी 04 अप्रैल 2026 तक अभिभावकगण कर सकते हैं बच्चों के नामांकन के लिए आवेदन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोपनीय कार्यालय कक्ष में गुरूवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने बटन क्लिक कर आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत ऑनलाइन नामांकन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार, जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) अतुल कुमार चौबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने कहा कि आरटीई अधिनियम के तहत निजी विद्यालयों में आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जिले में नामांकन प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता, सरलता एवं समयबद्ध तरीके से संचालित करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल की शुरूआत की गई है।

04 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं अभिभावक

उपायुक्त ने बताया कि आरटीई के तहत नामांकन के लिए अभिभावक 05 मार्च से 04 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभिभावक अपने बच्चों के नामांकन के लिए rtebokaro.com पोर्टल पर जाकर आवश्यक जानकारी भरकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्रक्रिया से आवेदन प्रणाली अधिक पारदर्शी होगी तथा अभिभावकों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

विद्यालय से दूरी के आधार पर कर सकेंगे आवेदन

आरटीई के तहत नामांकन के लिए अभिभावक अपने बच्चों का आवेदन विद्यालय से 01 किलोमीटर, 03 किलोमीटर एवं 06 किलोमीटर की निर्धारित परिधि के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में कर सकते हैं। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों को अपने घर के समीप स्थित विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिले तथा आवागमन में भी किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो।

जिले के 51 विद्यालयों में 1434 सीटों पर होगा नामांकन

जिले में आरटीई अधिनियम के अंतर्गत कुल 51 निजी विद्यालयों में 1434 सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस योजना के तहत 03 वर्ष से 07 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का प्रवेश कराया जाएगा। पात्रता की शर्तों को पूरा करने वाले अभिभावक अपने बच्चों के नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

प्रखंड एवं जिला स्तर पर गठित होगी कमेटी

नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए प्रखंड एवं जिला स्तर पर कमेटियों का गठन किया जाएगा। प्रखंड स्तरीय कमेटी में संबंधित प्रखंड के बीडीओ - सीओ अध्यक्ष होंगे तथा बीईईओ सदस्य सचिव की भूमिका निभाएंगे। वहीं, जिला स्तरीय कमेटी में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) अध्यक्ष होंगे तथा जिला शिक्षा अधीक्षक सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। ये कमेटियां आवेदन की जांच, सत्यापन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की निगरानी करेंगी तथा पूरी पारदर्शिता के साथ मेरिट सूची तैयार करने का कार्य करेंगी।

जागरूकता अभियान चलाने का दिया निर्देश

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि आरटीई योजना की जानकारी अधिक से अधिक अभिभावकों तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जागरूकता वैन, पंपलेट वितरण, प्रचार सामग्री तथा समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से लोगों को योजना के बारे में जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र बच्चे इस योजना का लाभ उठा सकें। मेधावी बच्चों को मुफ्त शिक्षा का अवसर दिलाना प्राथमिकता

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि आरटीई अधिनियम का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी योग्य एवं मेधावी बच्चा केवल आर्थिक कारणों से शिक्षा के अवसर से वंचित नहीं रह जाए, यह सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नामांकन प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जाए, ताकि आरटीई अधिनियम की मूल भावना को साकार किया जा सके।

बीएसएल की नई कल्याणकारी पहल संविदा कर्मियों का 4 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट ने अपने संविदा कर्मियों की सामाजिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'संजीवनी' नामक समूह स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ किया है। यह कदम संयंत्र की अपने ठेका कर्मियों के समग्र कल्याण, सुरक्षा और सम्मानजनक कार्यपरिसर के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित करता है। 'संजीवनी' योजना के अंतर्गत लगभग 7,000 संविदा कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। योजना का संचालन बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट के माध्यम से किया जाएगा, जबकि बीमा कवरेज मेसर्स बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रत्येक बीमित संविदा कर्मी को ₹4 लाख तक की इन-पेशेंट चिकित्सा सुविधा तथा ₹1,500 तक की आउट-पेशेंट सुविधा एक वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जाएगी। यह प्रावधान संविदा कर्मियों और उनके परिवारों को आकस्मिक स्वास्थ्य व्ययों से सुरक्षा प्रदान करेगा तथा उन्हें आर्थिक और मानसिक संबल देगा। 'संजीवनी' योजना पूरे सेल में इस तरह की एकमात्र योजना है जो न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि संविदा कर्मियों के मनोबल को भी सुदृढ़ करेगी। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि बीएसएल अपने कार्यबल के प्रत्येक वर्ग को संगठन की प्रगति का सहभागी मानते हुए समावेशी, उत्तरदायी और मानवीय कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयासरत है। उल्लेखनीय है कि यह योजना ठेका कर्मियों के कल्याण के प्रति बीएसएल की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर स्थापित करती है और औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक कल्याण की दिशा में एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत करती है।

एसबीआई के हेड क्लर्क के घर लाखों की चोरी

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल स्थित तेनुघाट पुलिस कॉलोनी एफ टाईप आवास संख्या टी एफ 13 में रह रहे एस बी आई बैंक के हेड क्लार्क राकेश कुमार के आवास में सोमवार की रात अज्ञात चोरो ने घर का ताला काट कर लगभग चार लाख के सामानो की चोरी कर ली। वहीं राकेश कुमर अपने पुरे परिवार के साथ रांची घर में रहते है। लेकिन तेनुघाट में भी उनका एक क्वार्टर है जिसमें वे फिलहाल अकेले रहते है। बैंक के डियूटी समाप्त कर पेटरवार से रांची अपने घर चले गये थे। वहीं तेनुघाट क्वार्टर के बगल में रहने वाले पडोसी ने सुचना दिया की आपके आवास का ताला टुटा हुआ है। वहीं रांची अपने घर से तेनुघाट पंहुचा तो देखा की उनके घर का ताला टुटा हुआ है और अंदर के सभी सामान बिखरा पड़ा हुआ है अंदर जाकर देखा तो दो अलमीरा जिसका का ताला टुटा हुआ है बगल में रखे बक्से का भी ताला तोड़ कर सभी सामानो को बिखेर दिया गया है। वहीं आलमीरे से चांदी के बहुमूल्य सामान भी गायब पड़े है घर के आलमीरे से सोने के लॉकेट, चांदी के जेवर, माइकरो टेक का एक इंभटर, पीतल और कांसे का वर्तन, कीमती कपड़े सहित कई दस्ताबेज गायब हैं। वहीं गृह स्वामी ने तेनुघाट थाने में चोरी की सुचना दे दी है और पुलिस मामले की जाँच कर है। चोरी की सूचना पाकर तेनुघाट ओपी प्रभारी भजन लाल महतो पुलिस बल के साथ पहुंचे। श्री महतो ने बताया कि घटना की प्राथमिकी दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। बहुत जल्द आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं अभी तक लगभग चार पांच आवास में चोरी हो चुकी है वहीं पुरे मामले की जाँच चल रही है

आपसी विवाद में बीयर की बोतल से हमला, दो युवक व महिला गंभीर घायल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरायढेला थाना क्षेत्र के उड़िया पट्टी में गुरुवार को आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब कुछ युवकों ने बियर की बोतल तोड़कर हमला कर दिया। इस घटना में दो युवक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार विक्की हाड़ी अपनी बहन रानी देवी के घर उड़िया पट्टी आया हुआ था। इसी दौरान पास के रहने वाले कुछ युवक नशे की हालत में वहां पहुंचे और पहले एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी, जिससे उसका सिर फट गया। जब विक्की हाड़ी और उसका भाई बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने बियर की बोतल तोड़कर उन पर हमला कर दिया। इस दौरान एक युवक के सीने पर बोतल से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों का आरोप है कि जब वे लोग घायलों को बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने चाकू से भी हमला करने की कोशिश की, जिसमें विक्की की बहन रानी देवी भी घायल हो गईं। घायलों को तुरंत एसएनएमएमसीएच अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल के परिजन रीना देवी ने बताया कि इलाके के कुछ युवक अक्सर पिस्टल दिखाकर लोगों को धमकाते रहते हैं। वहीं सरायढेला थाना प्रभारी मंजीत कुमार ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खाड़ी के देशों में फंसे लोगों को लाने हेतु भारत सरकार से बात हुई : मुख्यमंत्री

रामगढ़/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाहा पर्व मनाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा पहुंचे। इस क्रम में मांदर की गूंज और बाहा गीतों की लय सुनाई दे रही थीं। फागुन के महीने में जब प्रकृति अपने नए पत्तों और फूलों से श्रृंगार करती है तब आदिवासी समाज अपने इष्ट देव जाहेर ईरा और मरांग बुरु की पूजा कर बाहा पर्व मनाता है। नेमरा के जाहेर थान में मुख्यमंत्री के साथ ग्रामीण अपने पाहन की अगुआई में साल पलास और महुआ के फूलों को आज ईश्वर को अर्पित किया हैं। मान्यता हैं कि इस पूजा के बाद ही समाज मे नए फल फूलो का उपयोग और शादी विवाह जैसे मांगलिक कार्य शुरू होते है। बाहा पर्व को आदिवासी होली भी कहा जाता है लेकिन यहां कृतिम रंगों का कोई स्थान नहीं है इस दौरान ग्रामीण एक दूसरे पर शुद्ध पानी छिड़क कर खुशियां मनाते हैं। पाहन के द्वारा प्रकृति फूलों को घर-घर जाकर बांटा जाता है जिसे महिलाएं अपने जुड़े एवं पुरुष अपने कानों पर सजाते हैं। आदिवासी समाज में युवाओं के लिए यह अपने संस्कृति से जुड़ने का एक बड़ा माध्यम है। पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत का यह मेल समाज को प्रेरित करता है कि अगर प्राकृतिक सुरक्षित रहेगी तभी मानव का अस्तित्व बचेगा। इस क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश सहित झारखंड की जनता को हमारी तरफ से बहुत - बहुत शुभकामनाएं, आज हम अपने परंपराओं के साथ गाँव में है, खड़ी के देशों में फंसे लोगों के लिए भारत सरकार कुछ भी करेगी इसके लिए हमने भारत सरकार से आग्रह भी किया है।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने की पुस्तकालय कार्य की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोपनीय कार्यालय कक्ष में गुरूवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने चंदनकियारी प्रखंड के प्रस्तावित लाइब्रेरी कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने चंदनकियारी के प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय वर्मा को लाइब्रेरी के शेष बचे कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि उपायुक्त द्वारा हाल ही में प्रस्तावित चंदनकियारी लाइब्रेरी का स्थल निरीक्षण किया गया था, जिसमें निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कर आमजनों एवं विद्यार्थियों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराने पर बल दिया गया था।

शहरी क्षेत्रों में मोहल्ला लाइब्रेरी की योजना बनाने का निर्देश

बैठक के दौरान उपायुक्त ने शहरी क्षेत्रों में भी अध्ययन की सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मोहल्ला लाइब्रेरी की स्थापना का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चास नगर निगम क्षेत्र तथा फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में वार्ड स्तर पर मोहल्ला लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाए। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) जगरनाथ लोहरा तथा जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) डॉ. अतुल कुमार चौबे को आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र जिला को प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK